● वर्ष-3
● अंक-44
रायपुर, शुक्रवार
29 सितंबर 2023
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

# समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

पेज-6›› बॉलीवुड के किस एक्टर के.....

## 'चंद्रयान 3' के
## 'प्रज्ञान' ने अपेक्षित काम कर दिया : इसरो प्रमुख

**नईदिल्ली।** भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख एस. सोमनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनके चंद्र मिशन 'चंद्रयान-3' के रोवर 'प्रज्ञान' ने वह काम कर दिया है जो इससे किये जाने की अपेक्षा की गई थी और यदि यह वर्तमान निष्क्रिय अवस्था (स्लीप मोड) से सक्रिय होने में विफल रहता है तो भी कोई समस्या नहीं होगी। वह गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में सोमनाथ मंदिर दर्शन करने गये थे और इसके बाद यहां संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी अब एक्सपीओसैट या एक्स-रे पोलरिमीटर उपग्रह प्रक्षेपण के लिए तैयारी कर रही है और यह प्रक्षेपण नवंबर या दिसंबर में किया जा सकता है। चंद्रमा पर वर्तमान में 'प्रज्ञान' के सुप्तावस्था या निष्क्रिय अवस्था में होने की स्थिति पर इसरो प्रमुख ने कहा कि चंद्रमा पर तापमान शून्य से लगभग 200 डिग्री सेल्सियस नीचे जाने पर अत्यधिक प्रतिकूल मौसम के कारण इसके इलेक्ट्रॉनिक सर्किट यदि क्षतिग्रस्त नहीं हुए हैं, तो यह फिर से सक्रिय हो जायेगा।

उन्होंने कहा, ''यदि यह सक्रिय नहीं हुआ तो भी ठीक है क्योंकि रोवर ने वह काम कर दिया है जो इससे करने की अपेक्षा की गई थी।'' इसरो ने पिछले सप्ताह कहा था कि चंद्रमा पर सुबह होने के साथ ही 'चंद्रयान-3' के सौर ऊर्जा से संचालित लैंडर 'विक्रम' और रोवर 'प्रज्ञान' के साथ संपर्क स्थापित कर इन्हें फिर से सक्रिय करने का प्रयास कर रहा है ताकि वे वैज्ञानिक प्रयासों को जारी रख सकें। चंद्रमा पर रात होने से पहले, लैंडर और रोवर दोनों क्रमशः चार और दो सितंबर को निष्क्रिय अवस्था में चले गये थे। सोमनाथ ने आगामी मिशन के बारे में कहा कि इसरो अब एक्सपीओसैट या एक्स-रे पोलरिमीटर उपग्रह के लिए तैयारी कर रहा है। उन्होंने कहा, ''यह एक्सपोसैट तैयार है और इसे हमारे पीएसएलवी रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित किया जायेगा।

हमने अभी तक किसी तारीख की घोषणा नहीं की है, लेकिन इसका प्रक्षेपण नवंबर या दिसंबर में किया जा सकता है।'' सोमनाथ ने कहा कि एक और मिशन 'इन्सैट-3डीएस' की भी तैयारी है, जो एक जलवायु उपग्रह है।

# महिला आरक्षण बिल एक जुमला है-खड़गे

## कृषक सह श्रमिक सम्मेलन में कहा, कांग्रेस नेताओं के जहां दौरे होते हैं, वहां ईडी-आईटी के छापे पड़ते हैं

**बलौदाबाजार।** कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने महिला आरक्षण बिल को जुमला बताया है। उन्होंने कहा कि जहां कांग्रेस नेताओं के दौरे होते हैं, वहां ईडी-आईटी के छापे पड़ते हैं। हमें डरना नहीं, लड़ना है। डर गए तो समझो मर गए। देखते हैं कितना सताते हैं। खड़गे ने आगे कहा कि कांग्रेस हर काम दिल से करती है। 2024 में बीजेपी को सबक सिखाना ही होगा। बीजेपी के लोग संविधान खत्म करना चाहते हैं। खड़गे ने ये बातें बलौदाबाजार में आयोजित कृषक सह श्रमिक सम्मेलन में कही।

### महिला आरक्षण सिर्फ जुमला

मोदी जी महिलाओं को आरक्षण आज नहीं दे रहे हैं। 2024 को नहीं दे रहे, 2029 को नहीं दे रहे, 2034 को देंगे। तब ?तक न वो रहेंगे और न हम। राजीव गांधी के कार्यकाल में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत रिजर्वेशन लाया गया था तो भी बीजेपी ने विरोध किया। बीजेपी चाहती तो ये भी लागू कर सकती है। लेकिन उसके पास इच्छा शक्ति नहीं।

कांग्रेस जो भी काम करती है दिल से करती है। लोगों के लिए करती है। कांग्रेस नेताओं के जहां दौरे होते हैं, वहां ईडी और आईटी के छापे पड़ते हैं। आप सभी लोगों को 2024 में भाजपा को सबक सिखाना ही होगा। भाजपा के लोगों को कांग्रेस नेताओं की सब जानकारी होती है। कौन, कहां पर है। किसका कहां दौरा होने वाला है।




### 15 लाख अब तक नहीं मिला

मोदी जी ने कहा था कि लोगों को 15 लाख रुपए मिलेंगे, जो अब तक नहीं मिला। किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई, ये सब एक जुमला था। बीजेपी के लोग हाथी के दांत के जैसे, दिखाने के और खाने के और।

### राहुल ने जोड़ने का काम किया

राहुल गांधी ने कश्मीर से कन्याकुमारी तक पैदल यात्रा कर देश को जोड़ने का काम किया। भाजपा के लोग सिर्फ भेदभाव करने का काम करते हैं। देश के 5 प्रतिशत लोगों के पास 65 फीसदी संपत्ति, 50 प्रतिशत लोगों के पास सिर्फ 3 प्रतिशत संपत्ति है। बीजेपी के लोग संविधान को खत्म कर दूसरा संविधान लाना चाह रहे हैं। भाजपा अपने विचारों को दूसरों पर थोपना चाहती है। इतिहास में सम्मान वही पाते हैं, जो गरीबों के लिए लड़ते हैं। लेकिन जो गरीबों को खत्म करने की बात करते हैं, वो खत्म हो जाते हैं।

### कांग्रेस की नकल करती है भाजपा

मिनी माता पहली महिला लोकसभा सांसद बनीं। राजनीतिक पार्टी की पहली महिला अध्यक्ष सरोजनी नायडू कांग्रेस की थीं। प्रतिभा पाटिल को राष्ट्रपति बनाया। भाजपा के लोग सिर्फ कांग्रेस की नकल करते हैं। देश में जहां भी बड़े काम होते हैं, वहां राष्ट्रपति को शामिल नहीं करते, सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी जाते हैं। नई संसद भवन की नींव रखते समय भी अनदेखी की गई।

### आदिवासियों को सहायता

19 लाख किसानों का कृषि लोन माफ हुआ। 5 लाख 63 हजार भूमिहीन कृषि मजदूरों 7 हजार रुपए लगातार दूसरे साल सहायता राशि दी गई। 5 लाख 16 हजार आदिवासियों को 101 लाख एकड़ वन भूमि पर अधिकार दिलाया। स्वामी इंग्लिश मीडियम स्कूल बनाए। 8 नए मेडिकल कॉलेज भी यहां बनाए गए, जिसका फायदा मिलना शुरू हो गया।

### 266 करोड़ के विकास कार्यों का हुआ लोकार्पण-भूमिपूजन

मल्लिकार्जुन खड़गे और मुख्यमंत्री बघेल ने आज बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के ग्राम सुमाभाटा में 266 करोड़ 40 लाख रूपए की लागत के 264 विकास कार्यों की सौगात दी। जिसमें 90 करोड़ 35 लाख रूपए की लागत के 114 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं 176 करोड़ रूपए की लागत के 150 विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है। सम्मेलन में लोकार्पित किए गए कार्यों में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनातंर्गत 12.63 करोड़ रूपए की लागत से 41 सड़कों का निर्माण कार्य, लोक निर्माण अंतर्गत 96.58 करोड़ रूपए की लागत से 14 भवन तथा सड़क निर्माण कार्य, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बलौदाबाजार अंतर्गत 9.97 करोड़ रूपए की लागत से 34 विभिन्न स्कूल, औषधालय सहित अन्य भवनों का निर्माण कार्य, स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत 2 करोड़ रूपए की लागत के 5 निर्माण कार्य, 3.83 करोड़ रूपए की लागत से छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के 15 गोदाम सह कार्यालय भवन निर्माण कार्य, 8.91 करोड़ रूपए की लागत से लोक निर्माण विभाग सेतु, बलौदाबाजार में आमाखोहा-भवरीद मार्ग पर रानीधाम नाला पर पुल निर्माण कार्य शामिल है।

मुंबई में 10 दिवसीय गणेश उत्सव के समापन पर बृहस्पतिवार को विभिन्न गणेश मंडलों द्वारा ढोल-नगाड़ों और 'गणपति बप्पा मोरया' के जयकारों के साथ विघ्नहर्ता की प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए जुलूस निकाले जा रहे हैं। बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) के एक अधिकारी ने बताया कि दोपहर तीन बजे तक कुल 2,452 प्रतिमाओं का विसर्जन किया जा चुका है, जिनमें घरों में स्थापित की गईं 2,311, सार्वजनिक स्थानों पर स्थापित की गईं 116 और 25 देवी गौरी की प्रतिमाएं शामिल हैं।

# झारखंडः 'आईईडी' धमाके में छत्तीसगढ़ का जवान शहीद

**झारखंड।** झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले में एक आईईडी (एक तरह का विस्फोटक उपकरण) धमाके में गंभीर रूप से घायल हुए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दो जवानों में से एक ने बृहस्पतिवार को रांची में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सुरक्षा बलों द्वारा माओवादियों के खिलाफ एक संयुक्त अभियान के दौरान जिले के टोंटो थाना क्षेत्र में तुम्बाहाका और सरजोंबुरु गांवों के बीच एक जंगल के समीप हुए विस्फोट में सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन के दो जवान गंभीर रूप से घायल हुए थे। पुलिस महानिरीक्षक (अभियान) अमोल वी. होमकर ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि सीआरपीएफ सिपाही राजेश कुमार और निरीक्षक भूपेंद्र कुमार को इलाज के लिए हवाई मार्ग से रांची लाया गया था।

उन्होंने बताया कि 209 कोबरा बटालियन के राजेश कुमार ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। शहीद जवान राजेश छत्तीसगढ़ के रहने वाला थे। अधिकारी ने बताया कि भूपेंद्र कुमार का रांची के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। होमकर ने बताया कि बुधवार की रात 11 से 12 बजे के बीच में माओवादियों ने कोबरा बटालियन को निशाना बनाकर आईईडी में धमाका किया। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने माओवादियों के खिलाफ अपने अभियान को तेज कर दिया था, जिसके जवाब में उन्होंने यह विस्फोट किया। उन्होंने बताया कि इलाके में सुरक्ष बलों का तलाशी अभियान अभी भी जारी है।पुलिस ने बताया कि राज्य के कोल्हान क्षेत्र में माओवादियों के खिलाफ तलाशी अभियान में कोबरा बटालियन के अलावा राज्य पुलिस का झारखंड जगुआर बल एवं जिला सशस्त्र पुलिस के जवान भी शामिल थे।बीते कुछ महीनों में इस तरह की घटनाओं में कई सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं। इसी इलाके में अगस्त में माआवादियों के साथ एक मुठभेड़ में झारखंड जगुआर बल के दो कर्मियों की मौत हो गई थी। राज्य में इस साल अभी तक माओवादियों से सुरक्षाबलों की 16 मुठभेड़ हुई हैं, जिनमें नौ माआवादियों को मार गिराया गया है। इस साल जुलाई तक 236 माओवदियों को गिरफ्तार किया गया है।

प्रमुख समाचार

### कर्नाटक बंद की इजाजत नहीं, बेंगलुरु में निषेधाज्ञा होगी लागू

**नईदिल्ली।** कई कन्नड़ समर्थक समूहों द्वारा घोषित शुक्रवार के कर्नाटक बंद के मद्देनजर, बेंगलुरु के पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने गुरुवार को कहा कि शहर में बंद की अनुमति नहीं दी जाएगी और आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 144 लागू की जाएगी। यह बंद पड़ोसी राज्य तमिलनाडु को कावेरी का पानी छोड़े जाने के विरोध में बुलाया गया है। दयानंद ने कहा कि सीआरपीसी की धारा 144 गुरुवार आधी रात से 24 घंटे के लिए लागू रहेगी, उन्होंने कहा कि जो लोग विरोध करना चाहते हैं वे फ्रीडम पार्क में ऐसा कर सकते हैं। दयानंद ने कहा कि हमने उन लोगों को नोटिस जारी किया है जिन्होंने बंद की घोषणा की है। जब राजनीतिक दलों या अन्य संगठनों द्वारा बंद लागू किया जाता है तो हम सार्वजनिक और निजी संपत्ति के विनाश को भी नजरअंदाज नहीं कर सकते। हमारा मानना ??है कि राजनीतिक दल और संगठन जो इस तरह के बंद का आह्वान करते हैं और उन्हें लागू करते हैं, वे वास्तव में इस तरह के विनाश के लिए सरकार, जनता और नागरिकों को हुए नुकसान की भरपाई करने के लिए उत्तरदायी हैं। पुलिस ने राज्य भर में अतिरिक्त बल तैनात किया है, खासकर दक्षिण कर्नाटक में, जहां कावेरी नदी बहती है।

### मनोज झा ने ठाकुर-राजपूत के खिलाफ कुछ नहीं कहाः लालू

**नईदिल्ली।** बिहार में फिलहाल ब्राह्मण बनाम ठाकुर की राजनीतिक लड़ाई तेज होती दिखाई दे रही है। दरअसल पूरा का पूरा विवाद मनोज झा के राज्यसभा में दिए भाषण से शुरू हुआ। महिला



आरक्षण बिल को लेकर जब संसद में बहस चल रही थी उसे समय राजद के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने एक कविता सुनाई थी जिसमें ठाकुरों का जिक्र था। उसके कुछ दिनों बाद बिहार में अब यह बड़ा मुद्दा बन चुका है। राजद के ही विधायक चेतन आनंद ने यह मुद्दा उठाया और साफ तौर पर कहा कि इस तरह का बयान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा था कि वह लालू प्रसाद यादव से मुलाकात कर सारी बातें बताएंगे। चेतन आनंद पूर्व सांसद आनंद मोहन के बेटे हैं। पूरे विवाद पर लालू यादव से पत्रकारों ने सवाल पूछा। लालू यादव ने साफ तौर पर कहा कि मनोज झा एक विद्वान आदमी है। उन्होंने जो कहा सही कहा। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि मनोज झा ने ठाकुर या राजपूत के खिलाफ कुछ नहीं बोला है। बिना नाम लिए उन्होंने आनंद मोहन को जवाब भी दिया और कहा कि जो इस मुद्दे को उठा रहे हैं।

### शिवसेना विधायकों की अयोग्यता बहस 23 नवंबर से

**नईदिल्ली।** महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार शिवसेना विधायकों की अयोग्यता याचिकाओं



के संबंध में जिरह 23 नवंबर से शुरू होगी। शिवसेना ने इस कदम की आलोचना करते हुए इसे प्रक्रिया में देरी करने की रणनीति करार दिया है। तय कार्यक्रम के अनुसार जिरह सप्ताह में दो बार आयोजित की जाएगी। उच्चतम न्यायालय ने पिछले सप्ताह महाराष्ट्र के विधानसभाध्यक्ष को निर्देश दिया था कि वह मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनके करीबी शिवसेना विधायकों के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिकाओं पर फैसले के लिए समयसीमा के बारे में एक सप्ताह के भीतर बताएं। न्यायालय ने कहा था कि उचित समय के भीतर याचिकाओं पर निर्णय लेने के निर्देश के बावजूद स्पष्ट रूप से अब तक कुछ भी नहीं किया गया है। पिछले साल शिंदे और 39 विधायकों के मूल पार्टी से अलग होने के बाद शिवसेना के दो प्रतिद्वंद्वी गुटों ने एक-दूसरे के खिलाफ अयोग्यता याचिका दायर की थी।

### भारतीय सेना के महायोद्धा का शक्ति प्रदर्शन, पी-8आई अपग्रेड

**नईदिल्ली।** भारतीय नौसेना के पी-8आई विमानों ने गंभीर सीमा स्थितियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसमें गलवान विवाद के दौरान



चीनी तैनाती की निगरानी और पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर निर्माण शामिल है। बेड़े में आठ पोसीडॉन विमान शामिल हैं, जिन्हें सैन्य हलकों में गेम-चेंजर माना जाता है। इस बहुउद्देश्यीय, लंबी दूरी के समुद्री युद्धक विमान के हालिया उन्नयन में जहाज-रोधी मिसाइलों और टॉरपीडो का एकीकरण शामिल है। ये अपग्रेड इसकी आक्रामक क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि करेंगे। भारतीय नौसेना का पी-8आई विमान स्क्वाड्रन चेन्नई के रज़ाली नौसेना बेस पर तैनात है। आठ पोसीडॉन विमानों का पूरा बैच 2013 में भारतीय नौसेना को प्राप्त हुआ था। पी-8आई ने हिंद महासागर के समुद्री क्षेत्र की निगरानी को और अधिक कुशल बना दिया और संदिग्ध गतिविधियों पर त्वरित प्रतिक्रिया देने में सक्षम बनाया। समुद्री निगरानी क्षमताओं के साथ, पी-8आई जमीनी और हवाई निगरानी, जासूसी और आक्रामक अभियानों में सहायक है।

### मणिपुर में प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की जांच के लिए समिति

**नईदिल्ली।** मणिपुर सरकार ने पिछले दो दिन में यहां सुरक्षा बलों के प्रदर्शनकारियों, मुख्य रूप से छात्रों पर कथित रूप से अत्यधिक बल प्रयोग की शिकायतों की जांच के लिए बृहस्पतिवार को एक समिति का गठन किया। एक आधिकारिक आदेश से यह जानकारी मिली। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) की ओर से जारी आदेश में कहा गया है, ''इंफाल क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा बलों द्वारा अत्यधिक बल के इस्तेमाल की कई रिपोर्ट/आरोप सामने आए हैं।'' आदेश में कहा गया है कि समिति की अध्यक्षता महानिरीक्षक (प्रशासन) के. जयंत करेंगे और यह ''जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपेगी।'' मणिपुर की राजधानी में मंगलवार और बुधवार को दो दिनों तक हिंसक विरोध प्रदर्शन हुआ। हजारों छात्र दो युवकों के अपहरण और हत्या के विरोध में सड़कों पर उतरे थे। इन युवकों के शवों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई थीं। मंगलवार की रात दोनों की हत्या को लेकर रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के कर्मियों और स्थानीय लोगों के बीच झड़प हुई, जिसके बाद कानून लागू करने वालों को आंदोलनकारियों पर आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े और रबर की गोलियां चलानी पड़ीं और उन पर लाठीचार्ज करना पड़ा।

राजनीति

# मायावती नहीं मिलीं दानिश से! राहुल-अजय राय का मिलना कह रहा कहानी

**आशीष तिवारी**

बसपा सांसद कुंवर दानिश अली से आखिर पार्टी की मुखिया मायावती ने अब तक मुलाकात क्यों नहीं की। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी उनसे मिलने पहुंचे। उत्तर प्रदेश के कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय उनके दिल्ली आवास पर मिलने पहुंचे। सपा मुखिया अखिलेश यादव से लेकर उनकी सांसद पत्नी डिंपल यादव ने उनको भाई कहकर संबोधित कहते हुए उनके पक्ष में खड़ी रहीं। लेकिन मायावती का सिर्फ ट्वीट करना और दानिश अली से न मिलना सियासी गलियारों में तमाम तरह की चर्चाएं हो रही है। कहा तो यह भी जा रहा है कि क्या दानिश अली आने वाले लोकसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी का दामन छोड़कर किसी अन्य दल से सियासी मैदान में ताल ठोक सकते हैं। हालांकि ऐसी चर्चाओं पर दानिश अली ने अमर उजाला से बातचीत कर कहा कि चर्चाओं पर जवाब देना ठीक नहीं है।

भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी ने बसपा सांसद कुंवर दानिश अली के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की। इस टिप्पणी के बाद ज्यादातर विपक्षी दल दानिश अली के साथ खड़े हुए। लेकिन इस विवाद के बाद अब तक बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती और उनकी पार्टी के सांसद की मुलाकात नहीं हो पाई है। अपनी नेता से मुलाकात ना होने पर बहुजन समाज पार्टी के सांसद कुंवर दानिश अली ने अमर उजाला डॉट कॉम से बात करते हुए कहा कि यह बात सच है कि मायावती से उनकी मुलाकात नहीं हुई है। वह कहते हैं कि उनकी पार्टी के नेता ने उनके साथ हुए इस घटनाक्रम



के बाद ट्वीट किया है। रही बात मिलने की तो दानिश अली कहते हैं कि हर नेता की अपनी एक शैली होती है लेकिन मायावती का समर्थन उनके साथ है। हालांकि सियासी गलियारों में चर्चा इस बात की हो रही है कि बसपा और दानिश अली के बीच में सब कुछ सामान्य नहीं चल रहा है।

हालांकि सियासी गलियारों में चर्चाए इस बात की सबसे ज्यादा हो रही है कि दानिश अली आने वाले लोकसभा के चुनाव में किसी दूसरे सियासी दल से राजनीतिक मैदान में ताल ठोक सकते हैं। सियासी घटनाक्रम पर नजर रखने वाले राजनैतिक जानकारों का मानना है कि जिस तरह से समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव की सांसद पत्नी डिंपल यादव ने उनको भाई कह कर संबोधित किया उससे राजनीतिक गलियारों में कुछ और तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। चर्चा इस बात की भी हो रही है कि कहीं दानिश अली को समाजवादी पार्टी अपने साथ जोड़कर चुनाव लड़ाने की तैयारी तो नहीं कर रही है।इस बारे में पूछे जाने पर सांसद दानिश अली कहते हैं कि वह इस तरीके के सियासी चर्चाओं पर किसी तरीके का कोई जवाब नहीं देना चाहते। हालांकि सीधे तौर पर यह पूछे जाने पर क्या आने आने वाले चुनाव में अपनी पार्टी बदलेंगे ? कांग्रेस या इंडिया गठबंधन के हिस्से बनकर चुनाव लड़ेंगे तो उन्होंने इस पर कुछ भी बोलने से इंकार कर दिया और कहा कि इन चर्चाओं में कोई दम नहीं है।

### यह भी लग रहे हैं कयास

2019 में बसपा के दानिश अली ने अमरोहा से पहली बार चुनाव लड़ा। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी कंवर सिंह तंवर भी भारी मतों से हराया था। जिसके बाद वह अमरोहा के मुस्लिम और दलितों के लिए नया चेहरा बनकर सामने आए। अब चर्चाएं इस बात की हैं कि जिस तरह से सपा ने दानिश अली के समर्थन में आगे आकर मुस्लिम मतदाताओं में एक संदेश देने की कोशिश की है। उसका काउंटर ही कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय का उनके आवास पर जाने से जोड़ा जा रहा है। हालांकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी तो पहले ही उनसे मिलने चले गए थे। राजनैतिक जानकार डीपी त्रिपाठी कहते हैं कि मायावती का अपने सांसद से इतने बड़े घटनाक्रम के बाद न मिलना, राहुल गांधी और अजय राय उनके घर जाकर मिलना। फिर सपा के अध्यक्ष और उनकी सांसद पत्नी का ट्वीट करना एकदम सामान्य सियासी घटना नहीं है। इसके पीछे कई तरह के सियासी दलों के अपने अपने एजेंडे शामिल ही है। क्योंकि दानिश अली के माध्यम से मुस्लिम मतदाताओं को संदेश देने की होड़ मची है।

बसपा सांसद दानिश अली कहते हैं कि फिलहाल जिस तरीके से सियासी दलों ने उनका समर्थन किया है वह उनको तकलीफ की इस घड़ी में बहुत संयम देने वाला है।

# भाटापारा जिले को मिली 266 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

## मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक योजना का हुआ शुभारंभ, 24.52 लाख किसानों को जारी हुई 1895 करोड़ रुपए की तीसरी किश्त

**बलौदाबाजार।** मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल एवं राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री मल्लिकार्जुन खडगे के मुख्य आतिथ्य में कृषकों और श्रमिकों को न्याय योजनाओं एवं श्रमिक योजनाओं की राशि का वितरण किया गया। इस मौके पर बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में 266 करोड़ रुपए के 264 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया गया। इनमें 176 करोड़ रुपए के 150 कार्यों का लोकार्पण एवं 90 करोड़ रुपए की राशि के 114 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है।

सम्मेलन में राजीव गांधी किसान न्याय योजना अंतर्गत प्रदेश के 24 लाख 52 हजार 592 किसानों को उनके बैंक खातों में 1895 करोड़ रुपए और गोधन न्याय योजना के 65 हजार गोबर विक्रेताओं को 5 करोड़ 16 लाख रुपए की राशि अंतरित की गई। इसे मिलाकर राजीव गांधी किसान न्याय योजना में अंतरित की जाने वाली राशि बढ़कर 23 हजार 893 करोड़ रूपए और गोधन न्याय योजना में अंतरित की जाने वाली राशि बढ़कर 507.14 करोड़ रूपए हो गई है। इसके अलावा 33 हजार 642 गन्ना उत्पादक किसानों को 57 करोड़ 18 लाख रुपए प्रोत्साहक राशि भी दी गई। सम्मेलन में मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक पेंशन सहायता योजना का शुभारंभ किया गया। इस योजना अंतर्गत दस साल तक पंजीकृत रहे एवं 60 वर्ष की आयु पूरी कर चुके निर्माणी श्रमिकों को जीवन पर्यंत 15 सौ रुपए की पेंशन सहायता दी जाएगी।

सम्मेलन में 1 लाख 2 हजार 889 हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत 55 करोड़ 76 लाख 26 हजार रुपए राशि का वितरण किया गया। इनमें छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार सामाजिक सुरक्षा मंडल के 2881 हितग्राहियों को 3 करोड़ 86 लाख रुपए, छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल के 3236 हितग्राहियों को 1 करोड़ 65 लाख रुपए तथा छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल के 96 हजार 772 हितग्राहियों को 50 करोड़ 24 लाख रुपए की राशि का वितरण किया गया।

सांसद श्री दीपक बैज ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारी सरकार गांव, गरीब, मजदूर, वर्ग का हित साधने के काम कर रही है। हमारी सरकार ने जनता के हित में काम कर रही है। हमारी सरकार आने के बाद कर्ज माफी, समर्थन मूल्य में धान खरीदी, आदिवासियों की जमीन वापस करने का काम किया। हमने तीजा, पोरा जैसे हमारी संस्कृति से जुड़े त्योहारों में अवकाश देने का काम किया।

### कृषक सह श्रमिक सम्मेलन का शुभारंभ

सम्मेलन के मुख्य अतिथि सांसद श्री मल्लिकार्जुन खडगे एवं मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन, माल्यार्पण एवं राजगीत के साथ कृषक सह श्रमिक सम्मेलन का शुभारंभ किया।

कृषक सम्मेलन को संबोधित करते हुए पंचायत मंत्री श्री रविंद्र चौबे ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में हर वर्ग को आगे बढ़ाने के लिए काम हो रहा है। किसानों, मजदूरों, महिला समूहों, श्रमिकों, आदिवासियों और जनता के जेब में पैसे डालने का काम हमारी सरकार कर रही है।हमने न्याय योजनाओं के माध्यम से सभी को लाभ दिया। कैबिनेट मंत्री श्री मोहन मरकाम ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हर वर्ग के हित में कार्य हो रहा है। लोगों के जीवन में बदलाव आया है, आय बढ़ी है।

# पूर्व महापौर भाजपा प्रत्याशी लखन देवांगन ने किया जनसंपर्क

■ **भाजपा की सरकार बनाने लोगों से की अपील**

**कोरबा।** पूर्व महापौर भाजपा प्रत्याशी लखन लाल देवांगन कोरबा के विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क एवं कार्यकर्ता सम्मेलन में सम्मिलित हुए सर्वप्रथम राताखार में जनसंपर्क एवं गेरवा घाट में जनसंपर्क कर जनता से भाजपा के पक्ष में समर्थन मांगा।

अमरैया पारा के पास सुकेश फाइनेंशियल फ्लानर का शुभारंभ कर पंप हाउस कोरबा में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन एवं सभा को संबोधित कर कहा कि यह चुनाव धन बल और जन बल के बीच की है आप सभी जन बल को समर्थन देकर भारतीय जनता पार्टी को समर्थन करें। निश्चित तौर पर कोरबा में भाजपा की सेवा सुशासन की संकल्प को पूरा करना है। प्रदेश की भूपेश सरकार जनता के साथ वादा खिलाफी कर सत्ता में बैठी और इनके पिछले 5 साल के कार्यकाल से पूरा प्रदेश बदहाल का दंश झेल रही है। प्रदेश में अराजकता का माहौल है कांग्रेस के कुशासन ने प्रदेश को अपराधगढ बना दिया प्रदेश में लूट डकैती चोरी हत्या खुलेआम हो रही है यहां की कानून व्यवस्था पूरी तरह फेल हो चुकी है। आप सब से अपील करता हूं कांग्रेस की भ्रष्टाचार नीति को उखाड़ फेंकने का संकल्प ले। कोरबा में भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण समर्थन कर स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त कोरबा बनाने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। इस अवसर पर भाजपा के जिला पदाधिकारी कार्यकर्ता गण एवं सैकड़ो से अधिक लोग उपस्थित थे।

# छत्तीसगढ़ का एक ऐसा गांव जहां अब तक नहीं पहुंची बिजली, पानी और सड़क

**कांकेर।** कांकेर जिले में अंतागढ़ ब्लॉक के उसेली गांव के आश्रित गांव निलेगोंदी के ग्रामीण कई सालों से गांव में मूलभूत सुविधा बिजली, पानी और सड़क की मांग करते आ रहे हैं। लेकिन आज तक उनकी मांग किसी ने नहीं सुनी। मूलभूत सुविधाओं के लिये मांग करते-करते ग्रामीण थक चुके हैं। अब ग्रामीण इस आस में है कि आखिर कब, कैसे और कौन उनकी सुध लेगा। क्योंकि कलेक्टर और क्षेत्र के विधायक सहित तमाम जनप्रतिनिधियों से ये सड़क और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं की मांग करते-करते हार चुके हैं।

एक ओर केंद्र व राज्य सरकार दोनों ही विकास की बातें कहती हैं और सड़क सहित मूलभूत सुविधाओं का बखान करती हैं। वहीं, अंतागढ़ विधानसभा क्षेत्र के निलेगोंदी गांव की स्थिति को देखकर इनके आकंड़े और बयान झूठए दिखाई देते हैं। हम चंद्रमा पर तो पहुंच गये हैं, लेकिन धरती पर आज भी अंदरूनी गांवों में सड़क, पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए लोगों जद्दोजहद करनी पड़ रही है। ग्रामीणों के लिए अभी भी ये सुविधाएं सिर्फ सपना मात्र रह गई हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत उसेली के आश्रित ग्राम निलेगोंदी जो कि जिला मुख्यालय से करीब 30 किमी दूर पहाड़ों पर बसा हुआ एक गांव है। इस गांव में करीब 150 लोग निवास करते हैं। वर्षों पहले जब से यह गांव बसा तब से यहां के ग्रामीण मुलभूत सुविधाओं की बाट जोह रहें हैं। ग्रामीण शनिराम कोर्राम, रामलाल नेताम, मानूराम कोरेटी, संतु राम कोर्राम, मंगत कोर्राम, सामली बाई ने बताया कि आश्रित ग्राम में बहुत सी समस्याएं व्याप्त हैं, जिसकी मांग को लेकर कई बार ग्राम सरपंच ने शासन-प्रशासन की चौखट पर अर्जी लगाई, लेकिन आज तक किसी ने भी उनकी फरियाद नहीं सुनी।

### गांव तक जाने का नहीं है रास्ता

शासन-प्रशासन ने जब गांव में पेयजल की व्यवस्था नहीं की तो ग्रामीणों ने खेत में एक कुंड बना दिया। उस झरिया का पानी पीकर ग्रामीण अपनी प्यास बुझा रहे हैं। गांव तक बिजली तो पहुंची, लेकिन बरसात के तीन महीने अंधेरे में गुजारनी पड़ती हैं। गांव तक पहुंचने के लिए सड़क नहीं है, जिसके कारण ग्रामीणों को जंगल व पहाड़ के रास्ते तीन किमी की दूरी पैदल ही लांघना पड़ता है। गांव तक शासकीय वाहन नहीं पहुंच पाता, जिसके कारण गंभीर मरीजों को खाट में डालकर कंधे पर लादकर अस्पताल पहुंचाना पड़ता है। स्कूली छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के लिए इन्हीं पैडगरी रास्ते से होकर चलना पड़ता है। गांव तक पहुंच मार्ग नहीं होने के कारण आज तक शासन-प्रशासन या कोई जनप्रतिनिधी गांव तक नहीं पहुंच पाया, जिसके कारण यह गांव विकास से कोसों दूर है।

### चुनाव में वोट मांगने आते हैं प्रत्याशी

ग्रामीणों ने कहा कि हर बार विधानसभा चुनाव हो या फिर पंचायत चुनाव प्रत्याशी किसी तरह से वोट मांगने के लिए गांव तक आते हैं और कई वादे कर चले जाते हैं। जैसे ही चुनाव खत्म होता है वैसे ही वादे भी भुल जाते हैं। अब तक जन प्रतिनिधियों के द्वारा किया गया वादा पूरा नहीं किया गया, जिसके कारण ग्रामीण आक्रोश में हैं। उन लोगों ने कहा कि कम से कम गांव तक सड़क और पीने के लिए पानी की व्यवस्था तो की जाए, जिससे कि मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाया जा सके।

कहते हैं कि किसी क्षेत्र या गांव का विकास वहां की सड़कों से होता है, क्योंकि यदि सड़क होगी तो लोगों तक मूलभूत सुविधाएं आसानी से पहुंचाई जा सकती हैं। लेकिन यदि सड़क ही न हो तो न ही पानी, न ही बिजली और न ही स्वास्थ्य सुविधाएं ग्रामीणों तक पहुंच सकती हैं। यही हाल ग्राम निलेगोंदी का भी है, जिसकी ग्राम पंचायत उसेली है। उसेली से यह गांव लगभग 6 किमी की दूरी पर है। इस गांव तक पहुंचने के लिए एक कच्ची सड़क है, जहां मात्र मोटरसाइकिल चल पाती है। जिसके चलते इस गांव के लोगों को स्वास्थ्य, शिक्षा व जल आपूर्ति का अभाव है। यहां के ग्रामीणों ने जब प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया तो मिलकर 3 किलोमीटर तक आने-जाने के लिए रास्ता बनाया है, जहां से मोटरसाइकिल मात्र गुजर पाती है।

### तुम कुंड का पानी पीते हैं ग्रामीण

गांव की युवती रामकुमारी कोर्राम और पीलाबाई नेताम ने बताया कि जब से गांव बसा है, तब से उनके बड़े-बुजुर्गो ने खेत में एक झरिया के पास लकड़ी का तुम बनाया है। इस तुम कुंड से पूरे गांव के लोग पानी पीते हैं। हालांकि तुम का पानी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, लेकिन मजबूरी में ग्रामीण इस तुम कुंड का पानी रोजाना इस्तेमाल करते हैं। सड़क नहीं होने चलते यहां की महिलाएं व बच्चों को आंगनबाड़ी के लिए पगडंडी के रास्ते से गुजर कर उसेली जाना पड़ता है, जो जोखिम भरा है। इसके चलते जच्चा-बच्चा व गर्भवती महिलाओं को जद्दोजहद करनी पड़ती है। विकास को लेकर प्रशासन कितना गंभीर है, यह इसी बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां एक आंगनबाड़ी तक नहीं है। मांग करने के बाद भी इस गांव में मूलभूत सुविधा का अभाव है। इस गांव की एक मात्र मांग सड़क है।

# गणेश विसर्जन पर निकलेगी भव्य झांकी, डीजे बजाने को लेकर प्रशासन ने जारी की गाइडलाइन

**बालोद-बेमेतरा।** बालोद जिला मुख्यालय में बड़ी गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन एक अक्टूबर को किया जाएगा। इस दिन झांकी के साथ बड़ी गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन होगा। वहीं, 28 सितंबर को होने वाले ईद मिलाद उन नबी को लेकर मंगलवार की देर शाम जिला मुख्यालय के सर्किट हॉउस में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में गणेश उत्सव समिति व मुश्लिम समाज के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और समाजसेवी उपस्थित रहे।

इस दौरान अधिकारीयों व जन प्रतिनिधियों ने अपनी अपनी बात रखी ईद मिलाद उन नबी पर जुलुस, गणेश विसर्जन पर झांकी और विसर्जन यात्रा को शांतिपूर्वक आयोजित करने पर सभी ने सहमति दी। वहीं, दिशा-निर्देशों व नियमों का पालन नहीं किया गया तो विसर्जन यात्रा में शामिल डीजे जब्त कर लिया जाएगा।

शांति समिति की बैठक में एसडीएम शीतल बंसल, एसडीओपी प्रतीक चतुर्वेदी सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। एसडीएम शीतल बंसल व एसडीओपी ने गणेश समितियों से पूछा गया कि कब गणेश प्रतिमाओ का विसर्जन किया जाएगा। इस दौरान गणेश समितियों ने कहा जिला मुख्यालय में एक अक्टूबर को बड़ी गणेश प्रतिमाओ का विसर्जन किया जाएगा। यह विसर्जन यात्रा एक अक्टूबर की रात्रि 8 बजे से दो अक्टूबर सुबह 4 बजे तक चलेगा।

नगर पालिका अध्यक्ष विकास चोपड़ा ने कहा सभी गणेश समिति शांतिपूर्वक यह आयोजन को करें। गणेश प्रतिमाओ का विसर्जन जिला मुख्यालय के गंगासागर तालाब, दसेला तालाब में विसर्जन किया जाएगा। इन तालाबों में गणेश प्रतिमा विसर्जन तक बाढ़ आपदा गोताखोर की टीम भी तैनात रहेगी। साथ ही तालाबों में प्रकाश व्यबस्था भी किया जाएगा।

शांति समिति की बैठक में अधिकारीयों ने स्पस्ट निर्देश दिए हैं कि विसर्जन यात्रा व झांकी के दौरान अश्लील व फुहड़ गाने नही बजाएंगे, बल्कि भक्ति गीतों को ही बजाना होगा। गणेश झांकी के दिन भीड़ रहना तय है इसलिए पुलिस भी कोई रिस्क नही लेना चाह रही है।इस विसर्जन यात्रा व झांकी में बड़ी संख्या में पुलिस बल भी तैनात रहेगी।

आगामी पर्व व चुनाव को देखते हुए बेमेतरा पुलिस ने डीजे व धूमाल संचालकों के लिए निर्देश जारी किया है। जारी निर्देश अनुसार, रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक लाउडस्पीकर और डीजे बजाने पर पाबंदी रहेगी। सार्वजनिक स्थान या निजी स्थान पर 60 डेसिबल से अधिक का ध्वनि नहीं होगा। इन नियमों का उल्लंघन करने पर 20 हजार तक का जुर्माना का प्रावधान है। किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति होने पर तुरंत पुलिस को सूचना देवें एवं माहौल बिगाड़ने वाले शरारती तत्वों एवं असामाजिक तत्वों का फोटो, वीडियो लेकर कंट्रोल रूम बेमेतरा 9479192013 के पास भेजें।

## छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

### विधानसभा चुनाव के चलते एक्शन मोड में पुलिस

**धमतरी।** जिले में बीते कुछ दिनों से आपराधिक घटनाक्रम बढ़ गये हैं। ज्यादातर मामले चाकूबाजी और नशाखोरी के बाद मारपीट के सामने आ रहे हैं। पिछले दिनों दोनर में स्कूली बच्चों ने एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। जिसके बाद पुलिसिंग व्यवस्था को लेकर लोगों में नाराजगी भी देखने को मिली थी। जिसके बाद अब धमतरी पुलिस ने धरपकड़ अभियान शुरू किया है। पुलिस ने 70 से अधिक गुंडा बदमाशों को थाना लाकर चेतावनी दिया है कि वे सुधर जाएं और शांतिपूर्ण तरीके से रहें। धमतरी एसपी प्रशांत ठाकुर ने आगामी विधानसभा चुनाव और त्योहारी सीजन को देखते हुए शहर में शांति कायम रखने जरूरी कदम उठाए हैं। धमतरी एसपी के निर्देश पर पुलिस की संयुक्त टीम और सायबर सेल द्वारा गुंडे, बदमाशों पर नकेल कसने धरपकड़ अभियान चलाया गया। धरपकड़ अभियान के तहत 70 से अधिक गुण्डे बदमाशों ने सिटी कोतवाली थाना में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। थाना पहुंचे बदमाशों को समझाइश दी गई कि वे अपराधों से दूर रहें और शांतिपूर्वक अपने परिवार के साथ जीवन यापन करें।

### धमतरी में अस्पताल के बाहर महिला के शव का पोस्टमार्टम

**धमतरी।** धमतरी जिले के कुरूद थाना क्षेत्र स्थित सिविल अस्पताल से एक अजीबो-गरीब घटना सामने आई है। यह घटना सुविधाओं की कमी, लापरवाही या उपस्थित सिविल अस्पताल के डॉक्टर और कर्मचारी की कामचोरी कही जा सकती है। अस्पताल में एक महिला का शव आया था, जिसका पोस्टमार्टम शव परीक्षण कक्ष में होना था। लेकिन पोस्टमार्टम शव परीक्षण कक्ष के बाहर ही कर दिया गया। इसके बाद मृतक महिला के परिजनों ने नाराजगी भी जाहिर की। वहीं, डॉक्टर ने सुविधाओं की कमी होने की बात कही है। जानकार के अनुसार, कुरूद थाना क्षेत्र के डही गांव में एक महिला खेत में काम करने गई थी। इस दौरान बारिश के साथ आकाशीय बिजली के चपेट में आकर महिला ममता पटेल की मौत हो गई। मृतका के परिजनों उसे एंबुलेंस की सहायता से सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां महिला का पोस्टमार्टम होना था। लेकिन शव प्रशिक्षण कक्ष में जाने के रास्ते में पानी भरा था और अंदर कक्ष में सुविधाओं की कमी के कारण मृत महिला का पोस्टमार्टम बाहर ही कर दिया गया।

### विश्व हृदय दिवस पर निःशुल्क उपचार शिविर आज

**कोरबा।** 29 सितंबर विश्व हृदय दिवस पर स्वस्थ भारत समृद्ध भारत अभियान के अंतर्गत चलो आयुर्वेद की ओर मिशन के तहत आयुष मेडिकल एसोसिएशन लायंस क्लब कोरबा एवरेस्ट एवं विश्व हिंदू परिषद के संयुक्त तत्वाधान में सभी प्रकार के हृदय रोगों हेतु निःशुल्क आयुर्वेद योग चिकित्सा परामर्श एवं उपचार शिविर दिनांक 29 सितंबर 2023 शुक्रवार को पतंजलि चिकित्सालय निहारिका में प्रातः 10 बजे से मध्यान्ह 1 बजे तक आयोजित है। जिसमें छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध अनुभवी आयुर्वेद चिकित्सा विशेषज्ञ वैद्य डॉ नागेंद्र नारायण शर्मा विशेष रूप से अपनी चिकित्सकीय सेवाएं देंगे। शिविर में विशेष रूप से अपनी चिकित्सकीय सेवायें प्रदान करने वाले छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध अनुभवी आयुर्वेद चिकित्सा विशेषज्ञ वैद्य डॉण्नागेंद्र नारायण शर्मा ने शिविर के विषय में बताते हुये कहा की प्रत्येक वर्ष 29 सितंबर को वर्ल्ड हार्ट डे विश्व हृदय दिवस मनाया जाता हैं जिसका उद्देश्य लोगो को हृदय रोगों के प्रति जागरूक करना है।

### जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीणों को मिल रहा पेयजल

**कोरबा।** जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत अब दूरदराज के गांवों के लोगों को पीने के लिए शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। योजना के तहत जिले के प्रत्येक ग्राम बसाहट के हर घर में नल कनेक्शन दिया जा रहा है। जिससे लोगों की पेयजल प्राप्त करने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। योजना के तहत कोरबा विकासखण्ड के ग्राम पंडरीपानी में ग्रामीणों को उनके घर तक पाइप लाइन बिछाकर नल कनेक्शन के द्वारा पेयजल उपलब्ध कराया गया है। इस व्यवस्था से गांव के सभी लोग बहुत खुश हैं। योजना से पूर्व पंडरीपानी गांव के लोग पीने के पानी के लिए पहले मुख्य रूप से हैंडपंप, कुंआ अदि पर निर्भर थे। पूर्व में तकनीकी रूप से गाँव के ग्रामीण पानी की शुद्धता का मापन पानी की गंदलापन या सफाई को देखकर किया करते थे। साथ ही उनमें जागरूकता का भी अभाव था। पंडरीपानी मे जल जीवन मिशन योजना लागू होने से हर घर में नल से जल मिलने से ग्रामीणों में उत्साह का वातावरण निर्मित है।

### पीजीडीसीए द्वितीय सेमेस्टर में सैकड़ों छात्र फेल

**बलौदाबाजार।** बलौदाबाजार जिले के अधिकांश कॉलेजों में पीजीडीसीए की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थी एक विषय पर फेल हो गए हैं। इसे लेकर जिले के दर्जनों विद्यार्थियों ने रायपुर पहुंचकर कुलपति को ज्ञापन सौंपा है। नाराज विद्यार्थियों ने बताया कि पीजीडीसीए के द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने बताया कि केवल एक ही विषय में सैकड़ों छात्रों को केवल 1 या 2 नंबर दिया गया है। ऐसा कैसे हो सकता है कि सभी छात्रों को केवल एक या दो नंबर ही मिलेगा? उत्तरपुस्तिका, प्रैक्टिकल में सही नंबर न दिए जाने की आशंका पर विभिन्न कालेजों के छात्रों ने एकमत होकर कुलपति पंडित रविवि को ज्ञापन देने का निर्णय लिया था। इसी क्रम में विद्यार्थियों के एक प्रतिनिधि मंडल ने विगत दिनों कुलपति से मुलाकात कर अपनी समस्या रखी और उन्हें ज्ञापन सौंपकर पीजीडीसीए द्वितीय सेमेस्टर के उत्तरपुस्तिकाओं के सही तरीके से मूल्यांकन कराने की मांग की है। छात्रों ने बताया कि ऐसा नहीं है कि यह बलौदाबाजार जिले के किसी एक कॉलेज का मामला हो।

# नारायणपुर पहुंचे सैकड़ों आदिवासी ग्रामीण, अलग से धर्म कोड की मांग

**नारायणपुर।** अबूझमाड़ क्षेत्र के नक्सल प्रभावित गांवों से सैकड़ों ग्रामीण मंगलवार देर रात जिला मुख्यालय पहुंचे थे। बुधवार को नारायणपुर एसडीएम प्रदीप वैद्य और एएसपी हेमसागर सिदार से ग्रामीणों ने मुलाकात की। ग्रामीणों ने अपनी मांगों को एसडीएम और एएसपी के सामने रखा। उनकी मांगो को पूरा करने का एसडीएम ने आश्वासन दिया। जिसके बाद ग्रामीण अपने अपने घरों को लौट हैं।

नारायणपुर में अबूझमाड़ के ग्रामीण अपनी विभिन्न मांगों को लेकर पिछले 11 महीनों से आंदोलन पर बैठे हैं। जिसमें अबूझमाड़ के माडोनार, ईरकभट्टी, तोयामेटा और ओरछा नदी पारा के ग्रामीण शामिल हैं। जो पिछले पांच महीने में तीसरी बार जिला मुख्यालय पहुंचे हैं। इसके पहले 13 मई और 7 जून 2023 को भी बड़ी संख्या में आदिवासी ग्रामीण जिला मुख्यालय पहुंचे थे।

ग्रामीण रूपजी सलाम ने कहा अबूझमाड़ के जंगलों में हमारा लगातार आंदोलन चल रहा है। लेकिन आंदोलन स्थल पर अब तक कोई शासन-प्रशासन का कर्मचारी नहीं पहुंचा है। जिला प्रशासन द्वारा हमारी मांगो को नजरंदाज किया जा रहा है।

रूपजी सलाम ग्रामीण ने बताया, आज नारायणपुर जाकर ज्ञापन दिए हैं। इससे पहले भी कई बार ज्ञापन दिए थे। सरकार इतना आसानी से सभी समस्याओं को पूरा करने वाली नहीं है। इसलिए यहां से जाने के बाद भी धरना स्थल को छोड़ेंगे नहीं, धरना चल रहा है। वहां पर अचार संहिता लगने के बाद पुलिस द्वारा मारपीट या जेल में डालना, 144 धारा लागू करना, भीड़ में न रहने का दबाव न रहे, इसलिए ज्ञापन दिया गया है।

अबूझमाड़ क्षेत्र के नक्सल प्रभावित ग्रामों के सैकड़ों ग्रामीणों ने अपनी मांगे जिला प्रशासन के सामने रखी है। उन्होंने मूल पेशा कानून लागू करने, वन संरक्षण अधिनियम में हुए बदलाव को निरस्त करने और आदिवासियों द्वारा अलग से धर्म कोड की मांग की गई है। ऐसा पहली बार है कि नारायणपुर में आदिवासियों द्वारा अलग से धर्म कोड की मांग की गई हो। इसके अलावा अन्य कई मांगे भी जिला प्रशासन के सामने रखी हैं।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेम सागर सिदार ने बताया, आज ग्रामीण जिला नारायणपुर में पेसा कानून, वन संरक्षण अधिनियम और आदिवासी समाज के लिए पृथक धर्म कोड लागू करने ज्ञापन दिए हैं। जिला प्रशासन ने उनकी बातों को संज्ञान में लेते हुए ज्ञापन लिया है और समुचित कार्रवाई की जा रही है।

एसडीएम प्रदीप वैद्य ने कहा ज्ञापन के माध्यम से इन्होंने अपनी बातें सामने रखी है जो मांगे रखी है स्थानीय स्तर पर जो है उसका निराकरण तुरंत किया जाएगा और जो मांगे शासन स्तर पर है उसे शासन को प्रेषित कर देंगे।

# पट्टा वितरण समारोह में शामिल हुए राजस्व मंत्री

**कोरबा।** छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। चुनाव से ठीक पहले सरकार का आवासहीन लोगों को पट्टा वितरण के दावों को लेकर भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने आ गई है। पट्टा वितरण को जहां कांग्रेस मास्टर कार्ड बनाकर आम लोगों के बीच ले जाना चाह रही है, वहीं भाजपा इसे मुद्दा बनाकर कांग्रेस को लगातार घेरने में जुटी हुई है।

राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल कोरबा विधानसभा से विधायक हैं, लिहाजा बुधवार को नगर निगम के वार्ड क्रमांक 14 पंप हाउस कॉलोनी में आवासहीन लोगों को पट्टा वितरण का कार्यक्रम रखा गया था। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल पट्टा वितरण का शुभारंभ करने पहुंचे थे। इसके साथ ही राजस्व मंत्री ने वार्ड क्रमांक 14 में विभिन्न मदों से 2 करोड़ 81 लाख रूपये के 11 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान राजस्व मंत्री ने वार्डवासियों को पट्टा वितरण और विकास कार्यों के लिए अपनी शुभकामनाएं दी। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के घोषणा के अनुरूप नगरीय क्षेत्र के आवासहीनों को पट्टा प्रदान करने का कार्य प्राथमिकता से किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार गरीबों, किसानों, पिछड़े लोगों की सरकार है।

मंच से भाषण देने के दौरान राजस्व मंत्री ने कहा कि आज से पट्टा बटना शुरू हो गया है, और अब ये दिन और रात बटेगा। जहां-जहां झुग्गी-झोपड़ी है, वहां एक-एक व्यक्ति को पट्टा मिलेगा। भाषण के दौरान ही उन्होंने विपक्ष का नाम लिये बगैर निशाना साधा। उन्होंने कहा, कोई भी व्यक्ति तुमको बोले कि तुमको नहीं मिला? तुम्हारा नाम छूट गया? उसको लात मारकर भगा दो, बोलों भगो यहां से, तुम्हारी यहां कोई जरूरत नहीं है।

# महिला आरक्षण बिल जुमला है, 2024 में भाजपा को सबक सिखाएं : खड़गे

## बलौदाबाजार में भाजपा पर बरसे मल्लिकार्जुन खड़गे, भूपेश बघेल की सरकार अच्छे तरीके से चला रही है सारे काम

**बलौदाबाजार।** कृषक सह सम्मेलन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र की मोदी सरकार पर कई आरोप लगाए। खड़गे ने कहा कि केंद्र ने मजदूरों, किसानों के कानून को कमजोर किया। सिर्फ अमीरों को फायदा पहुंचाने के लिए काम कर रहे हैं। महिला आरक्षण बिल को भी खड़गे ने पीएम मोदी का जुमला बताया।

खड़गे ने कहा, महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण नया नहीं है, राजीव गांधी ने अमेंडमेंट लाकर पंचायत में महिलाओं को आरक्षण दिया था। यह काम राजीव गांधी पहले ही कर चुके हैं। कांग्रेस जब महिला आरक्षण बिल लेकर आई तो बीजपी ने विरोध किया। आज बीजेपी श्रेय ले रही है। जब जनगणना होगी, डिलिमेटशन होगा यानी 2034 में यह लागू होगा। मोदी महिलाओं को आरक्षण आज नहीं दे रहे हैं। खड़गे ने यह भी कहा कि बीजेपी के पास इच्छाशक्ति होती तो आज ही आरक्षण दे सकते थे। लेकिन उनको सिर्फ लोगों को बताना है, काम नहीं करना है। लोगों को सिर्फ भ्रमित किया जा रहा है।

खड़गे ने कहा कि केंद्र में बैठी मोदी सरकार जुमले की सरकार है। 2 करोड़ हर साल देने की बात मोदी जी ने कही थी, 15 लाख रुपये देने की बात की थी। किसानों को दोगुनी आमदनी देने वाले थे लेकिन अब तक कुछ नहीं हुआ। इसी तरह महिला आरक्षण भी केंद्र का जुमला है।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा मोदी महिलाओं को आरक्षण न आज देंगे, न 2024 में देंगे और न ही 2029 में देंगे। वे सालाना 2 करोड़ रोजगार, हर खाते में 15 लाख रुपए, किसानों की दोगुनी आय जैसे जुमले पहले ही दे चुके हैं। जब ये सारी बातें जुमला हो सकती हैं,

तो महिला आरक्षण भी एक जुमला ही है। खड़गे ने कहा 5 परसेंट लोगों के पास इस देश की 62 परसेंट संपत्ति है। 50 परसेंट लोगों के पास सिर्फ 3 परसेंट संपत्ति है। गरीब अमीर की खाई बढ़ती जा रही है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद मल्लिकार्जुन खरगे ने भूपेश सरकार की तारीफों के पुल बांधते हुए कहा कि मै छत्तीसगढ़ आया हूं और देख रहा हूं सारे कार्यक्रम अच्छे तरीके से भूपेश बघेल की सरकार चला रही है और उसका लाभ आप सभी को मिल रहा है। कृषि किसान सम्मेलन में भाजपा पर जमकर हमला बोलते हुए खरगे ने कहा कि भाजपा के लोग गरीबों को खत्म करने का काम कर रहे हैं और जो गरीबों की मदद करता है उसे हमेशा याद रखा जाता है, लेकिन जो गरीबों को खत्म करने की बात करते हैं वो खुद खत्म हो जाते हैं। सभा में कृषि वैज्ञानिक डॉ. एमएस स्वामीनाथन के निधन पर श्रद्धांजलि देते हुए सम्मान में दो मिनट का मौन रखा गया।

खरगे ने कहा कि ऐसा कार्यक्रम 15 साल में रमन सिंह ने नहीं देखा होगा, किसान, मजदूर, महिला, और बच्चों के लिए योजनाओं को देखकर भाजपा वाले हैरान होंगे। उन्होंने कहा कि अमित शाह और नड्डाजी भी यहां हैं, वो सोच रहे होंगे कि बलौदाबाजार में क्या चल रहा है। सोच रहे होंगे। उन्होंने कटाक्ष किया कि उनकी नजर हम पर रहती है। खरगे ने कहा कि सरकार ने मिलकर जितने भी स्कीम बनाई है इससे किसानों, और आम लोगों को फायदा हुआ है। मगर मोदी सरकार ने किसानों, और श्रमिकों के कानून को कमजोर करने का काम किया। गरीबों को लेकर नहीं सोचा, सिर्फ अमीरों के लिए काम किया।

खरगे ने कहा कि मै छत्तीसगढ़ आया हूं और देख रहा हूं सारे कार्यक्रम अच्छे तरीके से भूपेश बघेल की सरकार चला रही है और उसका लाभ आप सभी को मिल रहा है। खडगे ने स्वामीनाथन को याद करते हुए कहा कि मैं उनके बहुत करीब रहा, उनका जाना बहुत दुखद है। भारत में हरित क्रांति के जनक थे। उनका बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा देश के किसानों के लिए। श्री खडगे ने सम्मेलन में दो मिनट का मौन धारण कर डॉ. स्वामीनाथन को श्रद्धांजलि दी।

आप सभी ने मिलकर छत्तीसगढ़ में जो काम किया है, वो बहुत बड़ा है। हमारे मजदूरों के लिए आपने काम किया। हमने केंद्र में मजदूरों, किसानों के अधिकार सशक्त बनाए ताकि उन्हें लाभ मिले। हमारी सरकार ने गरीबों के बारे में सोचा, उनके लिए काम किया। जो भी गरीबों की मदद करता है, उन्हें हमेशा याद किया जाता है। इतिहास में सम्मान वही पाते हैं जो गरीबों के लिए लड़ते हैं। उन्होंने जनसमूह से पूछा कि आप लोगों को सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है, या नहीं। लोगों ने कहा हां।

## छत्तीसगढ़ सरकार हर वर्ग के हित की सरकार है : बघेल

**रायपुर।** बलौदाबाजार-भाटापारा में आयोजित कृषक सह श्रमिक सम्मेलन में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ महतारी, बाबा गुरुघासीदास, शहीद वीर नारायण सिंह, माता कौशल्या के जयकारे के साथ अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि 24 लाख 52 हजार किसान के खाता में 1895 करोड़ रुपए बटन दबाकर आपके खाते में डाले गए हैं। सभी किसानों के खाते में पैसे पहुंच गए हैं। सभी को बधाई और शुभकामनाएं। गन्ना उत्पादक किसान, गोधन न्याय योजना, श्रम कल्याण योजना के हितग्राहियों को बहुत बहुत बधाई और शुभकामना। आज आपके जिले में 266 करोड़ रुपए के 264 कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया है। राजीव गांधी किसान न्याय योजना का पैसा हम हर माह की एक तारीख को देते रहे हैं, लेकिन आपकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए आज 28 सितंबर को ही खडगे जी के हाथ से आपके खाते में पैसे डलवाने का काम हुआ। हमारी सरकार हर वर्ग के हित की सरकार है। हमने पिछले 5 साल में 20 लाख अतिरिक्त राशनकार्ड बनाए हैं, 73 लाख लोगों को चांवल, नमक निःशुल्क दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि बिजली बिल हाफ योजना का लाभ सबको मिल रहा है। 83 लाख परिवारों को 60 हजार करोड़ से ज्यादा की राशि सब्सिडी के रूप में दे रहे हैं। गोधन न्याय योजना के हितग्राहियों को करोड़ों

रुपए, बेरोजगारी भत्ता में 147 करोड़ रुपए हमने पांच माह में दिए। बिलासपुर में 7 लाख आवासों के लिए हितग्राहियों की पहली किश्त 25-25 हजार डालने का काम किया। भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में हम प्रदेशभर घूमे सभी को आवास चाहिए, इसके बाद हमने आर्थिक सर्वेक्षण के निर्णय लिया। हमारा उद्देश्य सभी को आवास देने का है। हमने किसानों के हित में निर्णय लिया कि धान 15 से बढ़ाकर 20 क्विंटल खरीदा जाएगा। इसका फायदा हुआ कि 600 नए राइस मिल खुल गए। अगर एक राइस मिल में 1000 लोग भी काम कर रहे हैं तो कुल 60,000 लोगों को रोजगार मिला है। युवाओं के लिए हमने विभिन्न विभागों में 42 हजार से ज्यादा पदों की भर्ती निकाली। हमने छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा को सहेजने का काम किया है। हमने हर वर्ग के हित में निर्णय लिया, योजनाएं लागू की। पांच साल में पौने दो लाख करोड़ रुपए हमने लोगों के जेब में डालने का काम किया।

# संक्षिप्त समाचार

### मुख्यमंत्री ने कृषि वैज्ञानिक स्वामीनाथन के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया

**रायपुर।** मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक और हरितक्रांति के जनक डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने डॉ. स्वामीनाथन के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा है कि डॉ. स्वामीनाथन ने देश में हरितक्रांति लाकर कृषि की तस्वीर बदल दी। कृषि के क्षेत्र में नवाचार, अनुसंधान और अनेक उल्लेखनीय कार्यों के लिए उन्हें पदमश्री और पदमविभूषण सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से भी सम्मानित गया था। किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्होंने गेंहू और चावल की ऐसी किस्में विकसित की थी, जिससे फसल की पैदावार बढ़ी। डॉ. स्वामीनाथन हमेशा किसानों को उपज का सही दाम दिलाने के लिए उचित समर्थन मूल्य के पैरोकार रहें।

### सीबीआई डायरेक्टर प्रवीण सूद पहुंचे रायपुर, भ्रष्टाचार पर की जाएगी समीक्षा

**रायपुर।** राजधानी रायपुर में भ्रष्टाचार के

मामलों की समीक्षा करने सीबीआई के निदेशक प्रवीण सूद पहुंचे हैं। हाल ही में ईडी शराब और कोयला घोटाले को लेकर कार्रवाई कर रही है। जानकारी के मुताबिक, सीबीआई डायरेक्टर प्रवीण सूद भ्रष्टाचार के मामलों की समीक्षा करेंगे। रायपुर में भ्रष्टाचार निरोधक विंग का दफ्तर भी है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, सीबीआई डायरेक्टर भ्रष्टाचार के मामलों की समीक्षा करेंगे। हाईकोर्ट में सीबीआई जांच के लिए कुछ याचिकाएं दायर की गई थी, जिसके संदर्भ में भी एजेंसी की ओर से लिए जाने वाले निर्णय पर भी चर्चा हो सकती है। हालांकि राज्य सरकार ने सीबीआई के प्रवेश पर 2019 से रोक लगा रखी थी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के निर्देश के बाद जांच की जा सकती है। प्रदेश में ईडी द्वारा शराब घोटाला के साथ ही मनी लॉन्ड्रिंग केस जैसे मामले में ईडी ने कार्रवाई की है। जिसमें कई लोग रायपुर के सेंट्रल जेल में बंद है। छत्तीसगढ़ के पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर ने छत्तीसगढ़ में पीएससी घोटाले की सीबीआई से जांच की मांग की थी। ऐसा माना जा रहा है कि सीबीआई के डायरेक्टर इन्हीं सब मामलों को लेकर राजधानी रायपुर पहुंचे हैं।

### कांग्रेस निकालेगी 2 अक्टूबर को 90 विधानसभा क्षेत्रों में भरोसा यात्रा

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर 2023 को एक-दिवसीय विधानसभा-स्तरीय कांग्रेस भरोसा-यात्रा का आयोजन किया जायेगा। यात्रा के माध्यम से प्रदेश के समस्त 90 विधानसभा क्षेत्रों में अधिक से अधिक ग्रामों में पहुंचकर राज्य सरकार के जन-कल्याणकारी योजनाओं के साथ-साथ भारतीय जनता पार्टी सरकार द्वारा अपने विगत 15 वर्षों के कार्यकाल में छत्तीसगढ़ व छत्तीसगढ़वासियों के साथ किये गये छल से आमजनता को अवगत कराया जाएगा। कार्यक्रम, यात्रा के दौरान नुक्कड़ सभा करते हुए आमसभा के रूप में समापन किया जाना है। कार्यक्रम में लोकसभा स्तर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राजनांदगांव, उप-मुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव सरगुजा एवं रायगढ़, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज बस्तर एवं कांकेर, गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू दुर्ग एवं बिलासपुर, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत कोरबा एवं जांजगीर तथा नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया रायपुर एवं महासमुंद लोकसभा क्षेत्र का नेतृत्व करेंगे।

# मध्यप्रदेश में भाजपा सांसदों को टिकट देना नेतृत्व बदलाव के संकेत : सिंहदेव

■ **डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने भाजपा पर साधा निशाना**

**अंबिकापुर।** मध्यप्रदेश में भाजपा के सांसदों को टिकिट देने को लेकर छत्तीसगढ़ की में भी राजनीतिक पारा हाई है। कांग्रेस इस मामले को लेकर भाजपा पर हमलावर है। प्रदेश के डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने बड़ा बयान देते हुए बीजेपी के इस फैसले को एमपी भाजपा की लीडर में बदलाव के संकेत बताया है। सिंहदेव ने भाजपा के विधानसभा प्रत्याशियों को कमजोर बताते हुए तंज भी कसा है।

छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने मध्यप्रदेश में भाजपा के सांसदों को टिकिट देने को लेकर कहा, यह फैसला भाजपा की लीडरशिप में बदलाव के संकेत हैं। पूर्व मुख्यमंत्री को बदले जाने के संकेत दिख रहे

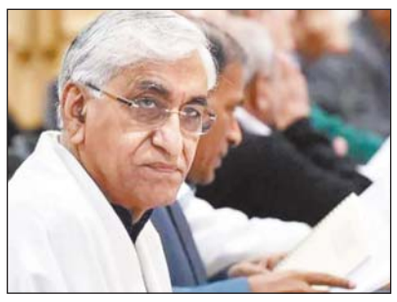

हैं। जब सभी दिग्गज होंगे, तो मुख्यमंत्री का चेहरा कौन होगा। मध्यप्रदेश में बीजेपी सांसदों को टिकट देने से कांग्रेस को किसी प्रकार का नुकसान नहीं होगा।

टीएस सिंहदेव ने कहा ये उनकी स्ट्रेटजी है। हो सकता है विधानसभा लेवल पर लड़े लोग कमजोर दिख रहे हों और लोकसभा लड़े लोगों को प्राथमिकता दे रहे हों। कोई लीडरशिप में भी बदलाव संकेत दिख रहे हैं। इतने सीनियर लोग स्टेट में आकर चुनाव लड़ेंगे, तो स्वाभाविक है कि मुख्यमंत्री भी बदले जाने की संभावना वहां पर बनेगी।

मध्यप्रदेश में भाजपा के सांसदों को टिकिट देने पर कांग्रेस को नुकसान के सवाल पर सिंहदेव ने कहा, नुकसान फायदा नहीं, जो सांसद चुनाव लड़े हैं, वो विधानसभा जीत ही जायेंगे, ऐसा नहीं होता। लेकिन ये नाम है बीजेपी में, बल्की ये कि स्पष्ट संदेश जा रहा है कि लीडरशिप उन्होंने तय नहीं की है, लीडरशिप उन्होंने खोल दी है।

छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव अपने गृह क्षेत्र अंबिकापुर के दौरे पर हैं। इस दौरान वे कई शासकीय और राजनीतिक आयोजनों में शामिल हुए। इस दौरान मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने यह बातें कही हैं।

# हमर अस्पताल का सभापति दुबे व पनाग ने किया भूमिपूजन

**रायपुर।** नगर निगम के अध्यक्ष प्रमोद दुबे एवं एमआईसी सदस्य सतनाम सिंह पनाग ने गुरुवार को जनता के साथ हमर अस्पताल का भूमि पूजन किया। उक्त स्थल पर मठ पुरैना क्षेत्र के लोगों के लिए 25 लाख रुपये की लागत से सर्व सुविधायुक्त हमार अस्पताल का निर्माण किया जाएगा। उक्त क्षेत्र में अस्पताल न होने के कारण अनेक तकलीफ हो रही थी और इन सब को दृष्टिगत रखते हुए अस्पताल का निर्माण किया जा रहा है। यहां पर्याप्त मात्रा में डॉक्टर नर्स एवं सभी प्रकार के इक्विपमेंट लगाए जाएंगे।

इस अवसर पर नगर निगम के अध्यक्ष प्रमोद दुबे ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं स्वास्थ्य मंत्री टी एस सिंह देव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लोगों को आज सबसे ज्यादा आवश्यकता अस्पताल

एवं स्कूल की है। कांग्रेस सरकार सभी वार्डों में हमर अस्पताल बनाने का कार्य कर रही है जिससे लोगों के पैसे बचेंगे तथा समय का भी बचत होगा। रात में कई बार लोगों को अस्पताल के नाम से इधर-उधर भटकना पड़ता है जिसके चलते मरीज को सही समय में इलाज नहीं मिल पाने से मृत्यु तक हो जाती है। शहर के सभी वार्डों में अस्पताल बन जाने से प्राथमिक चिकित्सा सुविधा बहुत आसानी से मिल जा रही है। यहां दवाई भी निःशुल्क दिए जाने का निर्णय लिया गया है।

# अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे पार्षद

**कोरबा।** अपने वार्ड में विकास कार्य न होने से नाराज वार्ड नंबर 32 के पार्षद अजय गोंड़ अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं। पार्षद का आरोप है कि उनके वार्ड में विकास कार्यों को लेकर कोरबा का निगम प्रशासन जरा भी गंभीर नहीं है।

पिछले तीन साल से उनके वार्ड में विकास के एक भी काम नहीं हुए है। अपनी मांगो को लेकर उन्होंने निगम के अधिकारियों से कई बार पत्राचार किया लेकिन कोई सुनवाई नहीं है। यही वजह है कि उन्हें मजबूर होकर भूख हड़ताल पर बैठना पड़ा। पार्षद के प्रदर्शन को कोरबा विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी लखनलाल देवांगन का भी सहयोग मिला है जो मौके पर पहुंचे और उनके पक्ष में सरकार के खिलाफ के खिलाफ काफी गंभीर आरोप लगाए। वार्ड में विकास के काम नहीं होने से आक्रोशित हैं। अजय की मानें तो जब से वह पार्षद बने हैं। उसके वार्ड मे विकास कार्य हो ही नहीं रहा है। इस वार्ड का मुख्य मार्ग चौक की हालत बद से बत्तर हो चली है। जर्जर सड़क के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। जर्जर भवन के चलते

आंगनवाड़ी में बच्चे स्कूल नहीं जाते हैं, वार्ड में कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां नालियां बनी ही नहीं हैं। कीचड़ युक्त होने के चलते काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कुछ महीने पहले नगर निगम और जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंप कर जोन कार्यालय का घेराव किया था। इसके बाद अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दी थी। लेकिन उसके किसी तरह का वार्ड में काम शुरू नहीं किया गया। जिसके चलते आज उन्हें वार्ड वासियों के साथ हड़ताल पर बैठना पड़ा। इस हड़ताल को समर्थन देने पहुंचे भाजपा के विधायक प्रत्याशी लखन लाल देवांगन ने बताया कि नगर निगम कमीशन खोरी पर चल रहा है। आधिकारिक कर्मचारी भ्रष्ट हैं। मंत्री के इशारे पर महापौर हैं, जहां आज विकास के नाम पर शहर में कुछ भी नहीं है।

# कुलपति ने अलसी के रेशे से धागाकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया

**रायपुर।** इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के रेवेन्द्र सिंह वर्मा कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, बेमेतरा में बीस दिवसीय अलसी के रेशे से धागाकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम'' का शुभारंभ इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना तथा उपरियोजना वेस्ट टू वेल्थ के अंतर्गत संचालित परियोजना प्लिनेन फ्राम लिनसीड स्टाकष् के प्रयोगशाला भवन का लोकार्पण भी किया। कुलपति डॉ. चंदेल ने इस अवसर पर कहा कि इस परियोजना के अंतर्गत पूर्व में विकसित अलसी के डंठल से कपडा बनाने की तकनीक में आवश्यक परिशोधन कर औधोगिक स्तर पर कपडे बनाने की सुगम तकनीक विकसित की जाए और साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि इस तकनीक से महिलाओं एवं किसानों की में आय में उत्तरोत्तर वृद्धि हो। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के

तहत अलसी के डंठल से कपडा बनाने की तकनीक को इस तरह बढ़ावा दिया जाए कि भविष्य में बड उद्यमी इसमें रुचि दिखायें।

डॉ. चंदेल ने वैज्ञानिकों को सुझाव दिया कि अलसी के रेशे के साथ-साथ अन्य प्रचलित रेशा को मिलाकर कपडा बनाने की तकनीक विकसित कर उनकी गुणवत्ता जांच कर आम जनता के लिये उपलब्ध करायें और कपड़े की कीमत को कम करने का प्रयास करें। उन्होंने वैज्ञानिकों से आव्हान किया कि वे कृषि में रेशे वाली अन्य फसलें जैसे अरंडी, भिन्डी, आदि का धागा बनाने के लिये अनुसंधान करें जिससे इन फसलों का भी उपयोग ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुधारने में मदद मिलें। उन्होने प्रयोगशाला में उपलब्ध सुविधाओं को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की तथा संस्था में कार्य कर रही महिलाओं को प्रोत्साहित किया कि इस काम को अपना कर वे अपनी आर्थिक परिस्थिति को सुधार सकते है। इस परियोजना के अंतर्गत ग्रामीण महिलायों को धागा एवं कपडा बनाने का प्रशिक्षण जिला खनिज संस्थान न्यास बेमेतरा के वित्तीय सहयोग से दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से प्रशिक्षित महिलाओं को प्रशिक्षण उपरांत धागा बनाने का चरखा प्रदान किया जायेगा, जिससे ये महिलायें संस्था से अलसी का रेशा लेकर अपने-अपने घर में धागा बनाने का काम करेंगी। महिलाओं द्वारा निर्मित धागे को संस्था द्वारा एक हजार रुपये प्रति किलो की दर से क्रय किया जाएगा। महिलाओं को प्रति सप्ताह संस्था के मानक के अनुसार धागा तैयार कर देना होगा। इसमें महिलाओ को धागा बनाने के लिये अधिकतम मात्रा निर्धारित नहीं की गई है।

# सोसायटियों में धान बेचने पंजीयन हेतु अलग-अलग मापदंड से किसान परेशान

■ **मंत्री रविंद्र चौबे को ज्ञापन**

**रायपुर।** खरीफ सत्र 2023-24 में शासन द्वारा सोसायटियों के माध्यम से धान बेचने वाले किसानों के पंजीयन में अलग-अलग सोसायटियों में अलग-अलग मापदंड निर्धारित किये जाने से किसान परेशान हैं। कुछ सोसायटियों में पूर्व वर्ष में पंजीकृत किसानों का डाटा कैरी फारवर्ड करने फिर सभी दस्तावेजों की मांग की जा रही है तो कुछ में नहीं। पंजीयन हेतु आवेदन प्रस्तुत करने का अंतिम तिथि की भी स्पष्ट जानकारी किसानों को नहीं मिल रही। इसके साथ ही धान बेचने नामिनी घोषणा पत्र देने के निर्देश से भी किसान इसके औचित्य पर सवाल खड़ा कर रहे हैं। किसानों की इन समस्याओं को लेकर किसान संघर्ष समिति के संयोजक भूपेन्द्र शर्मा ने सहकारिता मंत्री रविन्द्र चौबे को ज्ञापन प्रेषित कर किसानों को परेशानियों से बचाने अविलंब स्पष्ट निर्देश सोसायटियों को जारी कराने व पंजीयन की निर्धारित अंतिम तिथि की सार्वजनिक घोषणा की मांग की है।

मेल से प्रेषित ज्ञापन में लिखा गया है शासन का स्पष्ट निर्देश है कि बीते वर्ष में पंजीकृत हो चुके किसानों का डाटा बिना किसानों से कोई दस्तावेज की मांग किये सोसायटियों द्वारा कैरी फारवर्ड किया जाना है बशर्ते किसान रकबे व फसल में संशोधन हेतु आवेदन न दें लेकिन इसके बावजूद कई सोसायटियों द्वारा सभी किसानों से फिर सभी दस्तावेजों की मांग की जा रही है जिससे किसान परेशान हैं। संभवतः सभी सोसायटियों के व्यवस्थापकों को एकरुप प्रशिक्षण न दिये जाने की वजह से यह स्थिति उत्पन्न होने की जानकारी देते हुये संशोधन के अनिच्छुक किसानों से दस्तावेजों की मांग किये बिना आद्यतन पटवारी रिकॉर्ड के आधार पर उनका डाटा शासन के निर्देशानुसार कैरी फारवर्ड करने का स्पष्ट निर्देश सभी सोसायटियों के प्रभारियों को देने का आग्रह किया है।

ज्ञापन में सोसायटियों से किसानों को पंजीयन की अंतिम निर्धारित तिथि की? भी स्पष्ट जानकारी न मिलने की जानकारी देते हुये बतलाया गया है कि कई सोसायटियों द्वारा बीते 27 सितंबर को तो कई सोसायटियों द्वारा 28 सितंबर को व कई सोसायटियों द्वारा आसन्न 30 सितंबर को पंजीयन की अंतिम तिथि बतलाया जा रहा है। अंतिम तिथि 30 सितंबर निर्धारित होने की स्थिति में भी किसानों की समस्याओं को देखते हुये आगामी 15 अक्टूबर तक तिथि बढ़ाने का आग्रह किया गया है। किसानों द्वारा नामिनी घोषणा पत्र प्रस्तुत करने के निर्देश पर भी सवालिया निशान खड़ा करते हुये लिखा गया है कि इसका औचित्य ही समझ से परे है। किसानों के खाते में अन्यों के धान बिक्री पर यदि रोक लगाना इसका उद्देश्य है तो फिर यह महज छलावा सिद्ध होगा क्योंकि कोई भी अन्य व्यक्ति किसी भी किसान के खाते में बिना उसके सहमति के धान नहीं बेच सकता क्योंकि धान विक्रय की राशि संबंधित किसान के खाते में ही जावेगा। इसके अतिरिक्त नामिनी की? घोषणा करना प्रत्येक किसान के लिये आवश्यक है या फिर ग्राम में निवास न करने वाले किसानों के लिये यह भी स्पष्ट नहीं है।

निकटतम रिश्तेदार को ही नामिनी बनाये जाने का निर्देश है पर ऐसे किसान जो न तो स्वयं और न ही निर्देशित रिश्तेदार ही ग्राम में निवास नहीं करते सहित रेग व अधिया लेने वाले किसानों के नामिनी किसे बनाया जावेगा इस संबंध में कोई निर्देश न होने से किसानों के साथ साथ सोसायटियों के प्रभारी भी सान्सत् में हैं। श्री शर्मा ने श्री चौबे से किसानों की परेशानी व संदेह को तत्काल दूर कराने प्रभावी पहल की मांग की है ताकि किसानों को पंजीयन में कोई परेशानी न हो व वे निर्विघ्न धान बेच सकें।

# बांग्लादेश में चुनावी मौसम में बेफिक्र हैं शेख हसीना

**बिमल राय**

भारत की तरह बांग्लादेश में भी इस साल दिसंबर या अगले साल के प्रारंभ में आम चुनाव होंगे। भारत में विपक्ष कांग्रेस की अगुआई में 'इंडिया' गठबंधन बनाकर बैठकें कर रहा है और अपने अंतर्विरोधों की उलझी कड़ियां सुलझाते हुए नए उत्साह से आगे बढ़ रहा है, तो बांग्लादेश का विपक्ष अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं पर अत्याचार, गिरफ्तारियों, साल-दर-साल चल रहे मुकदमों के बोझ तले दबकर चीख रहा है। इस साल राष्ट्रीय स्तर पर दो बार विपक्ष के लाखों कैडरों ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन व घेराव किया, पर हर बार पुलिस की कार्रवाई से उनके हौसले पस्त करने की कोशिश हुई है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने पिछले चुनाव से पहले भी एक कार्यवाहक सरकार की देख-रेख में चुनाव की मांग रखी थी, पर 2011 में संविधान में संशोधन के बाद ऐसी सरकार गठित करने का प्रावधान ही खत्म कर दिया गया। अवामी लीग के महासचिव ओबैदुल कादर के मुताबिक, 'विपक्ष पिछले ढाई साल से सड़क पर उतरकर देश की शांति और विकास की राह में रोड़े अटका रहा है, जबकि हमारी प्रधानमंत्री का एजेंडा देश में विकास, लोकतंत्र और अमन बरकरार रखना है।' हालांकि खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी की संगठन सचिव और विदेश मामलों की प्रभारी शमा ओबेद इस्लाम रिंकू का कहना है, 'सत्तारूढ़ सरकार विपक्ष का पिछले ढाई सालों से दमन कर रही है। हमारे आंदोलन को कुचलने के लिए हुई पुलिस कार्रवाई में पिछले साल के अंतिम तीन महीनों में ही बीएनपी के 14 कार्यकर्ता मारे गए थे।' दो बार प्रधानमंत्री रह चुकीं खालिदा जिया को फरवरी 2018 में भ्रष्टाचार के एक मामले में दोषी ठहराया गया था। 2019 में उन्हें खराब सेहत के चलते रिहा किया गया, शर्त यह थी कि वह ढाका में अपने घर में रहेंगी और देश नहीं छोड़ेंगी। इस तरह, 76 वर्षीया जिया चुनाव प्रचार में हिस्सा नहीं ले सकतीं। बीएनपी की प्रमुख जिया और उनके बेटे व बीएनपी के कार्यवाहक प्रमुख तारिक रहमान, जो फिलहाल लंदन में रहते हैं, के खिलाफ मामलों को वापस लेना है। उन्हें 2004 में हसीना पर हत्या के षड्यंत्र में शामिल होने के लिए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। 2018 के चुनाव से पहले बीएनपी के बाद जमात-ए-इस्लामी का पंजीकरण रद्द कर दिया गया। अब यह बांग्लादेश डेवलपमेंट पार्टी के नाम से चुनाव में उतरने की तैयारी में है। हाल ही में अमेरिकी कांग्रेस के 14 सदस्यों ने बांग्लादेश में निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए लिखा था, पर बांग्लादेशी सरकार ने साफ कहा कि अमेरिका और उसके पश्चिमी सहयोगी देश उसके आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहे हैं। न्यायपालिका पर सरकार का शिकंजा पूरी तरह कसा हुआ है, इसमें कोई शक नहीं। 17 जनवरी, 2015 से 11 नवंबर, 2017 तक सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रहे न्यायमूर्ति सुरेंद्र कुमार सिन्हा के प्रकरण में जो हुआ, उससे एक तरह से सरकार के चेहरे से मुखौटा हट गया। मनी लॉन्ड्रिंग और ब्रीच ऑफ ट्रस्ट के मामलों में फंसाए गए जज सिन्हा पद पर रहते हुए पहले कनाडा गए और अभी वह अमेरिका में शरण लिए हुए हैं। नवंबर, 2021 में ढाका की एक विशेष अदालत ने उन्हें 11 साल जेल की सजा सुनाई। विपक्ष का आरोप है कि प्रधानमंत्री शेख हसीना मोटे तौर पर बांग्लादेश को एक दलीय राज्य में बदलना चाहती हैं। अपने 14 वर्षों के कार्यकाल में हसीना ने पुलिस, सेना और अदालतों सहित बांग्लादेश की अधिकतर संस्थाओं में अपने वफादारों को भर दिया है। 1974 में भयानक अकाल के बाद 16.6 करोड़ से ज्यादा की आबादी वाला बांग्लादेश खाद्य उत्पादन के मामले में आत्मनिर्भर बन चुका है। कपड़ा निर्यात व विदेशी निवेश बढ़ने से बेरोजगारी भी काफी हद तक घटी है। हाल ही में जी-20 सम्मेलन में आमंत्रित शेख हसीना के चेहरे पर आगामी चुनावों का कोई तनाव नहीं दिखा। भारत मन ही मन चाहता है कि इस बार भी हसीना ही जीतें, क्योंकि उसका मकसद भी चीनी दबदबे से बांग्लादेश को बचाए रखना है। मानवाधिकारों व लोकतंत्र की दुहाई देकर अमेरिकी प्रशासन भी जब-तब उपदेश देता रहता है, पर चीन उसकी आंखों में भी खटकता है।

# भारत-अमेरिका रिश्ता दांव पर

**रंजीत कुमार**

आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की इस साल 18 जून को हुई हत्या के मामले में दखल देकर अमेरिका ने जिस तरह से भारत को निशाने पर लिया है, उससे पता चलता है कि उसने भारत को दोषी ठहराने की परोक्ष कोशिश की है। निज्जर हत्याकांड की वजह से भारत-कनाडा के रिश्तों पर बुरा असर तो पड़ेगा ही, इसके साइड इफेक्ट भारत-अमेरिका रिश्तों पर भी पड़ते हुए दिख रहे हैं। इसलिए यह सवाल उठ रहा है कि जब भारत और अमेरिका के बीच सामरिक साझेदारी आपसी विश्वास के दौर में प्रवेश करता हुआ लग रहा था, तब अमेरिका ने कनाडा को भारत के खिलाफ अपुष्ट रिपोर्टें देकर उकसाने की कार्रवाई क्यों की। कनाडा-अमेरिका की इस कार्रवाई से खालिस्तानी तत्वों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए खतरा पैदा हो सकता है।

भारत को करीबी दोस्त और खास सामरिक साझेदार बताने वाला अमेरिका ऐसी हरकतें करेगा तो उसे लेकर शक की भावना फिर बहाल होगी। दोनों देश आखिर परस्पर विश्वास और बराबरी के आधार पर ही सामरिक साझेदारी को आसमान की ऊंचाइयों तक ले जाने की बात करते रहे हैं। लेकिन हालिया कनाडा प्रकरण के बाद अमेरिका ने जिस तरह भारत को अप्रत्यक्ष धमकियां दी हैं, उसे देखते हुए भारत में अमेरिका के साथ रिश्ते को लेकर पुनर्विचार करने की जरूरत महसूस हो सकती है। जब दोनों देश हिंद-प्रशांत में चीन की आक्रामक नीतियों के खिलाफ एकजुट होने का संकल्प ले रहे हों, साझा सैन्य युद्धाभ्यास कर रहे हों, आर्थिक संबंध मजबूत कर रहे हों, रक्षा संबंध गहरे कर रहे हों, अमेरिका की ताजा कार्रवाई इन सब पर आंच डालेगी।

भारत लोकतांत्रिक देश है, इसलिए यहां विदेश नीति में जन-भावना का खयाल भी रखा जाता है। इसी को ध्यान में रखकर राष्ट्रीय नीतियां बनाई जाती हैं। हालिया विवाद के बाद भारत के सामरिक कर्णधारों के लिए अमेरिका के साथ सहयोग और साझेदारी बढ़ाने वाली नीति तय करने में मुश्किलें पैदा होंगी। निज्जर की हत्या मामले में अपुष्ट और कच्ची जानकारी देकर अमेरिका ने एक तरह से कनाडा को भारत के खिलाफ भड़काने की कार्रवाई की है। निज्जर की कनाडा में एक गुरुद्वारे के बाहर हत्या की गई थी। इसी के बाद भारत के कुछ राजनयिकों के बीच के कथित संदेशों का हवाला देते हुए कनाडा को भारत से उलझने के लिए उकसाया गया। ऐसी वारदात के बाद राजनयिकों में आपसी चर्चा होना स्वाभाविक है। इस चर्चा के दौरान किस तरह की जानकारी राजनयिकों ने साझा की, इस बारे में कुछ नहीं बताया गया है। बहरहाल, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने भारत के खिलाफ कनाडा द्वारा लगाए गए आरोपों को चिंताजनक मान लिया और भारत से जांच में सहयोग करने को कहा। लेकिन ध्यान से देखिए तो इस मामले को लेकर कई सवाल उठते हैं। अमेरिकी या कनाडाई अधिकारियों ने भारत पर आरोप लगाने से पहले अपनी जांच पूरी होने का इंतजार क्यों नहीं किया? अमेरिका और कनाडा ने ऐसी ही चिंता तब क्यों नहीं दिखाई, जब कनाडा में पाकिस्तानी बलूच नेता करीमा बलोच की हत्या की गई थी? सवाल यह भी है कि अमेरिका भारतीय राजनयिकों की जासूसी क्यों करता है?

गौर करने की बात है कि ऐसी हरकत कोई भारी खुन्नस के चलते ही करता है। इस तरह की खुन्नस यदि अमेरिका पाल रहा है तो उसे पहले भारत के साथ वार्ता करनी चाहिए थी। अमेरिका ने फाइव आइज संगठन के तहत अपने मित्र देश कनाडा से यह जानकारी साझा की। फाइव आइज पांच देशों का गुट है, जिसके सदस्यों में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, ब्रिटेन और न्यूजीलैंड शामिल हैं। ये देश आपस में खुफिया सूचनाएं साझा करते हैं। लेकिन निज्जर के बारे में जिन खुफिया सूचनाओं का लेन-देन हुआ, उस पर यकीन करने से पहले कुछ अहम तथ्यों पर विचार करने की जरूरत है। पहले कनाडा के सुरक्षा अधिकारियों ने भी माना था कि निज्जर की हत्या में विदेशी तत्वों का हाथ नहीं है। वह गैंग-वॉर का शिकार हुआ है। पिछले तीन महीने के भीतर खालिस्तानी गुटों के तीन आतंकवादी कनाडा और ब्रिटेन में मारे गए हैं। इंटरपोल की रेड कॉर्नर नोटिस में शामिल खालिस्तानी टाइगर फोर्स का मुखिया निज्जर एक भगोड़ा आतंकवादी-अपराधी रहा है, जिसने फर्जी पासपोर्ट के जरिए कनाडा में शरण ली और जिसे कनाडा ने नागरिक बनाने में हिचक नहीं दिखाई। इससे यह पता चलता है कि कनाडा के राजनीतिक दल चुनावों में ऐसे समाज विरोधी तत्वों का इस्तेमाल करने से गुरेज नहीं करते। भारत के अलगाववादी गुटों के नेताओं को अपने यहां न केवल शरण देकर बल्कि उन्हें राजकीय समर्थन देकर यहां के नेता खुले तौर पर भारत की संप्रभुता को चुनौती दे रहे हैं। इस तरह तो कनाडा आतंकवाद को राजकीय समर्थन देने वाले पाकिस्तान जैसे देश के तौर पर निरूपित किया जाने लगेगा।

सवाल यह उठता है कि भारत की क्षेत्रीय एकता को हिंसक गतिविधियों के जरिये भंग करने का सपना देखने वाली ताकतों को अपने यहां ये देश क्यों शरण देते हैं। इन कथित जनतांत्रिक देशों का यह कहना ढोंग है कि उनके यहां अभिव्यक्ति की आजादी है जिस पर वे रोक नहीं लगा सकते। इस घटनाक्रम के मद्देनजर पश्चिमी मीडिया ने यहां तक टिप्पणी की कि निज्जर की हत्या कर भारत ने अपने को रूस, चीन, ईरान जैसे देशों की श्रेणी में शामिल कर लिया है। भारत को ऐसी नसीहत देने वाले ये देश ही भारत के साथ सामरिक साझेदारी का गहरा रिश्ता मजबूत करने की बातें करते हैं, लेकिन अमेरिका और पश्चिमी देशों को समझना चाहिए कि सामरिक साझेदारी के लिए भारत अपनी संप्रभुता से समझौता नहीं करने वाला।

## कृपया इनसे सीखें — अस्पताल के दौर ने मुफ्त भोजन बाँटने को प्रेरित किया

**सैय्यद गुलाब**

मैं पेशे से एक बीमा एजेंट हूँ और बेंगलूरू में रहता हूँ। अस्पताल के बाहर बीमार लोगों के परिजनों की दुर्दशा देखकर मैंने राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ टीबी ऐंड चेस्ट डिजीज के परिसर के भीतर मुफ्त भोजन सेवा शुरु की, जो बच्चों के अस्पताल से सटा हुआ है। परिसर में चार अस्पताल हैं-कैंसर, टीबी, सड़क दुर्घटना और बच्चों के। मैंने सोचा कि सिर्फ एक बार खाना खिलने से उन्हें काफी मदद मिल सकती है। पहले दिन जब मैंने घर वालों को सुबह उठकर अजनबियों के लिए खाना तैयार करने के लिए कहा, तो उन्हें समझ में नही आ रहा था कि मैं उन्हें मुफ्त में खाना क्यों खिलाना चाहता हूँ। खैर जब मैं खाना लेकर अस्पताल पहुँचा और कुछ परिवारों से खाने के लिए कहा, तो उन्होंने संदेह से मेरी तरफ देखकर मना कर दिया। फिर जब मैंने खाने का बर्तन खोला, तो वहाँ भीड़ जुट गई और सबको मैंने खाना खिलाया। पहले छह महीने तक मैं सिर्फ रविवार को ही खाना बाँटता था, फिर मैंने चैरिटी टस्ट का पंजीकरण कराया और लोगों को प्रतिदिन खाना खिलाने लगा। मैंने इसके लिए अस्पताल प्रशासन से मंजूरी भी ली। बाद में कई संगठन एवं लोग मेरी मदद के लिए आगे आए। चार साल पहले मेरे दोस्त की बेटी को जयनगर में इंदिरा गाँधी इंस्टीट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ के आईसीयू में भर्ती कराया गया था। वहाँ मैंने कई परिवारों को देखा, जिनके प्रियजन अस्पताल में भर्ती थे, जो कई दिनों से बिना भोजन के फुटपाथ पर रह रहे थे। तभी मैंने मुफ्त में खाना खिलाने का संकल्प लिया।

## आज की महत्वपूर्ण घटनाएं

2005 जॉन रॉबर्ट्स यूनाइटेडस्टेट्स के 17 वें मुख्य न्यायाधीश बने।
2006 गोल ट्रांसपोर्टेस एरेसोस फ़्लाइट 1907 पेइज़ोटो डी अज़ेवेदो, माटो ग्रोसो, ब्राज़ील के पास एक एम्ब्रेयर लिगेसी बिज़नेस जेट के साथ मध्य-हवा में टकरा गई, जिससे 154 लोगों की मौत हो गई, और ब्राज़ीलियाई विमानन संकट पैदा हो गया।
2006 विश्व की पहली महिला अंतरिक्ष पर्यटक ईरानी मूल की अमेरिका नागरिक अनुशेह अंसारी पृथ्वी पर सकुशल लौटीं।
2007 ईरान ने खुद के सशस्त्र बलों के बारे में अमेरिका के दावों का मुकाबला करते हुए, अमेरिकी सेना और सीआईए को आतंकवादी संगठन घोषित किया।
2008 ब्राजील की सरकार को अमेज़ॅन वर्षा वन के सबसे खराब अवैध लकड़हारे के रूप में नामित किया गया है।

## भारतीय ज्ञान परंपरा....

# महोपनिषद् (भाग-3)

**गतांक से आगे...**

इस प्रकार अपनी सूक्ष्म बुद्धि के द्वारा श्री शुकदेव मुनि ने सभी कुछ जान लिया तथा स्वयं प्राप्त हुए परमात्मतत्त्व में वे अविश्रान्त सतत लगे रहने वाले मन से प्रतिष्ठित हुए। इस प्रकार का विश्वास उनकी आत्मा में प्राप्त हो गया कि यही वस्तु है, इससे भिन्न और कुछ भी नहीं है। जिस प्रकार जलद के धारा प्रपात से सन्तुष्ट हुए चातक की चंचलता दूर हो जाती है, उसी प्रकार शुकदेव जी का चित्त विभिन्न तरह के भोगों से प्रादुर्भूत विषय- चापल्य से विरत होकर कैवल्यावस्था को प्राप्त हो गया एक बार उन प्रज्ञावान् मनीषी श्री शुकदेव जी ने मेरु पर्वत पर एकान्त में प्रतिष्ठित अपने पिता श्रीकृष्ण द्वैपायन मुनि के आश्रम में जाकर भक्तिपूर्वक अर्चना करके पूछा- हे श्रेष्ठ मुने! इस जगत् रूप प्रपञ्च का प्राकट्य किस प्रकार हुआ और इसका विनाश कैसे होता है ? यह क्या है ? किसका है और इसकी उत्पत्ति कब हुई ? यह सभी कुछ कृपापूर्वक हमें बताने का अनुग्रह करें।

शुकदेव जी के इस प्रकार पूछे जाने पर आत्मज्ञानी व्यासजी ने उन्हें सभी बातें यथावत् बतला दीं, लेकिन ये सभी बातें तो दीर्घकाल से ही मालूम हैं, ऐसा जानकर शुकदेव जी ने अपने पिता श्रीव्यास जी की बातों को अपनी बुद्धि से वैसा विशेष सम्मान नहीं दिया। शुकदेव जी के इस भाव को व्यास जी समझकर बोले - हे पुत्र ! मैं तुम्हारी इन सभी बातों को तत्त्वत: नहीं जानता हूँ । अत: यदि इस विषय की विशेष जानकारी चाहते हो, तो मिथिलापुरी में जनक नाम के एक राजा राज्य करते हैं, वे तुम्हारी इन सभी बातों को अच्छी तरह से जानतेहैं। हे पुत्र ! तुम उनसे सभी कुछ प्राप्त कर सकते हो। पिता के द्वारा ऐसा कहे जाने पर शुकदेव जी सुमेरु पर्वत से उतर कर समतल भूखण्ड पर आये और महाराज जनक के द्वारा संरक्षित मिथिलापुरी में प्रविष्ट हुए । राजद्वार पर व्यास जी के पुत्र श्रीशुकदेव जी आपसे मिलने के लिए आये हैं, उन (शुकदेव) मुनि की परीक्षा के लिए महाराज जनक ने अवज्ञापूर्वक मात्र इतना ही कहा कि उनसे कहो कि वे वहीं पर रुकें, इतना कहने के उपरान्त राजा सात दिनों तक पूरी तरह से शान्त रहे। इसके पश्चात् उन्होंने शुकदेव मुनि को अपने राज-प्राङ्गण में आमन्त्रित किया और वहाँ भी वे सात दिनों तक उसी तरह शान्त रहे। इसके अनन्तर राजा ने उन्हें अपने अन्त:पुर के आँगन में ससम्मान बुलवाया तथा वहाँ पर भी सात दिनों तक वे उनके समक्ष नहीं आये। विदेहराज जनक ने अन्त:पुर में युवती स्त्रियों, विभिन्न तरह के सुस्वादु पकवान एवं भोज्यसहित उन श्रेष्ठ मुनि शुकदेव जी का स्वागत-सत्कार किया। वे समस्त भोग एवं भोज्य सामग्री उन व्या जी के मन को ठीक वैसे ही नहीं डिगा सके, जैसे कि मन्द मन्द प्रवाहित पवन दृढ़तापूर्वक हुए पर्वत को गतिशील नहीं कर सकता। वहाँ उस अन्त:पुर में ज्ञानी शुकदेव जी इस प्रकार जब राजा जनक ने श्रीशुकदेवजी के चरित्र की भली-भाँति परीक्षा ले ली। **क्रमश:**

# विश्व हृदय दिवस

**अंकित सिंह**

विश्वभर में 29 सितंबर को वर्ल्ड हार्ट डे के दिन के रूप में मनाया जाता है। दिल मनुष्य शरीर के सबसे अहम अंगों में से एक है। अगर हृदय अपना काम करना बंद कर दे तो व्यक्ति की मौत हो जाती है। आज के समय में लगातार नई प्रकार की बीमारियों और हमारी खराब दिनचर्या के कारण स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है, जिससे दिल को भी काफी नुकसान पहुंचता है ऐसे में दिल को स्वस्थ बनाए रखने के लिए विश्व हृदय दिवस को मनाया जाता है।

वर्तमान समय में देखें तो दिल की रोगियों की संख्या तेजी से काफी बढ़ रही है यहीं कारण है हृदय संबंधी बीमारियों के कारण कई लोगों की अचानक मृत्यु हो जाती है। शोध की मानें तो कम उम्र में भी लोगों को हृदय संबंधी बीमारियों से शिकायत हो जाती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 30 से कम आयु के लोगों में हृदय रोग संबंधित गंभीर समस्याएं होने लगती हैं, जो कि जानलेवा हो सकती हैं। ऐसे में स्वास्थ्य विशेषज्ञ हृदय रोगों के जोखिम से बचने के लिए सावधानी बरतने की सलाह देते हैं। हृदय रोगों में स्ट्रोक, जन्मजात हृदय दोष, हृदयाघात, कार्डियक अरेस्ट, पेरिकार्डियल बहाव, रुमेटिक हृदय रोग, कोरोनरी धमनी रोग, एनजाइना आदि शामिल है। दिल की इन गंभीर बीमारियों से दूर रहने के लिए स्वस्थ जीवन शैली को अपनाने की जरूरत है।

यही कारण है कि लोगों में हृदय रोग के खतरे को कम करने के लिए तथा जागरूक और प्रेरित करने के लिए विश्व हृदय दिवस शुरू किया गया था। हृदय संबंधी बीमारियों का सबसे बड़ा कारण हमारा खानपान और उसका तौर तरीका है। डॉक्टर के अनुसार हृदय रोग से बचने के लिए हर व्यक्ति को सुबह के समय अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए कम से कम 40 मिनट का व्यायाम और योगा करना चाहिए। साथ ही साथ तली चीजों और फास्ट फूट से परहेज रखना चाहिए।

तेजी से बढ़ती हृदय संबंधित बीमारियों को ध्यान रखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से विश्व हृदय दिवस मनाए जाने का प्रस्ताव रखा गया था। डब्लूएचओ ने वर्ष 2000 में पहली बार विश्व हृदय दिवस को मनाए जाने की घोषणा की थी। जिसके बाद साल 2014 से विश्व हृदय दिवस को 29 सितंबर के दिन मनाया जाने लगा। विश्व हृदय दिवस का एकमात्र उद्देश्य लोगों को हृदय संबंधी बीमारियों की प्रति जागरूक करना है। साथ ही साथ इसके बचाव के तरीको को भी बताना है।

### कुछ महत्वपूर्ण तथ्य

स्वस्थ्य दिल एक दिन में करीब 1,15,200 बार धड़कता है। जानकर जरूर अजीब लग सकता है लेकिन महिलाओं की तुलना में पुरूषों का दिल 10 फीसदी अधिक तेजी से धड़कता है। रोज हंसने मात्र से 50 फीसदी तनाव कम होता है। जिससे हार्ट पर भी कम असर पड़ता है। हृदय शरीर की सभी 75 ट्रिलियन कोशिकाओं में रक्त पहुंचाता है। कार्डियक अरेस्ट होने पर सीपीआर की मदद से इंसान को बचाया जा सकता है। लेकिन सीपीआर भी सिर्फ 10 मिनट के अंदर ही देना होता है।

### हृदय को स्वस्थ रखने के टिप्स

अक्सर लोग बीमारी होने पर सतर्क होते हैं लेकिन अगर आप नियमित रूप से 40 मिनट मॉर्निंग वॉक करते हैं तो आपका हृदय स्वस्थ रहेगा। प्रतिदिन सुबह फलों का सेवन जरूर करें। उसमें मौजूद फाइबर कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है। जिससे स्ट्रोक का खतरा कम होता है। नियमित रूप से एक्सपर्ट के मार्गदर्शन में रहकर व्यायाम करें। नट्स का सेवन जरूर करें। अखरोट, बादाम, पिस्ता विशेष रूप से दिल के लिए फायदेमंद है। डार्क चॉकलेट का सेवन करने से दिल की बीमारी का खतरा कम होता है। उसमें मौजूद एंटी-एक्सीडेंट फ्री रेडिकल्स से कोशिकाओं की क्षति को कम करता है।

# संघ के पूर्व प्रचारक मध्य प्रदेश के चुनावी मैदान में

**सिद्धार्थ शंकर गौतम**

मध्य प्रदेश की राजनीति में जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव पास आ रहे हैं, राजनीतिक उथल पुथल बढ़ने लगी है। हाल ही में पूर्व विधायक ममता मीणा ने भाजपा की पहली अधिकृत सूची में नाम न होने के चलते भाजपा का दामन छोड़कर आप की झाड़ू थाम ली है। कई और कद्दावर भाजपा नेता पार्टी छोड़कर जाने की तैयारी कर रहे हैं किंतु सबसे चौंकाने वाला मामला इंदौर/भोपाल से आया है जहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व प्रचारकों ने जनहित पार्टी नाम से नए राजनीतिक दल का गठन कर राजनीतिक पंडितों को चौंका दिया है।

स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह दूसरा अवसर है जब संघ के पूर्व प्रचारक सीधे राजनीति में उतरे हैं। इससे पूर्व गोवा में 2019 के लोकसभा चुनाव में गोवा के तत्कालीन संघ प्रमुख सुभाष वेलिंगकर ने गोवा सुरक्षा मंच बनाकर भाजपा को मुश्किल में डाल दिया था। हालांकि राजनीतिक दल बनाने से पूर्व ही सुभाष वेलिंगकर का संघ से संबंध विच्छेद हो गया था किंतु उस समय भी यह चर्चा बलवती हुई थी कि संघ राजनीति में सक्रिय रूप से भाग लेता है और उसकी रुचि अपनी हितकारी सरकार के बनने से लेकर विपक्ष की राजनीति बिगाड़ने में होती है। किंतु क्या ऐसा सच में है? मध्य प्रदेश में भी संघ के जिन पूर्व प्रचारकों ने राजनीतिक दल का गठन किया है उनका संघ से संबद्ध विच्छेद एक दशक पूर्व ही हो चुका है। कुछ प्रचारक तो तत्कालीन पूर्व सरसंघचालक केएस सुदर्शन के कार्यकाल में ही संघ

छोड़ चुके हैं। असंतोष का कारण चाहे जो रहा हो किंतु संघ की मध्यप्रदेश की इस क़वायद में कोई भूमिका नहीं है, क्योंकि समाजसेवा के नाम पर एकजुट हुए इन पूर्व प्रचारकों को न तो स्वयंसेवकों का साथ मिल रहा है, न ही संगठन के पुराने साथियों का। सूत्रों के अनुसार समाजसेवा से राजनीति में आने के इनके निर्णय का संघ से जुड़े लोगों ने विरोध किया है और इंदौर में इन्हें मिला कार्यालय भी वापस ले लिया गया है।

मध्य प्रदेश में जनहित पार्टी के गठन में अभय जैन के अलावा मनीष काले, विशाल बिंदल आदि की मुख्य भूमिका है। अभय जैन 1986 से 2007 तक संघ प्रचारक रहे हैं और असंतोष के कारण उन्होंने संघ से विराम ले लिया था। वे मध्य प्रदेश में प्रांत बौद्धिक प्रमुख रह चुके हैं। वे इंदौर नगर प्रचारक के साथ सिक्किम विभाग प्रचारक और प्रांत सेवा प्रमुख जैसे बड़े दायित्व पर भी रह चुके हैं। वहीं, मनीष काले संघ के रीवा विभाग प्रचारक रह चुके हैं। ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय हैं और वहां के लोगों को अपनी नई राजनीतिक पार्टी से जुड़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इसके अलावा विशाल बिंदल भोपाल सायं भाग प्रचारक रह चुके हैं और इन दिनों झारखंड में सक्रिय रहकर सामाजिक और राजनीतिक आंदोलनों का नेतृत्व कर रहे हैं। डॉक्टर सुभाष बारोट पिछले 40 वर्षों से सामाजिक कार्यों में संलग्न हैं और वे भी इस राजनीतिक क़वायद का हिस्सा हैं। 10 सितंबर, 2023 को भोपाल में जनहित पार्टी के गठन का मकसद देश की जनता को हिंदुत्व आधारित सौ प्रतिशत खरी राजनीतिक पार्टी का विकल्प देना बताया जा रहा है। पार्टी के गठन पर प्रदेश में संघ में फूट, भाजपा को चोट जैसे नारे लगने लगे हैं जो आम जनता के बीच चर्चा का विषय बन रहे हैं किंतु इसका चुनावी लाभ कितना होगा यह भविष्य के गर्भ में छिपा है।

मध्य प्रदेश में यह प्रश्न उठ रहा है कि क्या संघ के पूर्व प्रचारकों द्वारा गठित पार्टी विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ भाजपा को नुकसान पहुँचाने का दम रखती है? इन सबके बीच एक प्रश्न यह भी उठ रहा है कि क्या यह सारी क़वायद भाजपा में मची भगदड़ को कांग्रेस और आम आदमी पार्टी सहित अन्य राजनीतिक दलों की ओर जाने से रोकने के लिए तो नहीं है? अब तक का इतिहास देखें तो संघ के किसी भी पदाधिकारी का राजनीतिक चेहरा जनता के बीच चर्चा का केंद्र नहीं बना है। समाजसेवा और हिंदुत्व के विषय पर भले ही संघ को समाज का साथ मिलता है किंतु बात जहां राजनीति की आती है तो वहां मामला उल्टा हो जाता है। गोवा में सुभाष वेलिंगकर इसका प्रमुख उदाहरण हैं। उन्होंने भी जिस तल्खी के साथ संघ छोड़ा और अपनी राजनीतिक पार्टी का गठन किया, उसे जनता ने ही नकार दिया। फिर अभय जैन के साथ तो विवाद भी जुड़े हैं। उन्होंने ओंकारेश्वर में बन रहे आदि शंकराचार्य केंद्र का भी यह कहकर विरोध किया था कि इससे वह नगरी पर्यटन का केंद्र बन जाएगी। अब जबकि ओंकारेश्वर में आदिगुरु शंकराचार्य की भव्य प्रतिमा का अनावरण हो चुका है तो यह प्रदेशवासियों के लिए गौरव का क्षण है। जहां तक प्रश्न इस बात का है कि इससे भाजपा को कितना नुकसान होगा तो यह दीगर तथ्य है कि प्रदेश की राजनीति हमेशा से दो-दलीय रही है। बहुजन समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी के आधा दर्जन से अधिक विधायक भी यदा-कदा जीतकर विधानसभा पहुंचे हैं किंतु इससे आगे उनकी राजनीतिक राह भी मुश्किल हुई है। हां, जनता में यह संदेश अवश्य पहुंच रहा है कि भाजपा की अंदरूनी राजनीतिक स्थिति ठीक नहीं है जिसके चलते पार्टी में असंतोष बढ़ा है और जनता इसे भाजपा की घटती लोकप्रियता के रूप में देख रही है। इससे नि:संदेह कांग्रेस को लाभ मिल रहा है जो यह तथ्य स्थापित करने में सफल रही है कि भाजपा की लोकप्रियता अब नहीं है और उसके अपने साथ छोड़ रहे हैं। इससे पूर्व भी बजरंग सेना का कांग्रेस में विलय यह कहकर प्रचारित करवाया गया कि बजरंगियों का यह संगठन भाजपा से नाराज होकर कांग्रेस में शामिल हुआ है जबकि यह सत्य नहीं है। बजरंग दल और बजरंग सेना में उतना ही अंतर है जितना द्रमुक और अन्ना द्रमुक में। संघ के जिन पूर्व प्रचारकों का जिक्र करके कांग्रेस व अन्य राजनीतिक दल भ्रम पैदा कर रहे हैं।

## हिन्द स्वराज्य

# इटली और हिन्दुस्तान (भाग-2)

**गतांक से आगे...**

इटली के मजदूर अब भी दुखी हैं। इटली के मजदूरों की दाद-फरियाद नहीं सुनी जाती, इसलिए वे लोग खून करते हैं, विरोध करते हैं, सिर फोड़ते हैं और वहाँ बलवा होने का डर आज भी बना हुआ है। आस्ट्रिया के जाने से इटली को क्या लाभ हुआ? नाम का ही लाभ हुआ। जिन सुधारों के लिए जंग मचा वे सुधार हुए नहीं, प्रजा की हालत सुधरी नहीं । हिन्दुस्तान की ऐसी दशा करने का तो आपका इरादा नहीं ही होगा। मैं मानता हूँ कि आपका विचार हिन्दुस्तान के करोड़ों लोगों को सुखी करने का होगा, यह नहीं कि आप या मैं राजसत्ता ले लूं। अगर ऐसा है तो हमें एक ही विचार करना चाहिए। वह यह कि प्रजा स्वतंत्र कैसे हो। आप कबूल करेंगे कि कुछ देशी रियासतों में प्रजा कुचली जाती है। वहाँ के शासक नीचता से लोगों को कुचलते हैं। उनका जुल्म अंग्रेजों के जुल्म से भी ज्यादा है। ऐसा जुल्म अगर आप हिन्दुस्तान में चाहते हो, तो हमारी पटरी कभी नहीं बैठेगी। मेरा स्वेदशाभिमान मुझे यह नहीं सिखाता कि देशी राजाओं के मातहत जिस तरह प्रजा कुचली जाती है उसी तरह उसे कुचलने दिया जाय। मुझमें बल होगा तो मैं देशी राजाओं के जुल्म के खिलाफ और अंग्रेजी जुल्म के खिलाफ जूलूँगा। स्वदेशाभिमान का अर्थ मैं देश का हित समझता हूँ। अगर देश का हित अंग्रेजों के हाथों होता हो, तो मैं आज अंग्रेजों को झुककर नमस्कार करूंगा। अगर कोई अंग्रेज कहे कि देश को आजाद करना चाहिए, जुल्म के खिलाफ होना चाहिए और लोगों की सेवा करनी चाहिए, तो उस अंग्रेज को मैं हिन्दुस्तानी मानकर उसका स्वागत करूँगा। फिर इटली की तरह जब हिन्दुस्तान को हथियार मिलें तभी वह लड़ सकता है; पर इस भगीरथ (बहुत बड़े) काम का तो, मालूम होता है, आपने विचार ही नहीं किया है। अंग्रेज गोला-बारूद से पूरी तरह लैस हैं, इससे मुझे डर नहीं लगता। लेकिन ऐसा तो दीखता है कि उनके हथियारों से उन्हीं के खिलाफ लड़ना हो, तो हिन्दुस्तान को हथियारबन्द करना होगा। **क्रमश: ...**

# मोदी की तारीफ कर पटनायक ने चला मास्टरस्ट्रोक

**अंकित सिंह**

लोकसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक समीकरण बनते और बिगड़ते दिखाई दे रहे हैं। वर्तमान में पूर्वी राज्य ओडिशा की राजनीति पर नजर डालें तो कहीं ना कहीं यह दिलचस्प दिखाई दे रही है। ओडिशा के मुख्यमंत्री और बीजू जनता दल के प्रमुख नवीन पटनायक के रुख ने कई सारे कयासों को जन्म दे दिया है। दावा किया जा रहा है कि आने वाले चुनाव में भाजपा और बीजेडी फिर से एक मंच पर आ सकते हैं। हालांकि, यह बात भी सच है कि नवीन पटनायक की पार्टी एनडीए से बाहर रहकर भी भाजपा के लिए पिछले 9 सालों में केंद्र की राजनीति में सबसे भरोसेमंद सहयोगी बनी रही है। अप्रैल-मई 2024 में होने वाले चुनावों से कुछ महीने पहले, पटनायक की मोदी की प्रशंसा ने बीजेडी-बीजेपी गठबंधन के पुनरुद्धार की अटकलों को हवा दे दी है, जो मार्च 2009 में चुनावों से कुछ हफ्ते पहले पटनायक द्वारा गठबंधन खत्म करने से पहले लगभग 11 साल तक चला था।

एक समय बीजेडी और बीजेपी का मजबूत गठबंधन रह चुका है। लेकिन, बीजेडी द्वारा बीजेपी के साथ चुनावी संबंध तोड़ने के 14 साल बाद, ओडिशा के सीएम द्वारा हाल ही में पीएम मोदी की प्रशंसा करते हुए उन्हें उनकी विदेश नीति और भ्रष्टाचार से लड़ने के उपायों के लिए 10 में से आठ रेटिंग दी गई है, जिससे संकेत मिलता है कि संबंधों में नरमी आ सकती है। ओडिशा में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होने है। 26 दिसंबर 1997 को स्थापित, बीजद ने 1998, 1999 और 2004 के लोकसभा चुनावों और 2000 और 2004 के विधानसभा चुनावों में ओडिशा में अधिकांश सीटें जीतने के लिए भाजपा के साथ गठबंधन में लड़ाई लड़ी। अगस्त 2008 में कंधमाल दंगों के बाद बीजेडी और बीजेपी के बीच रिश्ते में तनाव आ गया। फिर, 2009 के लोकसभा चुनाव से कुछ हफ्ते पहले, पटनायक ने तत्कालीन बीजेपी राज्यसभा सांसद और लालकृष्ण आडवाणी के दूत के साथ अंतिम बैठक के बाद एकतरफा रूप से गठबंधन तोड़ दिया। सीट बंटवारे पर चंदन मित्रा की बात बेनतीजा रही। गठबंधन

टूटने से ओडिशा में बीजेपी के लिए चीजें अच्छी भी नहीं रही। इसके बाद भाजपा 2009 में यह केवल छह विधानसभा सीटें जीतने में सफल रही और कोई लोकसभा सीट पर सफलता नहीं मिली, जबकि 2004 में गठबंधन में इसके 32 विधायक और सात लोकसभा सांसद जीते थे।

एक वरिष्ठ बीजेडी नेता के मुताबिक नवीन पटनायक का भाजपा को छोड़ने का निर्णय एक मास्टरस्ट्रोक था। कंधमाल दंगों के बाद भाजपा के साथ अपने रिश्ते खत्म करने के लिए उनकी राष्ट्रीय स्तर पर सराहना की गई। 2009 के चुनावों में, बीजद ने राज्य की 129 विधानसभा सीटों में से 103 पर जीत हासिल की, साथ ही राज्य की 21 लोकसभा सीटों में से 14 पर जीत हासिल की। बीजेडी मजबूत होकर उभरी और 2014 और 2019 तक इस गति को बरकरार रखा। अक्टूबर 2013 में, पटनायक ने कहा कि वह प्रधानमंत्री बनने के लिए नरेंद्र मोदी के नाम का समर्थन नहीं करेंगे। हालांकि, 2014 में बीजेपी की जीत के बाद उन्होंने यू-टर्न ले लिया। समय के साथ, जैसे-जैसे पीएम मोदी और शीर्ष केंद्रीय मंत्रियों के साथ उनका सौहार्द बढ़ता गया, संसद में बीजद ने कई मौकों पर केंद्र के खिलाफ सामने आने के लिए विपक्ष के प्रस्तावों से दूरी बना ली।

ओडिशा के मुख्यमंत्री ने मोदी के नोटबंदी को एक साहसिक कदम बताया और पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक की सराहना की। उन्होंने 2017 और 2022 के राष्ट्रपति चुनावों में एनडीए उम्मीदवारों का भी समर्थन किया। यह समर्थन तीन तलाक, अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और दिल्ली के लिए एनसीटी विधेयक जैसे प्रमुख कानूनों के पारित होने के दौरान भी जारी रहा। जब विपक्ष ने हाल ही में मणिपुर मुद्दे पर अविश्वास प्रस्ताव लाया तो इसने एनडीए सरकार का भी समर्थन किया। हालाँकि, पटनायक-मोदी की मित्रता ने भाजपा को तटीय राज्य में अपनी चुनावी किस्मत पलटने में मदद नहीं की है। भले ही भाजपा ने अपनी लोकसभा की संख्या को 2014 में बिना किसी सीट के सुधार के 2019 में आठ तक पहुंचा दिया, लेकिन वह विधानसभा चुनावों में सफलता हासिल करने में विफल रही। 2019 में, केवल 23 विधायक रहे, जबकि पांच साल पहले यह संख्या 10 थी।

इसके अलावा, राज्य के भाजपा नेता बीजद को अपने प्रमुख दुश्मन के रूप में देखते हैं। मंगलवार को मीडिया को जानकारी देते हुए विधानसभा में विपक्ष के नेता जयनारायण मिश्रा ने कहा कि वह खराब प्रदर्शन के लिए पटनायक की सरकार को शून्य देते हैं। राज्य के कुछ भाजपा नेताओं का मानना ??है कि पटनायक द्वारा मोदी की प्रशंसा यह दिखाने की एक रणनीति थी कि बीजद का भाजपा के केंद्रीय नेताओं के साथ अच्छा तालमेल है, जिससे राज्य भाजपा कैडर का मनोबल गिरना था। भाजपा भी लगातार ओडिशा में अपने कैडर को मजबूत करने में लगी हुई है। धर्मेंद्र प्रधान और संबित पात्रा जैसे केंद्रीय नेताओं पर बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कयासों और संभावनाओं का दौर लगातार जारी है। राजनीति में कुछ भी संभव नहीं है। वर्तमान में जिस तरीके की राजनीति देश में चल रही है उसमें अगर भाजपा और बीजेडी का गठबंधन होता है तो इसमें कोई आश्चर्य वाली बात नहीं होनी चाहिए। आखिर में फैसला तो जनता को ही लेना होता है। यही तो प्रजातंत्र है।

# ग्वालियर के महाराज ज्योतिरादित्य सिंधिया बन सकते हैं मप्र के भावी मुख्यमंत्री?

**शशिधर पाठक**

म.प्र. में भाजपा की फिर सरकार बनवाने की कमान केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के हाथ में है। उन्होंने चुनाव अभियान में अपने जांचे परखे सहयोगी भूपेन्द्र यादव को जुलाई महीने में राज्य का प्रभारी बनवाया। सह प्रभारी रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव हैं। चुनाव प्रबंधन कमेटी के संयोजक केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर हैं। जुलाई 2023 से ही केन्द्रीय गृहमंत्री प्रस्तावित विधानसभा चुनाव में पार्टी का भाग्य तय करने की बड़ी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इसके समानांतर ग्वालियर के महाराज और केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी हैं। वह और उनके समर्थक राज्य के मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षा रखते हैं। सिंधिया का सबकुछ दांव पर लगा है। तो क्या सिंधिया राज्य के मुख्यमंत्री बनेंगे? हालांकि केन्द्र सरकार में म.प्र. के एक मंत्री के सचिवालय की चर्चा भी बहुत कुछ कह रही है। सूत्रों का कहना है कि केन्द्रीय गृहमंत्री की तमाम कोशिशों के बाद भी पार्टी के भीतर की गुटबाजी कम नहीं हो रही है। बताते हैं कि म.प्र. में आधा दर्जन नेताओं का खेमा है। सब अपने अपने इलाके में किसी की नहीं सुन रहे हैं। माना जा रहा है कि इसे केन्द्र में रखकर पार्टी के रणनीतिकार चुनावी रणनीति को अंतिम रूप दे रहे हैं। भाजपा के पास मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा रखने वाले कोई एक नेता नहीं हैं। केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर के समर्थकों को भी बड़ी उम्मीद है। केन्द्रीय कृषि मंत्रालय में उनका सचिवालय संभाल रहे तमाम सहयोगियों ने भोपाल में ठिकाना बना लिया है। तोमर के मुख्यमंत्री बनने के सवाल पर उनकी प्रतिक्रिया बड़ी सकारात्मक रहती है। इतना ही नहीं नरेन्द्र सिंह तोमर के चेहरे पर इस सवाल की चमक साफ दिखाई देती है। तोमर के साथ-साथ कैलाश विजय वर्गीय हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के विरोधी माने जाते हैं। कभी ज्योतिरादित्य सिंधिया पर व्यंग्य कसने वाले कैलाश विजय वर्गीय पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव भी हैं। पिछले काफी समय से पार्टी ने उन्हें कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं दी है। लेकिन इस बार उन्हें विधानसभा से टिकट देने की घोषणा कर दी है। कैलाश विजय वर्गीय कहते हैं कि उनकी मंशा विधानसभा चुनाव लड़ने की बिल्कुल भी नहीं है। वह तो चुनाव लड़वाना चाहते थे। प्रचार में आठ जन सभाएं रोज करने की योजना थी, लेकिन यह पार्टी का फैसला है। जब कैलाश विजय वर्गीय से मुख्यमंत्री बनने पर सवाल किया जाता है तो उनके चेहरे पर एक चमक लौटती है। इसके बाद वह नारा लगाकर आगे बढ़ जाते हैं। म.प्र. के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर करीब 18 साल से बैठे शिवराज सिंह चौहान अभी म.प्र. में चर्चाओं के बाजार पर चुप हैं। उनके सचिवालय के एक प्रमुख सूत्र का कहना है कि अगला मुख्यमंत्री तो विधानसभा चुनाव के बाद तय होगा। अभी चुनाव की तारीखों की भी घोषणा नहीं हुई है। शिवराज सिंह चौहान मंत्रिमंडल में उनके एक करीबी और बहुत खास मंत्री हैं। उन्होंने कहा कि 79 उम्मीदवारों की सूची जारी हुई है। अभी तो करीब इसका डेढ़ गुना उम्मीदवारों की सूची आनी है। इसे भी आ जाने दीजिए। अभी जो मुख्यमंत्री बनना चाह रहे हों, उन्हें बन जाने दीजिए। फिलहाल अभी तो मुख्यमंत्री का पद भी रिक्त नहीं है। सूत्र का कहना है कि 2020 में भी लोग कयास लगा रहे थे, लेकिन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ही बने थे। ग्वालियर के सोहन सिंह खुद को राजघराने से जुड़ा बताते हैं। अमर उजाला से बातचीत में कहते हैं कि भाजपा को सिंधिया जी महाराज की अहमियत मालूम है। उनके करीब 8 करीबियों को टिकट मिल चुका है। सोहन सिंह कहते हैं कि सिंधिया जी महाराज आगामी विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री बन सकते हैं। क्योंकि वही कांग्रेस के कमलनाथ को टक्कर दे सकते हैं। शिवराज समर्थक विधायकों में एक हलचल है। यह हलचल ग्वालियर चंबल संभाग के विधायकों और ज्यातिरादित्य सिंधिया के समर्थक दो मंत्रियों में भी है। हलचल का मुख्य कारण टिकट को लेकर ही है। वरिष्ठ पत्रकार आनंद कहते हैं कि भोपाल में हर घंटे नई चर्चा सुनने को मिल जा रही है। आनंद के मुताबिक चुनाव आयोग द्वारा तारीख की घोषणा हो जाने दीजिए। तब तक भाजपा अधिकांश टिकट की घोषणा कर देगी। आनंद के मुताबिक इस बार टिकट बंटवारे के बाद कांग्रेस की तुलना में भाजपा में बड़ी हलचल हो सकती है। यही हलचल अगले मुख्यमंत्री के चेहरे की दिशा भी तय कर सकती है। वह कहते हैं कि फिलहाल शिवराज सिंह चौहान को बिल्कुल चुका हुआ न समझा जाए। शिवराज अभी अपने स्वभाव के मुताबिक व्यवहार कर रहे हैं। पुराने धुरंधर हैं, देखिए क्या होता है।

# विस चुनावों में सामूहिक नेतृत्व और मोदी फैक्टर पर भाजपा का जोर

**अंकित सिंह**

2024 में लोकसभा चुनाव होने हैं। हालांकि, 2023 के आखिर में पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव हैं। इसे 2024 का सेमीफाइनल माना जा रहा है। इन पांच राज्यों में से भाजपा अपने दम पर एक मध्य प्रदेश में शासन में है। वहीं, मिजोरम में गठबंधन में है। इसके अलावा कांग्रेस राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सत्ता में है। जबकि तेलंगाना में भारत राष्ट्रीय समिति का शासन है। हालांकि, इन पांचो राज्यों में भाजपा कहीं ना कहीं पूरी ताकत लगाने की कोशिश में जुटी हुई है और अभी से ही अपनी रणनीति जमीन पर उतर रही है। इसका असर मध्य प्रदेश में जो अब तक उम्मीदवार घोषित किए गए हैं उसमें दिख भी रहा है। इसके अलावा भाजपा ने जो रणनीति अपनाई है, उसमें मुख्यमंत्री के चेहरे की बजाय सामूहिक नेतृत्व और मोदी फैक्टर पर जोर दिया गया है। इसका बड़ा कारण यह भी है कि भाजपा इस बात को भली-भांति समझती हैं कि अगर उसकी ओर से मुख्यमंत्री उम्मीदवार का ऐलान किया गया तो चुनाव से पहले हिंदी भाषी राज्यों में पार्टी के भीतर गुटबाजी मजबूत हो सकती है। इससे उम्मीदवारों के समक्ष चुनौतियां आएंगी। मध्य प्रदेश की बात करें तो वहां भाजपा बड़े नाम को भी चुनावी मैदान में उतर रही है। इसका मतलब साफ है कि पार्टी ज्यादा से ज्यादा सीटों को सुरक्षित करना चाहती है। साथ ही जो कमजोर सीट हैं, वहां अभी से ही तैयारी शुरू की जा रही है। इसके अलावा अगर इन राज्यों में सीएम का चेहरा नहीं दिया जाता है तो क्षेत्रीय नेताओं को ज्यादा महत्व मिलेगा। भाजपा की ओर से भाई-भतीजावाद वाली राजनीति पर अंकुश लगाने पर भी कहीं ना कहीं खास ध्यान दिया जा रहा है। भाजपा सभी नेताओं को यह संदेश देने की कोशिश कर रही है कि आप अपने-अपने क्षेत्र में दम लगाइए और पार्टी की जीत सुनिश्चित करिए। आपको उसके अनुरूप सरकार बनने पर मौका दिया जाएगा। मध्य प्रदेश में केंद्रीय मंत्रियों को विधानसभा चुनाव में उतारना कहीं ना कहीं यह संदेश देने की कोशिश है कि पार्टी सामूहिक नेतृत्व में विश्वास करती है और उसी के आधार पर चुनावी मैदान में उतर रही है। आश्चर्य की बात यह भी है कि अब तक मध्य प्रदेश में भाजपा की ओर से चेहरा रहे शिवराज सिंह चौहान के टिकट का ऐलान नहीं हुआ है। इसको राजनीतिक पंडित अलग-अलग चश्मे से भी देख रहे हैं। साथ ही साथ अब तक संगठन की जिम्मेदारी संभाल रहे कैलाश विजयवर्गीय को भी इस बार चुनावी मैदान में उतरकर भाजपा ने शिवराज सिंह चौहान को भी संदेश देने की कोशिश की है। राजस्थान में भी भाजपा ने इस बात के संकेत दे दिए हैं कि वह सामूहिक नेतृत्व में ही चुनाव लड़ेगी। इससे वसुंधरा राजे की उम्मीदों पर एक पानी फिरता दिखाई दे रहा है। वसुंधरा राजे दो बार राजस्थान में भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। लेकिन इस बार कहीं ना कहीं उनके नाम को लेकर पार्टी के भीतर ही असमंजस की स्थिति है। बड़ा सवाल यह भी है कि क्या अगर भाजपा की सरकार मध्य प्रदेश में बनती हैं तो वह किसी अन्य के नीचे काम करना पसंद करेंगी। इसको फिलहाल राजनीतिक पंडित बचते दिखाई दे रहे हैं। लेकिन राजस्थान की सारी चीजें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी प्रमुख जेपी नड्डा के ही इर्द-गिर्द घूम रही है। वहीं, छत्तीसगढ़ में पार्टी की ओर से नए नेतृत्व पर जोर दिया जा रहा है। रमन सिंह को लेकर अभी भी पार्टी में कोई दिलचस्पी दिखाई नहीं दे रही है।

# भाजपा के लिए तमिलनाडु में बढ़ी चुनौती

**आर राजागोपालन**

ऑल इंडिया अन्नाद्रमुक का एनडीए से बाहर निकलना नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने की हैट्रिक लगाने की भाजपा की रणनीति के लिए निश्चित तौर पर एक बड़ा झटका है। अचानक हुए इस घटनाक्रम से तमिलनाडु में डीएमके की अगुआई वाले गठबंधन के छोटे राजनीतिक दल भी एआइएडीएमके से ज्यादा सीटों के लिए सौदेबाजी करने लगेंगे। और कांग्रेस को भी प्रलोभन मिलेगा। यदि मान लें कि ऐसा होता है, तो कांग्रेस-डीएमके गठबंधन के कारण विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन में भी हलचल मच सकती है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों से मात्र 240 दिन पहले, तमिलनाडु की राजनीति में आए उथल-पुथल और असमंजस से मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के नेतृत्व वाली सत्ताधारी डीएमके को फायदा होगा। एआइएडीएमके बीजेपी का एक भरोसेमंद सहयोगी रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता के दौर में पार्टी ने अयोध्या में राम मंदिर आंदोलन को समर्थन दिया था।

जयललिता ने इसे अपने चुनावी घोषणापत्र का भी हिस्सा बनाया था। समान विचारों वाली यह ऐसी पांचवीं पार्टी है जिसने एनडीए से नाता तोड़ा है। इससे पहले अकाली दल, शिव सेना, जेडीयू आदि ने भी समर्थन वापस लिया था और नरेंद्र मोदी सरकार से हाथ खींच लिया था। एआइएडीएमके के बीजेपी से संबंध तोड़ने के लिए कई कारण बताए जा रहे हैं। यह घटनाक्रम अभी और बदलेगा, और संभवत: अगले एक महीने में तमिलनाडु की राजनीति बदल जाएगी। ऐसी अटकलें हैं कि इससे कांग्रेस के अगुआई वाले इंडिया गठबंधन में एक बड़ा संकट खड़ा हो सकता है। कांग्रेस अगर एआइएडीएमके के साथ ऐसी स्थिति में जाने का मन बनाती है कि वह उसे तमिलनाडु में 20 सीटों पर लड़ने देगी, तो ऐसे में स्टालिन क्या करेंगे? दिल्ली में भाजपा नेता एआइएडीएमके को दोषी ठहराते

हैं कि वह सनातन धर्म के मुद्दे पर मौन साधे रही। गृह मंत्री अमित शाह ने एआइएडीएमके नेता इ पलानीसामी से खुलकर कहा था कि वह चाहते हैं कि उनकी पार्टी एक बयान जारी कर उदयनिधि स्टालिन की आलोचना करे। लेकिन एआइएडीएमके ने सोमवार को भाजपा से नाता तोड़ने का फैसला क्यों कर डाला? सूत्रों की मानें, तो एआइएडीएमके चाहती थी कि भाजपा तमिलनाडु में अपने प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई को या तो पद से हटाये या उन्हें काबू में करे। लेकिन भाजपा के इनकार करने के बाद उन्होंने एनडीए से नाता तोड़ लिया। पिछले सप्ताह एआइएडीएमके के पांच सदस्यों की एक टीम ने दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा से मुलाकात की थी, और अन्नामलाई को हटाने की मांग की। लेकिन नड्डा तैयार नहीं हुए। यानी एआइएडीएमके ने एनडीए गठबंधन से सीटों के बंटवारे के प्रश्न पर गठबंधन नहीं तोड़ा। बीजेपी अन्नामलाई की 'एन मन, एन मक्कल' यात्रा को समर्थन दे रही है। वह इस यात्रा से पूरे तमिलनाडु में पार्टी का जनाधार मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। यह यात्रा 11 जनवरी 2024 को चेन्नई में समाप्त होगी। उम्मीद की जा रही है कि प्रधानमंत्री इस अवसर पर चेन्नई में यात्रियों को फूल-माला पहनाएंगे। बीजेपी ने अपने नेताओं को सलाह दी है कि वह इस मुद्दे पर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहें। लेकिन कम-से-कम दो भाजपा नेताओं ने कहा है कि उन्हें संबंध टूटने की इस घटना में भी कुछ उम्मीद दिखायी दे रही है, क्योंकि भाजपा को इससे तमिलनाडु में खुद अपनी जमीन तलाशने का मौका मिलेगा। वह आगामी लोकसभा चुनावों के लिए छोटे दलों के साथ गठबंधन कर सकती है। भाजपा के सूत्रों का कहना है कि एआइएडीएमके अपने इस कदम से तमिलनाडु में अल्पसंख्यक मतदाताओं को रिझाना चाहती है।

यह दिलचस्प बात है कि दिल्ली में भाजपा के कई बड़े नेताओं को अभी भी एआइएडीएमके के एनडीए खेमे में लौट आने का भरोसा है। इसके लिए पर्दे के पीछे से कोशिशें चल रही हैं। बहुत जल्दी, भाजपा के एक शीर्ष नेता फिर से बातचीत का दौर शुरू करने के लिए चेन्नई पहुंचेंगे। भाजपा यदि एआइएडीएमके को लौटाने में नाकाम रहती है तो वर्ष 2022 में उसकी हैदराबाद कार्यकारिणी में तय प्रस्ताव के लक्ष्य पर असर पड़ सकता है। इसमें कहा गया था कि अगले लोकसभा चुनाव में दक्षिण भारत से 50 लोकसभा सीटें लाने पर ध्यान देना चाहिए। भाजपा नेताओं को इस बात का अहसास है कि गुजरात, राजस्थान और हरियाणा में उसका प्रदर्शन चरम स्तर पर पहुंच चुका है। भाजपा को पश्चिम बंगाल, पूर्वोत्तर भारत के कुछ राज्यों और बिहार में कुछ सीटें गंवाने की भी आशंका है। उसकी क्षतिपूर्ति तभी हो सकती है जब भाजपा दक्षिण भारत में मजबूत होगी। एआइएडीएमके महासचिव इ पलानीसामी चार साल तक तमिलनाडु के मुख्यमंत्री इसलिए बने रहे क्योंकि उन्हें केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार का समर्थन था। उनके गुट को दो पत्तियों का चुनाव चिह्न भी भाजपा के परोक्ष समर्थन से मिला। उनके और ओ पनीरसेल्वम के बीच कई कानूनी लड़ाइयां हुईं, और उनसे बाहर निकलने में भाजपा उनके साथ मजबूती से खड़ी रही। लेकिन अभी के राजनीतिक घटनाक्रम भाजपा के लिए अच्छे संकेत नहीं देते। मगर इस पुरानी कहावत को भी याद रखना चाहिए, कि राजनीति में कोई भी स्थायी शत्रु नहीं होता।

# राजस्थान में अशोक गहलोत ने चुनाव से पहले मान ली हार!

**नीरज कुमार दुबे**

राजस्थान विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे करीब आते जा रहे हैं वैसे-वैसे राजनीतिक बयानबाजी तेज हो चली है। एक ओर जहां भाजपा के राष्ट्रीय नेताओं ने प्रदेश पदाधिकारियों के साथ घंटों तक मंथन कर चुनाव जीतने की रणनीति बनाई तो दूसरी ओर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जो बयान दिया है वह दर्शा रहा है कि उन्होंने चुनाव की घोषणा से पहले ही हार मान ली है। दरअसल राजस्थान के हाल के कुछ वर्षों का चुनावी इतिहास यह रहा है कि किसी पार्टी की सरकार चुनाव बाद दोबारा नहीं बनती है। इसलिए भाजपा जहां अपनी सरकार बनने को लेकर आश्वस्त नजर आ रही है वहीं कांग्रेस का प्रयास है कि दोबारा सत्ता में लौट कर इतिहास रचा जाये। लेकिन राजनीतिक परिस्थितियां ऐसी नहीं दिखाई दे रही हैं कि कांग्रेस दोबारा सत्ता में लौट सके। राजस्थान के मुख्यमंत्री राजनीति के जादूगर माने जाते हैं और हालात को समय रहते भांपने में माहिर हैं। इसलिए उन्होंने जब अपनी सरकार की ओर से शुरू की गयी योजनाओं को बंद नहीं करने की गारंटी प्रधानमंत्री से मांगी तो स्पष्ट हो गया कि वह संभावित हार को देख चुके हैं। हम आपको यह भी बता दें कि हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में तो अपनी पार्टी की जीत की संभावना जताई थी लेकिन राजस्थान में मुकाबला कांटे का बताया था। इस बीच, खबर यह है कि चुनाव आयोग का एक दल शुक्रवार को राज्य विधानसभा चुनावों की तैयारियों का जायजा लेने के लिए जयपुर पहुँचेगा।

जहां तक भाजपा की रणनीति की बात है तो आपको बता दें कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आगामी विधानसभा चुनाव से जुड़े मुद्दों को लेकर जयपुर में पार्टी के स्थानीय नेताओं के साथ लंबी चर्चा की। पार्टी सूत्रों ने बताया कि बैठकों का दौर बुधवार देर शाम एक होटल में शुरू हुआ जो देर रात दो बजे तक जारी रहा। दोनों नेताओं ने आज सुबह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्थानीय पदाधिकारियों से भी मुलाकात की। पार्टी में राजस्थान को लेकर शीर्ष स्तरीय बैठकों का यह दौर ऐसे समय में हुआ है जब वह अपने प्रत्याशियों की पहली सूची जारी करने वाली है। पार्टी द्वारा मध्य प्रदेश में तीन केंद्रीय मंत्रियों और चार अन्य सांसदों को विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार बनाए जाने के बाद इन अटकलों को बल मिला है कि राजस्थान में भी दो केंद्रीय मंत्रियों को विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए कहा जा सकता है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि शाह और नड्डा ने सबसे पहले पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के साथ बैठक की। वसुंधरा राजे से मुलाकात करीब 15 मिनट तक चली। इसके बाद पार्टी के राज्य के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक शुरू हुई जिसमें विधानसभा क्षेत्रों व चुनावी रणनीति पर चर्चा हुई। हाल में संपन्न हुई चार परिवर्तन यात्राओं पर भी 'फीडबैक' लिया गया। सूत्रों ने कहा, ''समीक्षा की गई कि यात्राओं में कहां लोग अधिक आए और कहां कम। इसके कारणों पर चर्चा की गई।'' बैठक में केंद्रीय मंत्री और राजस्थान के लिए पार्टी के चुनाव प्रभारी प्रह्लाद जोशी, सह प्रभारी नितिन पटेल, राजस्थान के लिए पार्टी के प्रभारी अरुण सिंह, प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, केंद्रीय

मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुन मेघवाल व कैलाश चौधरी, नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, उपनेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां और अन्य नेता मौजूद थे। बैठक करीब तीन घंटे तक चली। पार्टी सूत्रों के अनुसार, नड्डा और शाह ने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, चुनाव सह प्रभारी नितिन पटेल, राजस्थान प्रभारी अरुण सिंह और कुलदीप विश्नोई और विजया रहाटकर सहित अन्य नेताओं के साथ अगले दौर की बैठक की। सूत्रों ने बताया, ''बैठक में विधानसभा क्षेत्रों पर चर्चा हुई। बैठक में इस बात पर मंथन किया गया कि विधानसभा और लोकसभा चुनाव में मेवाड़, शेखावाटी, हाड़ौती, मारवाड़ इलाके और पूर्वी राजस्थान में अधिक से अधिक सीटें कैसे जीती जाएं।''

सूत्रों के अनुसार, ''इस बात का बारीकी से आकलन किया गया कि किन निर्वाचन क्षेत्रों में पार्टी कमजोर है और जीत सुनिश्चित करने के लिए क्या रणनीति की जरूरत है। उन सीटों की श्रेणियों पर भी विस्तृत चर्चा हुई - जहां पार्टी पिछले तीन चुनावों से लगातार जीत रही है या हार रही है और जहां पार्टी वैकल्पिक रूप से जीत रही है।'' सूत्रों ने कहा, ''बैठक में स्पष्ट संदेश दिया गया कि पार्टी संगठन ही सर्वोपरि है और चुनाव में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा।'' इस बीच, पार्टी की राज्य इकाई के सूत्रों ने कहा कि केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को कुछ अन्य सांसदों के साथ विधानसभा चुनाव में उतारा जा सकता है। पार्टी नेताओं ने कहा कि बैठक में टिकट वितरण और अन्य चुनाव संबंधी मुद्दों पर चर्चा की गई। हालांकि, बैठक के बाद होटल से निकल रहे पार्टी नेताओं ने बैठकों के बारे में मीडियाकर्मियों से बात नहीं की। हालांकि चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नारायण पंचारिया ने बताया कि पार्टी की ओर से आधिकारिक तौर पर ही मीडिया को जानकारी दी जाएगी।

हम आपको यह भी बता दें कि राज्य के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों से निकाली गई पार्टी की ''परिवर्तन यात्राओं'' के पूरा होने के अवसर पर सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जयपुर के पास जनसभा को संबोधित किया था। उसके ठीक बाद अमित शाह और जेपी नड्डा राजस्थान पहुंचे हैं। बताया जा रहा है कि पार्टी अब युवाओं, किसानों और महिलाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए कार्यक्रमों की योजना बना रही है।

दूसरी ओर, राजस्थान के मुख्यमंत्री के बयान की बात करें तो आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'मार्केटिंग का उस्ताद' बताते हुये अशोक गहलोत ने कहा है कि उन्हें यहां आकर वोट मांगने से पहले मौजूदा कांग्रेस सरकार की किसी योजना को बंद नहीं करने की गारंटी जनता को देनी चाहिये। गहलोत ने कहा, प्रधानमंत्री आप आजकल गारंटी देते हैं। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि अगली बार जब आप आयें तो... एक गारंटी दीजिए कि (अगर आप की) सरकार आएगी तो हमारी (मौजूदा कांग्रेस) सरकार की कोई योजना बंद नहीं होगी, जो कानून बने हैं बने रहेंगे। उन्होंने कहा, मोदी कहें कि (भाजपा की) सरकार आएगी तो राजस्थान में ओपीएस लागू रहेगी, जो कानून बनाए हमने वे लागू रहेंगे... मैंने जो स्कीमें लागू की वें लागू रहेंगी... यह प्रधानमंत्री को आकर कहना चाहिए। तब उनका अधिकार है यहां चुनाव प्रचार करने का।

गहलोत ने कहा, हमने जो कदम उठा लिए हैं, प्रधानमंत्री मोदी जी आप भी उसे लागू करो केंद्र में। फिर आप यहां आइए हम आपका स्वागत करते हैं, कहिए कि आप राजस्थान सरकार ने जो जनकल्याण के तमाम फैसले किए हैं, वो हमने भी लागू कर दिए हैं केंद्र में, फिर आकर यहां वोट मांगिएगा और कहिएगा कि कोई भी वादा जो किया यहां सरकार फैसले किए एक भी फैसला हम बंद नहीं करेंगे ये विश्वास आप जनता को दिलाओ फिर आकर वोट मांगों, ये मेरा मानना है। इस बीच, निर्वाचन आयोग का एक उच्च स्तरीय दल राजस्थान में विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने के लिए शुक्रवार को जयपुर पहुंचेगा। यह दल तीन दिन यहां रहेगा और तैयारियों की समीक्षा करेगा।

# 'बिग बॉस 16' फेम सुंबुल तौकीर खान का छलका दर्द : बोलीं - 'पिता जब एक्टिंग के लिए मुंबई लाए, तो अपनों ने ही बच्चियां बिगाड़ने की बात कही थी'

'बिग बॉस 16' फेम सुंबुल तौकीर खान जल्द ही टीवी शो 'काव्या - एक जज्बा, एक जुनून' में बतौर लीड नजर आएंगी। सीरियल में वे आईपीएस इंस्पेक्टर काव्या के किरदार में दिखेंगी। हाल ही में एक इंटरव्यू में अभिनेत्री ने बताया कि वे अपने पिता के सपनों को पूरा करने की हर कोशिश में लगी हैं। बातचीत के दौरान उन्होंने अपने प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें भी सांझा की। आइये जानते है उन्होंने क्या कहा :

**रियल लाइफ में किसे अपना आदर्श मानती हैं?**

रियल लाइफ में सबसे बड़े आदर्श मेरे पिता हैं। उन्होंने मुझे और मेरी छोटी बहन को अकेले बड़ा किया हैं। एक पिता के लिए ये बहुत मुश्किल होता है और मुझे लगता है कि उन्होंने बहुत अच्छा काम किया है। मैंने हमेशा से यही सोचा कि मेरे पापा ने अपनी जिंदगी में जितने स्ट्रगल देखे हैं, जितनी मेहनत उन्होंने की हैं, मैं कभी वो कर्ज अदा नहीं कर पाउंगी। हां, उन्हें थोडी खुशी देने की कोशिश जरूर कर सकती हूं। मैं अपना बेस्ट देने की कोशिश कर रही हूं।

**पिता आपके करियर से कितने संतुष्ट हैं?**

आज मैं अपने पिता को सुकून में देखती हूं। उन्हें मालूम है कि मैं बड़ी हूं तो अब उन्हें किसी भी बात की चिंता करने की जरुरत नहीं। उन्हें यकीन हैं कि मैं जो भी करुंगी, सही करुंगी। हम दोनों के ऊपर जो भरोसा बना हुआ है, ये मेरे लिए बहुत ही ज्यादा स्पेशल है।

**क्या पिता को आपके लिए ताने सुनने पड़े थे?**

हम जब मुंबई आने वाले थे, मेरे करियर की शुरुआत हुई भी नहीं थी तब जितने भी लोगों को पापा ने बताया कि वे बच्चों को मुंबई ले जा रहे हैं, एक्टिंग करवाने या कुछ बड़ा करवाना तब उन सभी अपनों ने उन्हें मना किया था। उन्होंने कहा कि तुम अपनी बच्चियों की जिंदगी बर्बाद कर दोगे, बच्चियां बिगड़ जाएंगी।

तुम्हे पता नहीं फिल्म इंडस्ट्री कैसी है और वो तुम्हारा साथ नहीं देंगी, तुम्हे छोड़ कर चली जाएंगी। इस तरह की कई बातें की थी। मेरे पापा ने जवाब में सिर्फ एक बात कही कि मेरी बेटी मुझे कभी छोडकर नहीं जाएंगी। मैंने ये सभी चीजें देखी हैं और इसलिए मेरी यही कोशिश होती है कि मैं इन लोगों की सोच को ज्यादा से ज्यादा गलत ठहरा संकू।

**पिता की क्या ख्वाहिश पूरी करना चाहती हैं?**

मैं अपने पिता को विदेश यात्रा कराना चाहती हूं। सच कहूं तो मैं भी आज तक अपने देश से बाहर नहीं गई हूं। फिलहाल बस उनकी यही ख्वाहिश पूरी होनी बची है।

**'काव्या..' को हामी क्यों भरी?**

मुझे इस शो की कहानी और किरदार बहुत पसंद आए। मैं कुछ अलग करना चाहती थी, ऐसा कुछ जो मेरे लिए चुनौतीपूर्ण हो। मेरे रियल लाइफ से ये किरदार बहुत अलग है, यहां तक कि अब तक मैंने जितने भी किरदार निभाएं उन सबसे ये अलग है। इस शो के लिए मैं वाकई में काफी उत्साहित हूं।

# बॉलीवुड के किस एक्टर के बहुत बड़े फैन हैं अमिताभ बच्चन? बिग बी ने 'कौन बनेगा करोड़पति 15' में किया खुलासा

**'कौन बनेगा करोड़पति 15'** का लेटेस्ट एपिसोड होस्ट अमिताभ बच्चन के फास्टेस्ट फिंगर फर्स्ट खेलने से शुरू होता है और हरियाणा की पिंकी को हॉट सीट पर पहुंचती हैं. पिंकी एक हाउसवाइफ हैं. पिंकी इस दौरान बहुत आत्मविश्वास से गेम खेलती हैं और सही निर्णय लेकर और सही जवाब देकर 12 लाख 50 हजार रुपये के सवाल तक पहुंच जाती हैं. इस दौरान अमिताभ बच्चन खुलासा करते है कि वे दिलीप कुमार के सबसे बड़े फैन हैं.

**दिलीप कुमार के सबसे बड़े फैन हैं अमिताभ बच्चन**

पिंकी के पास कोई लाइफलाइन नहीं बचती है. उनसे 12 लाख 50 हजार रुपये के लिए सवाल पूछा जाता है कि दिलीप कुमार नाम अपनाने से पहले यूसुफ खान को उनके स्क्रीन नाम के रूप में इनमें से कौन सा नाम दिया गया था? पिंकी जवाब को लेकर श्योर नहीं होती हैं. यहां तक कि होस्ट अमिताभ बच्चन भी, जो खुद को दिलीप कुमार का सबसे बड़ा फैन

कहते हैं वे भी श्योर नही होते हैं. वह कहते हैं, ₹हमसे बड़ा शायद ही कोई फैन होगा दिलीप कुमार का दुनिया भर में, लेकिन ये हमको भी नहीं मालूम है.

**अमिताभ बच्चन ने दिलीप कुमार को लेकर कही ये बात**

सवाल का जवाब पता ना होने के चलते पिंकी खेल छोड़ने का फैसला करती हैं 6 लाख 40 हजार रुपये जीतकर घर ले जाती है. वैसे प्रश्न का सही जहांगीर था. इसके बाद अमिताभ बच्चन बताते हैं कि जब दिलीप कुमार को एक फिल्म के लिए लिया गया, तो उन्हें अपने लिए एक स्क्रीन नाम चुनने की सलाह दी गई थी. देविका रानी और प्रसिद्ध भगवती चरण वर्मा ने उन्हें तीन नाम सुझाए जो थे वासुदेव, दिलीप कुमार और जहांगीर. उन्होंने जहांगीर नाम नहीं चुना लेकिन सालों बाद उन्होंने फिल्म मुगल-ए-आजम में जहांगीर की भूमिका निभाई. मैं उनका बहुत बड़ा फैन हूं और मुझे हमेशा लगता था कि जब भी कोई भारत का फिल्म इतिहास लिखेगा, तो वह दिलीप कुमार से पहले और दिलीप कुमार के बाद होगा. वह एक अविश्वसनीय इंसान और कलाकार थे.

इस बीच कंटेस्टेंट पिंकी उन्हें टोकते हुए कहती हैं कि इसे अमिताभ बच्चन के पहले और अमिताभ बच्चन के बाद के नाम से भी जाना जाएगा.

# कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी 'बिग बॉस 17' में करेंगे पार्टीसिपेट !

**टेलीविजन के चर्चित** रिएलिटी शोज में से एक 'बिग बॉस' का ऑडियंस बेसब्री से इंतजार कर रही है। इस शो के 16 सीजन पूरे हो चुके हैं। हाल ही में शो के होस्ट सलमान खान ने ऑफिशियल तौर पर पहले प्रोमो के साथ इसकी वापसी की घोषणा की थी। हालांकि शो शुरू होने में अभी कुछ दिन बाकी हैं ,लेकिन इसमें शामिल होने वाले कंफर्म कंटेस्टेंट्स की लिस्ट सामने आ रही है। बता दें , कंगना रनोट के शो 'लॉकअप' के विजेता मुनव्वर फारूकी ने 'बिग बॉस 17' के लिए हामी भर दी है।

**मेकर्स से भारी भरकम फीस मांगी**

प्रोडक्शन हाउस से जुड़े एक करीबी कहते हैं, 'मेकर्स पिछले कई हफ्तों से मुनव्वर की टीम से संपर्क में थे। मुनव्वर शो में शामिल होने के लिए राजी थे, लेकिन बात पैसों को लेकर अटक गई थी। दरअसल, मुनव्वर सोशल मीडिया पर अपनी पॉपुलैरिटी से वाकिफ हैं। वे जानते हैं कि 'बिग बॉस' में उनका शामिल होना मेकर्स के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। उन्हें अच्छी टीआरपी मिल जाएगी। बस यही वजह थी कि उन्होंने मेकर्स से भारी भरकम फीस मांगी। मेकर्स ने थोड़ा वक्त लिया, लेकिन फिर वे मुनव्वर को मुंह मांगी फीस में लेने के लिए राजी हो गए।' बता दें, मुनव्वर के अलावा श्रेनु पारीख और बॉयफ्रेंड अक्षय म्हात्रे, टीवी कपल ऐश्वर्या शर्मा और नील भट्ट, शफक नाज, अंकिता लोखंडे और पति विक्की जैन, ईशा मालवीया ने भी शो में पार्टिसिपेट करने के लिए हामी भर दी है। साथ ही टीवी एक्टर जय सोनी से भी मेकर्स की बातचीत चल रही है।

# शैलेश लोढ़ा ने असित मोदी पर लगाए चौंकाने वाले आरोप, जेनिफर ने भी किया समर्थन

टीवी के मशहूर सिटकॉम 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में मिसेज रोशन सिंह सोढ़ी की भूमिका निभाने के लिए लोकप्रिय अभिनेत्री जेनिफर मिस्त्री बंसीवाल इन दिनों खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। इस शो को छोड़ चुके कई स्टार्स जेनिफर मिस्त्री बंसीवाल, मोनिका भदौरिया, शैलेश लोढ़ाने TMKOC के मेकर्स खासतौर पर असित कुमार मोदी पर कई चौंकाने वाले आरोप लगाए थे। वही हाल ही में शैलेश लोढ़ा ने असित मोदी के बारे में कुछ चौंकाने वाले खुलासे किए थे जिसके बाद अब जेनिफर मिस्त्री ने भी उनका सपोर्ट किया है।

कुछ दिन पहले ही शैलेश लोढ़ा ने असित मोदी को लेकर कई चौकाने वाले खुलासे किए थे साथ ही यह भी बताया था कि उन्होंने शो क्यों छोड़ा। वहीं जेनिफर मिस्त्री बंसीवाल ने शैलेश का समर्थन करते हुए अपने सोशल मीडिया पर मीडिया की एक रिपोर्ट का एक स्क्रीनग्रैब शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'अगर शैलेश जी जैसे सीनियर एक्टर को ऐसा सुनना पड़ता था तो जरा सोचिए हम जैसो ने क्या-क्या सुना होगा और क्या सहन किया होगा'।

हाल ही में खुद शैलेश मीडिया से बातचीत करते हुए खुलासा किया था कि शो के मेकर असित कुमार मोदी ने उनसे गलत तरीके से बात की थी। इतना ही नहीं, 'तारक मेहता' के अलावा किसी अन्य शो में काम करने के लिए भी उन्हें अपमानित किया गया था। एक्टर ने बताया कि एक बार उन्हें एक अन्य शो में गेस्ट सेलिब्रिटी के रूप में इनवाइट किया गया था, और उन्होंने खुशी-खुशी इसमें भाग लिया, लेकिन असित कुमार मोदी को यह पसंद नहीं आया।

शैलेश ने ये भी बताया कि असित ने उनसे जिस तरह से बात की वह उन्हें पसंद नहीं आई। शैलेश ने यह भी शेयर किया कि असित कुमार मोदी ने शो में सभी को अपमानजनक तरीके से अपना नौकर कहा, उनके बोलने का तरीका मैं बर्दाश्त नहीं कर सका। एक शो कई लोगों के जरिए बनता है, किसी एक इंसान की बदौलत नहीं। 17 फरवरी को मैंने मेल कर दिया कि मैं अब शो में काम नहीं कर पाऊंगा'।

बता दें कि जेनिफर इस शो में पिछले 15 साल से रोशन सोढी का किरदार निभाती नजर आई हैं। लेकिन जब से मेकर्स के साथ अभिनेत्री की अनबन हो गई तब से उन्होंने शो छोड़ दिया और सेट पर नजर नहीं आई हैं। वहीं, असित कुमार मोदी द्वारा निर्मित, 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' साल 2008 से प्रसारित हो रहा है। पिछले कई वर्षों में यह शो भारतीयों की दिलों की धड़कन बनकर उभरा है। लोगों के बीच इस शो की दीवानगी इतनी ज्यादा है कि इसका हर कलाकार दर्शकों के दिलों में बस गया है। बीते काफी समय से यह शो अपनी स्टारकास्ट के छोड़कर जाने के कारण सुर्खियों में बना हुआ है।

# साउथ सुपरस्टार नयनतारा फिल्मों में आने से पहले करती थीं न्यूज एंकरिंग, ट्रांसफॉर्मेशन देख हैरान हुए फैंस

**साउथ की लेडी सुपरस्टार** नयनतारा हाल ही में शाहरुख खान की फिल्म जवान में नजर आई थीं। इस फिल्म के जरिए उन्होंने बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की। इसी बीच नयनतारा का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें वह एक टीवी शो में एंकरिंग करते हुए दिखाई दे रही हैं।

**नयनतारा का थ्रो-बैक वीडियो**

वीडियो में नयनतारा का एक अलग लुक देखने को मिला। वह मलयालम भाषा में बोल रही हैं। माथे पर छोटी सी बिंदी, सिंपल मेकअप और प्रिंटेड ब्लैक एंड रेड कपड़ों में उन्हें पहचान पाना मुश्किल हो रहा है। बता दें, फिल्मों में आने से पहले वह टीवी शो चामायम में एंकरिंग कर रही थीं।

**2003 में मलयालम फिल्म से की थी शुरुआत**

उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत मलयालम फिल्म मनासिनक्करे से की, तब वो कॉलेज में ही थीं। इसके बाद नयनतारा ने तमिल सिनेमा में अय्या (2005) से और तेलुगु सिनेमा में लक्ष्मी (2006) से डेब्यू किया था। आज वह साउथ इंडस्ट्री की 'लेडी सुपरस्टार' के नाम से जानी जाती हैं।

**नयनतारा का वीडियो देख फैंस हुए शॉक्ड**

एक्ट्रेस का ये पुराना वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। 38 साल की एक्ट्रेस का ट्रांसफॉर्मेशन देखकर फैंस सवाल कर रहे हैं कि क्या ये सच में नयनतारा ही हैं। वीडियो पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा- वह बहुत अलग दिख रही हैं। दूसरे ने लिखा- पैसा सब बदल देता है। वहीं तीसरे ने कमेंट करते हुए लिखा- अब यह पूरी तरह से बदल चुकी हैं।

**नयनतारा का वर्कफ्रंट**

नयनतारा के वर्कफ्रंट की बात करे तो वह जल्द ही फिल्म कन्नप्पा में नजर आएंगी। इस फिल्म में वह 16 साल बाद प्रभास के साथ काम करेंगी। दोनों शिव और पार्वती की भूमिका में दिखाई देंगे। यह फिल्ममेकर विष्णु मांचू का ड्रीम प्रोजेक्ट है। फिल्म का डायरेक्शन मुकेश सिंह करेंगे।

# महिमा नांबियार ने चंद्रमुखी 2 को बताया अपना ड्रीम प्रोजेक्ट

**बॉलीवुड की धाकड़** क्वीन कही जाने वाली अभिनेत्री कंगना रणौत आज किसी पहचान की महोताज नहीं है। एक्ट्रेस की फिल्म 'चंद्रमुखी 2' पिछले काफी लंबे समय से खबरों की सुर्खियों में बनी हुई है। हर कोई एक्ट्रेस की इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहा था। इसी बीच अब फिल्म की अभिनेत्री महिमा नांबियार कंगना की तारीफ करते हुए उन्हें असल 'चंद्रमुखी' बताया है।

मलयालम एक्शन फिल्म आरडीएक्सः रॉबर्ट डोनी जेवियर में अपने अभिनय से दर्शकों का मनोरंजन करने के बाद अभिनेत्री महिमा नांबियार एक बार फिर मोस्ट अवेटेड हॉरर कॉमेडी 'चंद्रमुखी 2' से बड़े पर्दे पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए तैयार हो रही हैं। इसी बीच अभिनेत्री ने कंगना के अभिनय और तारीफों के पुल बांधे हैं और उन्हें असल चंद्रमुखी की उपाधि दी है।

हाल ही में, एक इंटरव्यू में कहा, 'चंद्रमुखी 2' का निर्देशन असाधारण प्रतिभाशाली निर्देशक पी वासु ने किया है। मेरी जोड़ी राघव लॉरेंस के साथ है और कंगना मैम भी फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं । यह किरदार चंद्रमुखी 2 को कैमरे के सामने और पीछे दोनों जगह अपार प्रतिभा से भरपूर प्रोजेक्ट बनाता है। इसलिए फिल्म को लेकर काफी उम्मीदें हैं, खासकर जब से यह लाइका प्रोडक्शंस द्वारा बनाया गया है।'

बात करें कंगना के 'चंद्रमुखी 2' के हिंदी ट्रेलर की तो इसकी शुरुआत एक हवेली से होती है। 17 साल पहले से शुरू होती है, जब गंगा ने खुद को चंद्रमुखी समझकर ऐसा तांडव मचाया था। मानो पूरे गांव में प्रलय आ गया हो, अब तो खुद चंद्रमुखी ही आ गई है।

इस फिल्म में कंगना रणौत के अलावा राधिका सरथकुमार, वादिवेलु, लक्ष्मी मेनन, महिमा नांबियार, सृष्टि डांगे, रवि मारिया और सुरेश मेनन भी अहम किरदार में हैं।

बता दें कि, चंद्रमुखी 2 पहले 15 सितंबर को रिलीज होने वाली थी लेकिन कुछ अटकलों की वजह से इसकी रिलीज तारीख आगे बढ़ाकर 28 सितंबर कर दिया गया।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

## अमित शाह 1 अक्टूबर को भोपाल का दौरा करेंगे

**नईदिल्ली।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पार्टी की बैठकों में भाग लेने, उम्मीदवारों से फीडबैक लेने और मध्य प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए राज्य के नेताओं के साथ रणनीति पर चर्चा करने के लिए रविवार को भोपाल जाएंगे। पार्टी के करीबी सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि अमित शाह 1 अक्टूबर को सुबह 11.30 बजे भोपाल पहुंचने वाले हैं और लगभग तीन घंटे तक रुकेंगे। वह पार्टी मुख्यालय में वरिष्ठ नेताओं के साथ अलग-अलग बैठकें भी करेंगे। गौरतलब है कि आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले शाह का दौरा महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बीजेपी अब तक मध्य प्रदेश में उम्मीदवारों की तीन सूचियां जारी कर चुकी है, पहली और दूसरी सूची में 39 नाम और तीसरी सूची में केवल एक नाम की घोषणा की गई है। इन तीन सूचियों में कुल 230 विधानसभा सीटों में से 79 उम्मीदवारों की घोषणा की गई है, जबकि राज्य की शेष 151 सीटों के लिए नामों का खुलासा होना बाकी है।

## इंडिया गठबंधन कल भी अस्तित्व में रहे कोई गारंटी नहीं

**हैदराबाद।** तेलंगाना की सत्ताधारी पार्टी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की वरिष्ठ महिला नेता और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता ने गुरुवार को विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया पर जबरदस्त हमला करते हुए कहा कि इसकी कोई गारंटी नहीं कि आज का इंडिया गठबंधन कल भी अस्तित्व में रहेगा। समाचार एजेंसी से बात करते हुए बीआरएस एमएलसी के कविता ने कहा, इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि इंडिया गठबंधन का अस्तित्व कल भी रहेगा। राज्य चुनावों और संसदीय चुनाव के लिए बनने वाले मुद्दे के बाद स्थिति काफी अलग होगी। कविता ने आगे कहा कि अगर संसदीय चुनाव के नतीजों तक गठबंधन बना भी रहा तो उसके बाद की स्थिति में बदलाव आ सकता है। चुनावी गठबंधन की सियासत को घेरते हुए उन्होंने कहा, ऐतिहासिक रूप से इस देश में चुनाव पूर्व गठबंधन बहुत सफल नहीं रहे हैं। इसलिए हम निश्चित रूप से इंतजार करेंगे।

## अन्नाद्रमुक लोकसभा चुनाव अपने गठबंधन के साथ लड़ेगी

**चेन्नई।** अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) के उप महासचिव और तमिलनाडु के पूर्व मंत्री केपी मुनुसामी ने भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के साथ गठबंधन तोड़ने के अपने फैसले के प्रति पार्टी की अटूट प्रतिबद्धता दोहराई। अन्नाद्रमुक के उप महासचिव केपी मुनुसामी ने कृष्णागिरी में कहा कि अन्नाद्रमुक अपना गठबंधन बनाकर 2024 के लोकसभा चुनाव और 2026 के विधानसभा चुनाव का सामना करेगी। कृष्णागिरि में पत्रकारों से बात करते हुए, मुनुसामी ने राज्य भाजपा प्रमुख के अन्नामलाई पर गहरा असंतोष व्यक्त किया, जिन्होंने उनके खिलाफ पार्टी के प्रस्ताव के बावजूद पूर्व मुख्यमंत्री सीएन अन्नादुराई और अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पादी के पलानीसामी के खिलाफ टिप्पणी करना जारी रखा। अन्नाद्रमुक ने सोमवार को आधिकारिक तौर पर तमिलनाडु में एनडीए से सभी रिश्ते तोड़ लिए थे।

## भाजपा का काम भ्रम फैलाना : ललन सिंह

**पटना।** इन दिनों बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर चर्चाओं का दौर लगातार जारी है। दावा किया जा रहा है कि नीतीश कुमार लगातार भाजपा से नजदीकी बनाने की कोशिश की कर रहे हैं। हालांकि, नीतीश कुमार ने इसे पहले ही खारिश कर दिया था। इन सब के बीच जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह का भी बयान सामने आया है। उन्होंने भाजपा पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया है। ललन सिंह ने अपने बयान में कहा कि भाजपा का काम भ्रम फैलाना है। मीडिया में रोज चलता है कि नीतीश कुमार की भाजपा से नजदीकियां बढ़ रही है। भाजपा देखने के लायक भी पार्टी नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि भाजपा का अस्तित्व क्या है? भाजपा ने देश की जनता से जो वादा किया उसमें कौन सा वादा पूरा किया? हालांकि दोनों आर से इससे इनकार किया जा रहा है। बिहार के राजनीतिक हालात को देखें तो 2024 के लिए भाजपा को नीतीश कुमार की बेहद जरूरत है।

## कांग्रेस विधायक को पंजाब पुलिस ने किया गिरफ्तार

**चंडीगढ़।** पंजाब कांग्रेस के लिए 28 सितंबर की सुबह बड़ी आफत खड़ी हो गई है। कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैरा को पंजाबी पुलिस ने सुबह हिरासत में लिया है। गुरुवार की सुबह चंडीगढ़ स्थित सुखपाल खैरा के घर पंजाब पुलिस पहुंची और उन्हें गिरफ्तार कर अपने साथ ली गई। अपनी गिरफ्तारी की जानकारी खुद कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैरा ने फेसबुक पर लाइव स्ट्रीम कर दी है। यह भी सामने आया है कि पंजाब पुलिस के साथ चंडीगढ़ पुलिस का कोई अधिकारी मौजूद नहीं था। सुखपाल सिंह खैरा की गिरफ्तारी सुबह 6.00 बजे के आसपास हुई है जब जलालाबाद पुलिस उनके चंडीगढ़ स्थित घर पहुंची। अब तक यह पता चला है कि कांग्रेस विधायक की गिरफ्तारी एक पुराने मामले में हुई है जो की एनडीपीएस से जुड़ा हुआ है। इस मामले में पूछताछ के लिए उन्हें गिरफ्तार किया गया है। वर्तमान में कोर्ट में यह मामला जारी है।

### सुखपाल खैरा को हिरासत में लेने के बाद आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच टकराव

# पंजाब में आप और कांग्रेस आमने सामने इंडिया गठबंधन का क्या होगा?

**चंडीगढ़।** पंजाब पुलिस द्वारा गुरुवार को 2015 के ड्रग्स मामले में कांग्रेस विधायक सुखपाल खैरा को हिरासत में लेने के बाद कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच टकराव शुरू हो गया है। राज्य कांग्रेस प्रमुख अमरिन्दर सिंह राजा वारिंग ने इस कार्रवाई की निंदा की और इसे राजनीतिक प्रतिशोध बताया और कहा कि यह विपक्ष को डराने-धमकाने का एक प्रयास है। यह दोनों पार्टियों की पंजाब इकाई के बीच चल रही खींचतान के बाद आया है, जो विपक्ष के इंडिया ब्लॉक के लिए हाथ मिलाने के लिए सहमत नहीं हैं। वारिंग ने कहा कि पंजाब कांग्रेस विधायक सुखपाल खैरा की हालिया गिरफ्तारी से राजनीतिक प्रतिशोध की बू आती है, यह विपक्ष को डराने की कोशिश है और मुख्य मुद्दों से ध्यान भटकाने की आप पंजाब सरकार की चाल है।

राज्य कांग्रेस प्रमुख ने आगे कहा कि मैं इस गिरफ्तारी की निंदा करता हूं। यह जंगल राज है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने सुबह मुझे फोन किया और हमें खैरा के लिए लड़ने के लिए कहा। उनके परिवार ने कहा है कि उनके साथ कुछ भी हो सकता है। कांग्रेस नेता को पंजाब पुलिस ने नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के मामले में हिरासत में लिया था। खैरा के बेटे मेहताब सिंह खैरा ने दावा किया कि उनके पिता ने पंजाब के सीएम भगवंत मान को बेनकाब किया है और इसके लिए उन्हें पदक मिल रहा है। उन्होंने कहा कि जहां तक हम जानते हैं, यह वही एफआईआर नंबर 35 है जो 2015 में दर्ज की गई थी, जिसका इस्तेमाल उन्होंने 8 साल बाद उन्हें गिरफ्तार करने के लिए किया था। यह राजनीतिक प्रतिशोध है।

पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह ने कहा कि एसआईटी की जांच रिपोर्ट के मुताबिक कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि कानून अपना काम कर रहा है। पुलिस ने जो किया वह कानून के मुताबिक है। उन्होंने कहा कि भगवंत मान सरकार की प्राथमिकता नशा मुक्त पंजाब



है...इसलिए कोई भी हो और किसी भी पार्टी का सदस्य हो, कानून सबके लिए समान होगा, किसी को बख्शा नहीं जाएगा। आप सांसद सुशील गुप्ता ने कहा है कि कानून अपनी अदालत में जाएगा, यह सर्वविदित है कि सुखपाल खैरा जी ड्रग्स के कारोबार में शामिल थे। उन्होंने कहा कि सुखपाल सिंह खैरा के खिलाफ मामला अकाली दल शासन में दर्ज किया गया था और उन्हें कांग्रेस शासनकाल के दौरान गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद वे कांग्रेस में शामिल हो गये और उन्हें राजनीतिक संरक्षण मिला। पहले सरकार के दबाव में अधिकारी कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर पाते थे, अब वे स्वतंत्र हैं और कानून अपना काम कर रहा है।

## लोकसभा चुनाव से पहले ही बिखर जाएगा विपक्षी गठबंधन : चिराग

**बलिया।** लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के अध्यक्ष और सांसद चिराग पासवान ने दावा किया है कि विपक्षी दलों का गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले ही बिखर जाएगा। पासवान ने बलिया में आयोजित अतिदलित सम्मेलन में संवाददाताओं से बातचीत में विपक्षी गठबंधन के जिक्र पर दावा किया कि इंडिया गठबंधन आगामी लोकसभा चुनाव से पहले ही बिखर जाएगा।

उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन ऐसा भानुमती का कुनबा है, जो बनने से पहले ही धराशायी हो जाता है। आपने 2014 से पहले भी विपक्ष की ऐसी तस्वीर देखी होगी। वर्ष 2019 से पहले भी ऐसे ही प्रयासों को देखा होगा। जब एक मंच पर प्रधानमंत्री पद के एक दर्जन से ज्यादा दावेदार दिखाई दें तो वह गठबंधन कैसे बना रह सकता है। इस गठबंधन में व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा हावी है।%

पासवान ने दावा किया कि इंडिया के घटक दल एक दूसरे के खून के प्यासे हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल का जिक्र करते हुए कहा कि वर्ष 2024 के आम चुनाव की अधिसूचना जारी होने तक विपक्षी गठबंधन में शामिल राजनीतिक दल अपनी अलग-अलग राह पकड़ लेंगे। उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल के राज्यसभा सदस्य मनोज कुमार झा के हाल ही में सदन में 'ठाकुर के कुएं' को लेकर दिए गए बयान के बाद उठे विवाद पर कहा कि झा फूट डालो और राज करो की नीति अपनाते हैं।

पासवान ने कहा, राष्ट्रीय जनता दल के नेता मनोज कुमार झा समाज में बंटवारा करके ही अपने राजनीतिक हितों को साधते हैं। उन्होंने एक जाति विशेष और एक संप्रदाय में आने वाले लोगों पर अशोभनीय टिप्पणी की है। यह पहली बार नहीं है। वह जिस दल से आते हैं, उसकी सोच ही यही है।'' उन्होंने विश्वास व्यक्त किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आने वाले समय में नारी शक्ति वंदन विधेयक में अन्य पिछड़े वर्गों को शामिल करने समेत विभिन्न मांगों को पूरा करेंगे।

### उज्जौन की घटना को लेकर राहुल ने पीएम-शिवराज पर बोला हमला

# वादों और नारों के बीच बेटियों की चीखें उन्होंने दबा दी हैं: राहुल

**नईदिल्ली।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनाव प्रचार के बीच गुरुवार को उज्जैन में 12 साल की बच्ची से रेप की घटना के बाद मध्य प्रदेश सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि पीएम मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बेटियों की चीखें दबा दी हैं। इसको लेकर उन्होंने एक्स पर लिखा कि मध्य प्रदेश में एक 12 साल की बच्ची के साथ हुआ भयावह अपराध, भारत माता के हृदय पर आघात है। उन्होंने आगे कहा कि महिलाओं के खिलाफ़ अपराध और नाबालिग बच्चियों के खिलाफ़ हुए दुष्कर्म की संख्या सबसे ज़्यादा मध्य प्रदेश में है। इसके गुनहगार वो अपराधी तो हैं ही जिन्होंने ये गुनाह किए। साथ ही प्रदेश की भाजपा सरकार भी है, जो बेटियों की रक्षा करने में अक्षम है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि न न्याय है, न कानून व्यवस्था और न अधिकार - आज, मध्य प्रदेश की बेटियों की स्थिति से पूरा देश शर्मसार है। मगर, प्रदेश के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री में बिल्कुल शर्म नहीं है - चुनावी भाषण, खोखले वादों और झूठे नारों के बीच बेटियों की चीखें उन्होंने दबा दी हैं। राहुल की यह टिप्पणी उज्जैन में 12 साल की मानसिक रूप से विक्षिप्त लड़की के साथ क्रूरतापूर्ण बलात्कार की घटना के बाद आई है। लोगों की उदासीनता का सामना करते हुए लड़की को सड़क पर खून से लथपथ पाया गया। विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक टीम द्वारा लड़की का ऑपरेशन किया गया, जिसकी हालत गंभीर लेकिन स्थिर बताई जा रही है।

एक अधिकारी ने कहा कि लड़की उज्जैन के बाहर किसी इलाके की लगती है। चूंकि वह (घटना पर) ठीक से प्रतिक्रिया नहीं दे पा रही है, इसलिए विशेषज्ञों और परामर्शदाताओं की मदद से उससे बात करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। मामले पर बोलते हुए मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा है कि अपराध की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है।

## दिल्ली के कीर्ति नगर में बढ़ई भाइयों से राहुल गांधी ने की मुलाकात

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को दिल्ली के कीर्तिनगर इलाके में लकड़ी के कारीगरों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं के बारे में जाना। उन्होंने इस मुलाकात की तस्वीरें 'एक्स' सहित कई अन्य सोशल मीडिया मंचों पर साझा की। इन तस्वीरों में वह लकड़ी के कारीगरों से मुलाकात के साथ उनके औजार भी इस्तेमाल करते देखे जा सकते हैं। राहुल गांधी ने कहा, ''दिल्ली के कीर्तिनगर स्थित एशिया के सबसे बड़े फर्नीचर मार्केट जाकर आज बढ़ई भाइयों से मुलाकात की। ये मेहनती होने के साथ ही कमाल के कलाकार भी हैं- मज़बूती और खुबसूरती तराशने में माहिर! काफ़ी बातें हुई, थोड़ा उनके हुनर को जाना और थोड़ा सीखने की कोशिश की।'' हम आपको याद दिला दें कि राहुल गांधी 'भारत जोड़ो यात्रा' पूरी करने के बाद समाज के अलग-अलग वर्गों के लोगों से मुलाकातें कर रहे हैं। पिछले दिनों उन्होंने आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर कुलियों से मुलाकात की थी। ऐसी मुलाकातों का हवाला देते हुए कांग्रेस का कहना है कि राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' अब भी जारी है। पिछले सप्ताह राहुल गांधी ने छत्तीसगढ़ दौरे के दौरान ट्रेन में सफर कर मुसाफिरों से भी बात की थी।

खेल
प्रमुख समाचार

## ऑस्ट्रेलिया स्पिनर एश्टन एगर हुए विश्व कप से बाहर

**नईदिल्ली।** वर्ल्ड कप 2023 के आगाज में अब बस कुछ ही दिन शेष रह गए हैं। लेकिन उससे पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एश्टन एगर विश्व कप से बाहर हो गए हैं। द डेली टेलीग्राफ की एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि एगर चोट से अभी तक उबर नहीं पाए हैं। जो उन्हें साउथ अफ्रीका के खिलाफ हालिया टी20 सीरीज के दौरान लगी थी।

इस महीने की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया की अस्थायी वर्ल्ड कप टीम में नामित अगर, अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए साउथ अफ्रीका के खिलाफ एक मुकाबले के बाद स्वदेश लौट गए थे। बाद में भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में भी हो नहीं खेल पाए।

हालांकि, भारत में ऑस्ट्रेलियाई सफेद गेंद टीम में शामिल होने की उम्मीद नहीं है। तनवीर संघा, मार्नस लाबुशेन और मैथ्यू शॉर्ट के साथ उनके संभावित प्रतिस्थापन के रूप में सामने आ रहे हैं। उम्मीद है कि गुरुवार तक ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने आखिरी 15 खिलाड़ियों वाली वर्ल्ड कप टीम की घोषणा करे। बता दें कि, इससे पहले एश्टन एगर ने फरवरी-मार्च में टेस्ट सीरीज के लिए भारत का दौरा किया था। लेकिन उन्हें बिना एक भी मैच खिलाए वापस स्वदेश लौटना पड़ा। एश्टन एगर को पहले दो टेस्ट मैचों के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम के प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली थी और उसके बाद उन्हें वापस भेज दिया गया था। अगर एश्टन एगर वर्ल्ड कप से भी बाहर हो जाते हैं। तो ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई टीम को जल्द से जल्द उनके रिप्लेसमेंट का ऐलान करना होगा। क्योंकि कंगारू टीम के पास फ्रंटलाइन स्पिनर के रूप में केवल एडम जैम्पा ही बचे हैं। ग्लेन मैक्सवेल ने जरूर भारत के खिलाफ तीसरे वनडे में अच्छा प्रदर्शन किया हो लेकर वो नियमित स्पिनर नहीं हैं।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान
प्रमुख समाचार

## सेंसेक्स 610 अंक लुढ़ककर 66 हजार के नीचे आया

**नईदिल्ली।** ग्लोबल मार्केट से मिले कमजोर रूझानों, कच्चे तेल की बढ़ती कीमत और आईटी शेयरों में कमजोरी के बीच हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन यानी गुरुवार को घरेलू शेयर एक महीने के निचले स्तर पर बंद हुए। दोनों फ्रंटलाइन इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी में भारी गिरावट दर्ज की गई। आज के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 610 अंक टूटा। वहीं, निफ्टी में भी 193 अंकों की गिरावट देखी गई। व्यापक बाजारों में, क्चस्श्व मिडकैप सूचकांक 0.08 फीसदी और स्मॉलकैप सूचकांक 0.46 फीसदी चढ़ा। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 610.37 अंक यानी 0.92 फीसदी की गिरावट के साथ 65,508.32 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 66,406.01 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 65,423.39 तक आया। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी में भी 192.90 अंक यानी 0.98 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

## चालू खाता घाटा पिछले साल के मुकाबले घटकर आधा हुआ

**नई दिल्ली।** रिजर्व बैंक ने बताया है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में भारत का चालू खाता घाटा कम होकर 9.2 अरब डॉलर हो गया है, जो कि भारत की कुल जीडीपी का 1.1 प्रतिशत है। बता दें कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत का चालू खाता घाटा 17.9 अरब डॉलर था, जो कि भारत की जीडीपी का 2.1 प्रतिशत था। हालांकि चालू खाता घाटा पिछली तिमाही के मुकाबले यह ज्यादा है। पिछली तिमाही में चालू खाता घाटा 1.3 अरब डॉलर था, जो कि जीडीपी का 0.2 प्रतिशत था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अप्रैल जून तिमाही में बढ़ते व्यापार घाटे और नेट सर्विसेज में कम सरप्लस के साथ ही प्राइवेट ट्रांसफर रिसीट में कमी के कारण चालू खाते में पिछली तिमाही के मुकाबले उछाल आया है। प्राइवेट ट्रांसफर रिसीट का एक बड़ा हिस्सा विदेशों में काम करने वाले भारतीयों द्वारा देश में भेजे जाने वाले पैसे से आता है।

## बेहतर कर अनुपालन से बढ़ा जीएसटी कलेक्शन : संजय

**नईदिल्ली।** केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड के प्रमुख संजय कुमार अग्रवाल ने गुरुवार को कहा कि माल एवं सेवा कर के मासिक संग्रह में आई तेजी के पीछे बेहतर कर अनुपालन की अहम भूमिका है और रिटर्न जमा करने एवं पंजीकरण में सख्ती से कर चोरी पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी। अग्रवाल ने यहां उद्योग मंडल फिक्की के एक कार्यक्रम में कहा कि केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड को कर चोरी की आशंका वाले क्षेत्रों में कर दरों को सुसंगत करने से संबंधित कई सुझाव मिले हैं और बोर्ड इन सभी पर चर्चा कर रहा है। जीएसटी कलेक्शन पिछले कई माह से लगातार 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक बना हुआ है। अप्रैल में यह 1.87 लाख करोड़ रुपये रहा था और चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों में औसत मासिक संग्रह 1.67 लाख करोड़ रुपये रहा है।

## एसआईजी गुजरात प्लांट में 10 करोड़ यूरो का करेगी निवेश

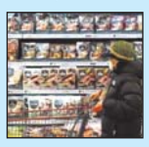



**नईदिल्ली।** अग्रणी पैकेजिंग समाधान प्रदाता एसआईजी को उम्मीद है कि भारत उसके वैश्विक स्तर पर टॉप 10 बाजारों में से एक होगा। कंपनी यहां अपना पहला प्लांट स्थापित करने के लिए करीब 10 करोड़ यूरो (878.8 करोड़ रुपये) का निवेश कर रही है। एसआईजी ने 2018 में भारतीय बाजार में प्रवेश किया था। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सैमुअल सिग्रिस्ट ने बुधवार को कहा कि हमने भारत में ''अभूतपूर्व वृद्धि'' देखी है और उम्मीद है कि यह ''आगे बढ़ने में हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।'' उन्होंने कहा कि भारत में पेय पदार्थ उद्योग की वृद्धि के साथ-साथ बढ़ती अर्थव्यवस्था, लोगों की आय तथा डिब्बाबंद भोजन की खपत जैसे कारकों से कंपनी ने बेहतर प्रदर्शन किया है।

# निवेशकों को बचाने आए सेबी के नए नियम

**धनेन्द्र कुमार**

भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर इस समय दुनिया के बड़े देशों में सबसे तेज है। कई रिपोर्ट्स बताती हैं कि भारत में छोटे और मध्यम दर्जे के शहरों और गांवों में तेजी से विकास हो रहा है, बाजार भी बढ़ रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में मोबाइल फोन और इंटरनेट इस्तेमाल करने वालों की संख्या कुल आबादी की करीब 88त्न है, गांव-गांव में तकनीकी सुविधाओं का लाभ पहुंच रहा है। आर्थिक स्थिति सुधरने से काफी लोग स्टॉक मार्केट में भी निवेश करने लगे हैं।

यह बात सच है कि निवेशक अपनी धारणा सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध जानकारी और खबरों से बनाते हैं। अगर निवेशकों को किसी कंपनी और प्रबंधन पर भरोसा है तो उस स्टॉक को हाई वैल्यूएशन मिलता है। इसी तरह शेयर प्राइस में तेजी निवेशकों के कंपनी पर विश्वास और उसे प्रदर्शन पर निर्भर होती है। लेकिन कभी-कभी बाजार के कुछ उतार-चढ़ाव अफवाहों के आधार पर या कुछ ऐसे तत्वों के हस्तक्षेप के कारण हो जाते हैं, जिनसे आम निवेशकों की सुरक्षा जरूरी हो जाती है।

उदाहरण के तौर पर, पिछले दिनों अडाणी ग्रुप से रिलेटेड ऐसी कुछ घटनाएं हुई थीं। हिंडनबर्ग और ऑर्गनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रॉजेक्ट की रिपोर्ट जारी होने से इस कंपनी के शेयरों में गिरावट आई और आम निवेशकों पर भी इसका असर पड़ा। हालांकि ध्यान रखना चाहिए कि दोनों रिपोर्टों के बावजूद अडाणी ग्रुप में कुछ विदेशी निवेशक जैसे त्रत्तक्त्र पार्टनर्स, कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी सहित और भी लोग निवेश कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त समिति की

रिपोर्ट के मुताबिक इस मामले में 24 जनवरी से 27 फरवरी के बीच अडाणी ग्रुप में भारतीय निवेशकों को लगभग 29,200 करोड़ का नुकसान हुआ है। सेबी भी मामले की जांच कर रहा है। प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि कुछ विदेशी निवेशकों सहित एक दर्जन कंपनियां अडाणी ग्रुप के शेयर में 'शॉर्ट' करने से मुनाफे में रहीं। कुछ निवेशकों द्वारा विशिष्ट कंपनियों में कृत्रिम तरीकों से भाव गिराना और उसका व्यक्तिगत लाभ उठाकर बेच देना कई देशों में गैर-कानूनी है। इसलिए यहां सवाल उठता है कि क्या अडाणी ग्रुप के बारे में जो आरोप लगाए गए, उनके विषय में तथ्यात्मक जांच की गई?

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक इंटरव्यू में शॉर्ट सेलिंग को लेकर सेबी के रोल पर प्रकाश डाला था। उन्होंने कहा था कि नियमों के समुचित पालन से कॉरपोरेट गवर्नेंस को बढ़ावा मिलता है, जिससे अर्थव्यवस्था निर्बाध रूप से बढ़ती है। गलत सूचना और अफवाह निवेशकों के विश्वास को हिला सकते हैं। बाजार और अर्थव्यवस्था पर भी इसका गहरा असर पड़ता है। केवल विदेशी निवेशकों का ही नहीं, भारत के हजारों छोटे और मध्यम वर्गीय निवेशकों का भी नुकसान हो सकता है। अच्छी बात यह है कि सेबी के नए नियमों के मुताबिक अब कंपनियों को मीडिया में चल रही कंपनी से संबंधित सार्वजनिक निवेश की अफवाहों या खबरों की पुष्टि या खंडन करना होगा। यह सूचना दिए जाने के 24 घंटे के भीतर कंपनी को स्पष्टीकरण देना होगा। यह नियम शीर्ष 100 कंपनियों के लिए 1 अक्टूबर 2023 से लागू हो जाएगा और शीर्ष 250 कंपनियों के लिए 1 अप्रैल 2024 से।

दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था के रूप में उभरने के लिए जरूरी है कि कॉरपोरेट गवर्नेंस की सुरक्षा और अनुपालन हो और अफवाहों को भारत के आर्थिक ढांचे में बाधा न बनने दिया जाए। इसके लिए सेबी, ऋक्चढ्ढ, श्वष्ठ, स्टॉक एक्सचेंज और सरकार को मिलकर काम करना होगा। इसके साथ ही विश्व के अन्य विकसित केंद्रों के अधिनियमों को भी ध्यान में रखना होगा। सिंगापुर और दुबई हमारे लिए अच्छे उदाहरण हैं और दोनों ही देशों से निवेश हमारे देश में आता है। आशा करते हैं कि सेबी के नए नियम लागू होने से इस समस्या का काफी हद तक समाधान होगा।

मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक पेंशन योजना

# कांग्रेस का एक और नया झूठ व छल : पांडेय

**रायपुर।** भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री प्रेमप्रकाश पांडेय ने प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की जा रही मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक पेंशन योजना को कांग्रेस का एक और नया झूठ व छल बताया है। श्री पांडेय ने उक्त योजना को नितांत अव्यावहारिक करार देते हुए कहा कि चुनाव के करीब आते ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के माध्यम से कराए जा रहे भरोसे का सम्मेलन प्रदेश सरकार के प्रति कांग्रेस नेतृत्व और प्रदेश की जनता के खत्म हो चुके भरोसे का प्रतीक बन चुका है। श्री पांडेय ने कहा कि उक्त योजना में 60 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले और 10 वर्ष पूर्व पंजीबद्ध अभ्यर्थियों को 1500 रुपए प्रतिमाह पेंशन का प्रावधान किया गया है, लेकिन इस योजना में अर्हताएँ प्राप्त पंजीकृत मजदूर कुल वृध्द मजदूरों का एक प्रतिशत भी नहीं है। अत: यह योजना मात्र दिखावा है। प्रतिवर्ष मजदूरों के नवीनीकरण की प्रक्रिया में ऐसे पात्र मजदूरों की संख्या नगण्य है। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने जो अटल पेंशन योजना लागू की है, उसमें कोई व्यक्ति, जिसकी उम्र 45 वर्ष है और वह यदि 15 साल तक अपना अंश जमा करता है तो उसे 60 वर्ष की आयु के बाद आजीवन प्रतिमाह 15 सौ रुपए से लेकर 5 हजार रुपए बतौर पेंशन मिलेंगे। इसलिए प्रदेश सरकार की यह योजना पूर्णत: फर्जी है। श्री पांडेय ने



कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के छत्तीसगढ़ प्रवास पर सवाल करते हुए उनसे सवालों का जवाब भी मांगा है। भाजपा नेता और पूर्व मंत्री श्री पांडेय ने गुरुवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में आहूत पत्रकार वार्ता में बताया कि श्रम विभाग में कौशल विकास योजना के तहत करीब 10 करोड़ रुपए से ज्यादा कंपनियों को भुगतान किया गया है। केन्द्र की आरपीएल कौशल विकास योजना में जिस राष्ट्रीय कंपनी को मजदूरों के कौशल विकास योजना का कार्य दिया था, उसे मंत्री के नजदीकी एक ही व्यक्ति को पेटी कॉन्ट्रैक्ट दे दिया गया और बड़ी संख्या में मजदूरों का फर्जी कौशल उन्नयन किया गया, फर्जी तरीके से राशि की बंदरबाँट की गई है। इस योजना में मजदूरों के कार्यस्थल पर प्रशिक्षण दिया जाना है जबकि श्रम विभाग द्वारा श्रम कार्यालयों में फर्जी मजदूरों का प्रशिक्षण कराकर भारी राशि का घोटाला किया गया है। श्री पांडेय ने कहा कि मंडल की विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में वर्तमान सरकार ने अधिकांश योजनाओं का लाभ उसकी प्रक्रिया को जटिल करते हुए बंद कर दिया है। श्रमिकों के बीच लोकप्रिय कन्या विवाह योजना, जिसके तहत श्रमिकों की कन्याओं के विवाह हेतु 20 हजार रुपए की राशि प्रदान की जाती थी एवं नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना, जिसके तहत श्रमिकों के बच्चों को 15 सौ रुपए से लेकर 55 हजार रुपए तक की छात्रवृत्ति कक्षा 1 से लेकर स्नातकोत्तर के छात्रों को प्रदान की जाती थी। इन योजनाओं को प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने पूर्णत: बंद कर दिया है। भाजपा नेता और पूर्व मंत्री श्री पांडेय ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के समय पूर्व में पंजीकृत लगभग 18 लाख श्रमिकों के पंजीयन में से वर्तमान सरकार द्वारा करीब 9 लाख पात्र निर्माण मजदूरों का पंजीयन रद्द कर उन्हे सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभ से वंचित कर दिया गया है। इसी तरह छत्तीसगढ़ राज्य में वर्तमान में निर्माण श्रमिकों के पंजीयन हेतु कुल 35 लाख श्रमिकों द्वारा आवेदन किया गया था परंतु मात्र 93 हजार श्रमिकों का ही पंजीयन किया गया। श्री पांडेय ने कहा कि वर्तमान काग्रेस सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं में भ्रष्टाचार की संलिप्तता के कारण अपात्र लोगों को योजनाओं का लाभ प्राथमिकता से दिया जा रहा है और पात्र लोगों को योजनाओं के लाभ से वंचित रखा जा रहा है। इसी तरह प्रवासी मजदूरों की संख्या पलायन को देखते हुए उसका पंजीयन रजिस्टर बनाने का प्रावधान है लेकिन पंजीयन रजिस्टर आज तक नहीं बनाया गया। श्री पांडेय ने कहा कि नये निर्माण श्रमिकों के पंजीयन की प्रक्रिया बहुत जटिल एवं भ्रष्टाचारयुक्त होने के कारण नए श्रमिकों का पंजीयन नहीं हो पा रहा है तथा पुराने पंजीकृत श्रमिकों के पंजीयन का नवीनीकरण भी नहीं हो रहा है। भाजपा नेता व पूर्व मंत्री श्री पांडेय ने कहा कि वर्तमान कांग्रेस सरकार द्वारा मंडल के सेस (आय) के 600 करोडॉ रुपए में मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा का लाभ न देकर पूरे प्रदेश में विज्ञापन/प्रचार में करोड़ों की राशि खर्च की जा रही है, जो कि मंडल के अधिनियम एवं सर्वोच्च न्यायालय की सिफारिशों के विरुद्ध है। श्री पांडेय ने बताया कि नियमानुसार मंडल का स्थापना खर्च, कुल सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में हुए खर्च का 5 प्रतिशत ही किया जा सकता है, जबकि वर्तमान सरकार द्वारा में करीब 15 प्रतिशत स्थापना खर्च किया जा रहा है जो कि नियम का घोर उल्लंघन है। श्री पांडेय ने आरोप लगाया कि देश में छत्तीसगढ़ राज्य पहला ऐसा प्रदेश है जहां श्रम कानूनों का खुला उल्लंघन किया जा रहा है। प्लेसमेंट/दैनिक वेतनभोगी जैसे कम वेतन प्राप्त करने वाले कर्मचारियों का जिले से बाहर स्थानांतरण किया जा रहा है।

पीएससी भर्ती विवाद पर सरकार पर साधा निशाना

# 'करियर किलर सरकार' करार देते हुए सीबीआई जांच की दी चुनौती: बृजमोहन

**रायपुर।** भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने पीएससी, वन सेवा भर्ती परीक्षा और शिक्षक भर्ती में भ्रष्टाचार की बात कहते हुए प्रदेश की कांग्रेस सरकार को राज्य के युवाओं के लिहाज से 'करियर किलर सरकार' करार दिया. उन्होंने बीते पांच सालों के दौरान हर वर्ग के साथ धोखा करने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस सरकार को इन तमाम प्रकरणों की जांच सीबीआई से कराने की चुनौती दी.



वरिष्ठ विधायक अग्रवाल ने बयान जारी कर कहा कि युवा छत्तीसगढ़ और देश का भविष्य हैं. इन युवाओं के कैरियर में 5 साल बहुत होता है, उसे बर्बाद करना देश के साथ गद्दारी है, और अक्षम्य अपराध भी. लेकिन कुटिल और कुशासन की प्रतीक कांग्रेस की छत्तीसगढ सरकार ने ऐसा किया है. इसने संविधान की मर्यादाओं को तार-तार कर पांच साल में पीएससी, व्यापम, पुलिस, शिक्षक भर्ती, फॉरेस्ट में भर्ती और यहां तक की चपरासी की भर्ती में भी घोटाला किया है.भाजपा नेता ने राज्य सेवा परीक्षा 2021 और राज्य सेवा परीक्षा 2022 में हुए घोटाले को स्वतंत्र भारत का सबसे शर्मनाक और सबसे बड़ा घोटाला निरुपित किया. उन्होंने कहा कि वर्ष 2018 से लेकर 2023 तक हर परीक्षा में राज्य सरकार ने मंडी लगाकर भर्तियां की है, पदों को बेचा है. यह छत्तीसगढ़ के युवाओं के साथ भद्दा, क्रूर और गंदा मजाक है.

## रायपुर पहुंचे सीबीआई के डायरेक्टर सूद

**रायपुर।** सीबीआई के डायरेक्टर प्रवीण सूद रायपुर पहुंचे है। जिनका रायपुर विमानतल पर डीजीपी अशोक जुनेजा और रायपुर आईजी ने स्वागत किया है। सीबीआई जांच एजेंसी के किसी डायरेक्टर का ये छत्तीसगढ़ में लंबे वक्त के बाद पहला दौरा होगा।इस दौरे में प्रवीण सूद रायपुर स्थित सीबीआई दफ्तर के कामकाजों की समीक्षा करेंगे। साथ ही निर्देश भी देंगे।

सीजी में मप्र का फार्मूला अपनाए जाने पर चंद्राकर का बोले

# चाहिए ऐसे उम्मीदवार जो कांग्रेस को मुंह के बल पटके

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में भी मध्यप्रदेश फॉर्मूला अपनाए जाने पर भाजपा नेता अजय चंद्राकर ने कहा कि मध्यप्रदेश में 230 सीटों की तो छत्तीसगढ़ में 90 सीटों की विधानसभा है. सांसदों की संख्या में भी अंतर है, राजनीतिक परिस्तिथियां दूसरी हैं. छत्तीसगढ़ में भी विजय बघेल को टिकट दिए हैं. यह प्रयोग नहीं है, जो जिताऊ हो और कांग्रेस को मुंह के बल पटके ऐसे उम्मीदवार चाहिए.

पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के बैक टू बैक दौरे पर कांग्रेस के सवाल खड़े करने पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस यह स्वीकारती है कि छत्तीसगढ़ में भाजपा के पास बड़े नेता हैं.

कांग्रेस के पास तथाकथित रूप से बड़े नेता के नाम पर एक परिवार के तीन सदस्य हैं. खानदारी परिवार के तीन लोग और उनके सीईओ मल्लिकार्जुन अर्जुन खरगे भी हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा के जरिए अलग-अलग वर्गों को साधने की बात पर अजय चंद्राकर ने कहा कि कोई अलग-अलग वर्ग नहीं होते. भाजपा सामाजिक समरसता में भरोसा करती है. हम सबको मार्गदर्शन मिलेगा. देश-दुनिया में जो कार्य हो रहा है, उससे छत्तीसगढ़ की जनता भी अवगत होगी.गृह मंत्री अमित शाह का दौरा बार-बार स्थगित होने पर अजय चंद्राकर ने कहा कि चार राज्य है, जहां खरगे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के लिए खर्चा होता है. और उनके ऊपर देश-दुनिया का भार है. आज आपने देखा होगा कि अजित डोभाल ने कनाडा के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार से चर्चा की. ऐसी मसलों को भी गृह मंत्रालय को भी सुलझाना है. लेकिन यह बात छत्तीसगढ़ के कांग्रेस नेताओं को समझ में नहीं आएगी.वहीं कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का बलौदाबाजार दौरे पर कहा कि किसान और सैनिक बहाना है, वह भूपेश बघेल से सनातन धर्म सीखने आ रहे हैं।

# निर्मला बेहार व डॉ. रामकुमार बेहार दुबई में सम्मानित

**रायपुर।** सारंगढ के लिये अत्यधिक गर्व व हर्ष का विषय है कि यहां के प्रतिष्ठित बेहार परिवार के दो सदस्यों का दुबई यू ए ई में सम्मान हुआ अंतर्राष्टीय हिंदी उत्सव में यह सम्मान दिया गया निर्मलाजी को अंतर्राष्टीय महादेवी वर्मा हिंदी सेवा सम्मान और डां बेहार को इतिहास व साहित्य क्षेत्र में कार्य के लिये शिखर सम्मान से नवाजा गया है.निर्मलाजी की बीस से अधिक पुस्तके प्रकाशित हो चुकी है,देश की विभिन्न स्थानों से पचास से अधिक सम्मान उन्हे प्राप्त हो चुके हैं.अधिवक्ता,रेकी मास्टर,योगाचार्य के अलावा वे अंचल के प्रमुख महिला साहित्यकारों में गिनी जाती हैं दुबई का सम्मान पहला अंतर्राष्टीय सम्मान है।

# खड़गे के कान में कब सुनाई देगी महतारी की बेटियों की चीख: चंदेल

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी व कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से सवाल किया है कि छत्तीसगढ़ की दुष्कर्म पीड़ित बेटियों की चीख उन्हें क्यों सुनाई नही देतीं? खड़गे जी को तो एक परिवार के आदेश निर्देश के सिवाय कुछ सुनाई नहीं देता। हमारे सम्माननीय बुजुर्ग हैं। उन्हें छत्तीसगढ़ की बेटियों, बहनों, बुजुर्ग महतारियों की चीखें सुनाई नहीं देतीं तो शायद उम्र का असर होगा। कम सुनाई पड़ता होगा। राहुल गांधी ने दुष्कर्म के एक मामले में मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार को गुनाहगार बता दिया तो वह खड़गे जी को सुनाई दे गया। गांधी परिवार जो कहे, उसे दोहराना खड़गे जी का मुख्य कर्म है। नित्य कर्म है। रोज ही उन्हें गांधी परिवार के वचनों का भजन गाना ही पड़ता है। न जाने कब केसरी जी की गति को प्राप्त हो जाएं, इसलिए उतना ही सुनते हैं, जितना राहुल, सोनिया, प्रियंका बोलें। उतना ही कहते हैं, जितना गांधी परिवार कहता है। नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और बहिन प्रियंका तो युवा हैं। उन्हें तो



छत्तीसगढ़ की मासूम बच्चियों से लेकर उम्रदराज माताओं तक की चीख सुनाई पड़नी चाहिए। कमाल है कि इनके करुणामयी नेत्रों में न तो छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार की हकीकत दिखाई देती है और न ही बेटियों की चीखें इनके कान में प्रवेश करती हैं। कारण यह है कि आंखों पर एटीएम की पट्टी बंधी हुई है और कानों में रुई घुसी हुई है। ये छत्तीसगढ़ में मां बहिन बेटियों के साथ हर रोज हो रहे दुष्कर्म के खिलाफ कुछ बोलने की हिम्मत नहीं करते। कारण यह है कि मुंह पर सोने का ताला जड़ दिया गया है। नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा कि मध्यप्रदेश की घटना राहुल गांधी को भारत माता के हृदय पर आघात लगती है और छत्तीसगढ़ महतारी की बेटियों की अस्मिता पर कांग्रेस राज में जो वज्राघात हो रहा है, वह उन्हीं क्या लगता है, यह छत्तीसगढ़ महतारी की संतानें पूछ रही हैं।

# बिलासपुर में होगा रैली का समापन, पीएम होंगे शामिल

**बिलासपुर।** भारतीय जनता पार्टी की परिवर्तन यात्रा का समापन 30 तारीख को बिलासपुर में होने जा रहा है। इस अवसर पर विशाल जनसभा का आयोजन किया गया है। जिसका नाम %परिवर्तन महासंकल्प रैली% रखा गया है। रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शिरकत करेंगे। रैली में भारतीय जनता पार्टी के लाखों की संख्या में लोगों को जुटाने का प्रयास किया जाएगा। इसी उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी ने बिलासपुर जिले के 6 विधानसभा क्षेत्रों में प्रचार के लिए प्रचार रथ को आज हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। आज प्रेस वार्ता करते हुए छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमर अग्रवाल ने बताया कि परिवर्तन महासंकल्प रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विशाल सभा को संबोधित करेंगे,इसमें प्रदेश भर से लाखों कार्यकर्ता और आमोखास आएंगे। यह सभा एक ऐतिहासिक चुनावी सभा होगी।

छत्तीसगढ़/राजधानी प्रमुख समाचार

## शाह बतायें विधेयक पर हस्ताक्षर क्यों नहीं हो रहा? : बैज

**रायपुर।** चुनाव में आरक्षण बिल सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा होगा कांग्रेस इस मुद्दे को जनता के बीच लेकर जायेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि भाजपा और केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह बतायें आरक्षण संशोधन विधेयक पर राज्यपाल हस्ताक्षर क्यों



नहीं कर रहे है? आरक्षण विधेयक को भाजपा ने राजभवन में रोकवा कर रखा हुआ है। यह भाजपा का गरीब विरोधी, आदिवासी विरोधी, पिछड़ा वर्ग विरोधी, अनुसूचित जाति विरोधी कदम है। कांग्रेस की भूपेश सरकार ने राज्य के सभी वर्ग के लोगो के हितों में ध्यान रख कर आरक्षण विधेयक बनाया है और सभी जाति वर्ग की उनकी जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण देने का प्रावधान किया गया है। कांग्रेस की सरकार और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को लोगों को आरक्षण देने का श्रेय न मिले इसी राजनैतिक विद्वेष के कारण भारतीय जनता पार्टी राज्यपाल से हस्ताक्षर नहीं होने दे रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि जो आरक्षण विधेयक राजभवन में अटका हुआ है उसके लिए पूर्ण रूप से जिम्मेदार अमित शाह हैं। राज्यपाल, केंद्रीय गृह मंत्री के निर्देशन में ही काम करते हैं और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसे दुर्भावनावश इसलिए रोक कर रखा है ताकि आरक्षण का लाभ प्रदेश की जनता को ना मिल सके और राजनैतिक लाभ भूपेश सरकार को ना मिल सके।

## कांग्रेस निकालेगी 2 अक्टूबर को 90 विस क्षेत्रों में भरोसा यात्रा

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर 2023 को एक-दिवसीय विधानसभा-



स्तरीय कांग्रेस भरोसा-यात्रा का आयोजन किया जायेगा। यात्रा के माध्यम से प्रदेश के समस्त 90 विधानसभा क्षेत्रों में अधिक से अधिक ग्रामों में पहुंचकर राज्य सरकार के जन-कल्याणकारी योजनाओं के साथ-साथ भारतीय जनता पार्टी सरकार द्वारा अपने विगत 15 वर्षों के कार्यकाल में छत्तीसगढ़ व छत्तीसगढ़वासियों के साथ किये गये छल से आमजनता को अवगत कराया जाएगा। कार्यक्रम, यात्रा के दौरान नुक्कड़ सभा करते हुए आमसभा के रूप में समापन किया जाना है।कार्यक्रम में लोकसभा स्तर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राजनांदगांव, उप-मुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव सरगुजा एवं रायगढ़, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज बस्तर एवं कांकेर, गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू दुर्ग एवं बिलासपुर, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत कोरबा एवं जांजगीर तथा नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया रायपुर एवं महासमुंद लोकसभा क्षेत्र का नेतृत्व करेंगे।

## भाजपा पीएससी पर झूठे आरोप लगा रही: ठाकुर

**रायपुर।** प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के पास सरकार के खिलाफ कोई मुद्दा नहीं है तो भारतीय जनता पार्टी ऐसी संस्थाओं की विश्वसनीयता को संदिग्ध बनाने का षडयंत्र कर रही है। जिन पर प्रदेश के युवाओ को भरोसा है।

राज्य लोक सेवा आयोग ऐसी संस्था है जो पढ़े लिखे युवाओं के सपनों को साकार करती है। बिना किसी ठोस आधार के अपनी दूषित कल्पना शीलता के आधार पर पीएससी जैसी संस्थाओं पर सवाल खड़ा किया जाना न सिर्फ निदंनीय है आपत्तिजनक है। यह ऐसा प्रकरण है जिसमें शिकायतकर्ता कोई नहीं है सिर्फ राजनैतिक दल अपनी राजनैतिक रोटी सेक रहा और सीबीआई जांच की मांग कर रहा है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि किसी परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक हुये हों। किसी कोचिंग संस्थान के पूर्व अनुमानित प्रश्न पत्रों के सेट से पीएससी के प्रश्न पत्र हू-बहू मिल रहे थे। मेरिट में चयनित अभ्यार्थियों के इन्टरव्यू के नंबर लिखित परीक्षा के अंको में बहुत ज्यादा असमानता नजर आ रही थी। चयन का आधार इंटरव्यू के नंबरों की अधिकता हो। वर्तमान में राज्य लोक सेवा आयोग के परीक्षा परिणामों पर ऐसा कोई भी आरोप नहीं लगा है उसके बावजूद गड़बड़ी के मनगढ़ंत आरोप लगाना भारतीय जनता पार्टी का निम्न स्तरीय हथकंडा है।

## सभा करने का साहस नहीं, सभाओं में लोग आ नहीं रहे तो गोपनीय बैठकें कर रहे: शुक्ला

**रायपुर।** भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ आये और भाजपा कार्यालय में बैठक करके वापस चले गये। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद



शुक्ला ने कहा कि भाजपा की सभाओं में भीड़ नहीं आ रही, शाह और नड्डा सहित केंद्रीय मंत्रियों की सभाओं में लोग नहीं आ रहे इसलिये अब भाजपा के बड़े नेता बंद कमरों में मीटिंग कर रहे। सभा करने का साहस नहीं जुटा पा रहे। कांग्रेस की सभाओं में लाखों लोग इकट्ठा हो रहे है, इससे भी भाजपा डरी हुई है। भाजपा नेताओं की सभा में जनता नहीं आ रही उनकी परिवर्तन यात्रा को जनता ने नकार दिया तो भाजपा के वरिष्ठ नेता चुनावी राज्य छत्तीसगढ़ में आकर बैठकों की औपचारिकता निभा रहे है। भाजपा जनता के सवालों का जवाब देने का साहस नहीं जुटा पा रही। केंद्र में सरकार चलाते 9 साल हो गये जनता से जो वादे किये थे उसके बारे में छत्तीसगढ़ की जनता जानना चाहती है उसके सवालों का जवाब भाजपा कब देगी? 15 सालों तक छत्तीसगढ़ के शोषण, भ्रष्टाचार और अत्याचार का जवाब भाजपा नेतृत्व कब देगा।नड्डा और शाह जनता से मुंह छुपा कर जन सरोकारों के सवालों से भाग नहीं सकते है। नड्डा-शाह जवाब दे छत्तीसगढ़ की यात्री ट्रेनों को मोदी सरकार लगातार बंद और रद्द क्यों कर रही है? दो करोड़ रोजगार प्रतिवर्ष के वादानुसार 18 करोड़ रोजगार युवाओं को कब मिलेगा।

## चौधरी ने गरीबों के घर दुकान तुड़वाए : वर्मा

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने भाजपा प्रदेश महामंत्री ओ.पी. चौधरी के ऑक्सीजोन के नाम पर हटाये गये व्यवस्थापन को लेकर दिये बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा है कि असलियत



यह है कि 70 दुकानदारों को सड़क पर लाने के लिए ओपी चौधरी ही जिम्मेदार हैं और उन्हें अपने इस कृत्य के लिए दुकानदारों से माफी मांगनी चाहिए। रमन सरकार के दौरान ओपी चौधरी जब रायपुर कलेक्टर थे उस दौरान अनेको प्राचीन मंदिरों को तोड़ा गया। रमन राज में ही प्राचीन और ऐतिहासिक मरही माता मंदिर, मौली माता मंदिर तोड़े। कमीशनखोरी के लालच में डीएमएफ के पैसों से गलत तरीके से कटोरा तालाब का सौंदर्यीकरण किया गया, डीएमएफ के पैसों से वातानुकूलित ऑडिटोरियम, ऑक्सीजोन बनाए, दो-दो मंजिल के बिल्डिंग में चार-चार लिफ्ट लगाई अधिकारी के घरों में स्विमिंग पूल बनाए गए। खनन और उद्योग प्रभावित क्षेत्र के गरीब जनता के हक और अधिकार को लूट कर खाएं। भाजपा महामंत्री ओपी चौधरी ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में 5 साल से कांग्रेस की सरकार है लेकिन वह रायपुर शहर में ऑक्सीजोन के नाम पर हटाए गए 70 दुकानदारों का व्यवस्थापन नहीं कर पाई। असलियत यह है कि रमन सरकार के दौरान अनैतिक कार्यो और प्रशासनिक आतंकवाद में ओपी चौधरी की अग्रणी भूमिका थी। बिना व्यवस्थापन के गरीबों के घर, मकान तोड़े गये।

# शाह-नड्डा ने ली 7 घंटे बैठक, पूछा- छत्तीसगढ़ में 90 सीटों पर कैसे जीतेंगे

**रायपुर।** रायपुर में गुरुवार सुबह से चल रही केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की बैठक रात करीब 9 बजे खत्म हो गई। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और महासचिव बीएल संतोष के साथ शाह ने पार्टी नेताओं की करीब 7 घंटे तक बैठक ली। इसके बाद शाह और नड्डा एक गाड़ी में बैठकर निकल गए। बैठक के बाद प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि जल्द ही प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट जारी होगी।

पार्टी प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर से हुई इस बैठक में शाह ने प्रदेश के नेताओं से चुनाव की तैयारियों को लेकर सवाल किए। पूछा कि, 90 सीटों पर जीत कैसे हासिल करेंगे, इसे बताइए? प्रदेश अध्यक्ष साव ने दैनिक भास्कर डिजिटल को बताया कि, परिवर्तन यात्रा से लेकर अलग-अलग चलाए जा रहे अभियानों के बारे में बैठक में जानकारी दी गई।

### चुनावी रणनीति को लेकर बैठक में हुई चर्चा

साव ने बताया कि बैठक में सभी कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। आने वाले दिनों में भारतीय जनता पार्टी किस तरह से चुनावी काम करेगी इसे लेकर भी बातचीत हुई है। टिकट को लेकर किए गए सवाल पर साव ने कहा कि बहुत जल्दी प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी जाएगी। इस बैठक में पार्टी के चुनिंदा नेता ही शामिल हुए थे।

### पीएम मोदी की सभाओं को लेकर हुई समीक्षा

30 सितंबर को बिलासपुर और 3 अक्टूबर को बस्तर में होने वाली नरेंद्र मोदी की सभाओं को लेकर भी बैठक में समीक्षा की गई। पार्टी सूत्रों के अनुसार, इन बैठकों में बड़ी भीड़ जुटाना। बिलासपुर और बस्तर संभाग की सीटों पर व्यापक असर पड़ सके इसे लेकर भी रणनीति तैयार की गई है। बैठक में प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, सह प्रभारी नितिन नवीन, पूर्व सीएम रमन सिंह भी शामिल थे।

# विस चुनाव 2023: रायपुर में लगेगी प्रदेशभर के आईजी-एसपी की क्लास

- चुनाव के दौरान कानून व्यवस्था संभालने दिया जाएगा प्रशिक्षण

**रायपुर।** विधानसभा चुनाव को देखते हुए शासन-प्रशासन ने कमर कस ली है. निर्वाचन के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए शुक्रवार को प्रदेश भर के ढ्ढत्र, स्क्क और.स्क्क की रायपुर में बैठक होगी. स्टेट लेवल मास्टर ट्रेनर ट्रेनिंग कार्यक्रम के लिए कल सभी अफसर राजधानी में जटेंगे. जिसमें पश्चिम बंगाल और तमिलनाडू के चीफ इलेक्शन अफसर पुलिस अफसरों को ट्रेनिंग देंगे. शहर के न्यू सर्किट हाउस में सुबह 9 बजे से प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत होगी और चार अलग-अलग सेशन में ट्रेनिंग दी जाएगी. जानकारी के मुताबिक पश्चिम बंगाल के सीईओ आरिज आफताब और तमिलनाडू के सीईओ थिरू सत्यब्रत साहू छत्तीसगढ़ के पुलिस अफसरों को प्रशिक्षण देंगे. जिसमें चुनावी तैयारी, पुलिस अफसरों की जिम्मेदारी के साथ-साथ सुरक्षा इंतजामों को लेकर विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा.

जानकारी के मुताबिक पश्चिम बंगाल के सीईओ आरिज आफताब और तमिलनाडू के सीईओ थिरू सत्यब्रत साहू छत्तीसगढ़ के पुलिस अफसरों को प्रशिक्षण देंगे. जिसमें चुनावी तैयारी, पुलिस अफसरों की जिम्मेदारी के साथ-साथ सुरक्षा इंतजामों को लेकर विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा.जानकारी के मुताबिक 30 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी बिलासपुर आ रहे हैं. लिहाजा बिलासपुर आईजी, एसपी के अलावा पीएम सुरक्षा में तैनात कुछ एसपी और एडिशनल एसपी इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे. हालांकि इस बात की पुष्टि अभी नहीं हो पाई है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.